



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 56]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 10, 2017/फाल्गुन 19, 1938

No. 56]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 10, 2017/PHALGUNA 19, 1938

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 मार्च, 2017

अंतिम जांच परिणाम

विषय: चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "एल्युमिनियम फोईल" के आयातों पर पाटन-रोधी शुल्क लगाने संबंधी निर्णायक समीक्षा जांच।

फा.सं.14/06/2015-डीजीएडी.— समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. यतः मेसर्ज हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंबई, मेसर्ज रविराज फोईल्स लिमिटेड, अहमदाबाद और मेसर्ज जिंदल इंडिया लिमिटेड (जिन्हें आगे याचिकादाता भी कहा गया है) ने संयुक्त रूप से विधिवत् अधिप्रमाणित एक आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसमें उन्होंने अधिनियम और नियमावली के अनुसार चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) निर्यातित "एल्युमिनियम फोईल" (जिन्हें आगे संबद्ध वस्तुएं भी कहा गया है) के आयातों से पाटन होने तथा संबद्ध वस्तुओं के आरोपित पाटन के परिणाम स्वरूप घरेलू उद्योग का क्षति होने का आरोप लगाया है तथा संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटन-रोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।

2. प्रारंभिक जांच के भाग के रूप में विभाग ने खान मंत्रालय और औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग को एक पत्र लिखा था तथा भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों की एक सूची के साथ-साथ संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन, उत्पादन की क्षमता, संबद्ध देश से किए गए संबद्ध

वस्तुओं के आयातों, यदि कोई हैं, के वर्ष 2011-12 से ले कर वर्ष 2014-15 तक की अवधि के आंकड़े भेजने का अनुरोध किया था। खान मंत्रालय ने इस पत्र का विधिवत् उत्तर भेजा था, जिसके साथ उन्होंने एल्युमिनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना संलग्न की थी, जिसमें भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों की सूची प्रस्तुत की गई थी।

3. और यतः प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किये गये पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर जांच की शुरुआत को यथोचित सिद्ध करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 15 दिसंबर, 2015 को अधिसूचना संख्या 15/10/2015-डीजीएडी द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी करके पाटन-रोधी नियमावली के उप-नियम 5 के अनुसार संबद्ध जांच की शुरुआत की थी, ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटन-रोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिये पर्याप्त होगी।

ख. क्रिया-विधि

4. प्राधिकारी द्वारा उपरोक्त जांच शुरू करने के लिए सार्वजनिक अधिसूचना जारी करने के बाद इस जांच के संबंध में निम्नोक्त वर्णित क्रिया-विधि का अनुसरण किया गया है :

- (1) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने की कार्यवाही शुरू करने से पहले पाटन-रोधी आवेदन पत्र प्राप्त होने के बारे में भारत में संबद्ध देश के दूतावास/प्रतिनिधियों को सूचित कर दिया था।
- (2) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास को, आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराये गये पत्रों के अनुसार संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, और भारत में ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं, अन्य भारतीय उत्पादकों और घरेलू उद्योग को जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी भी और उनसे अनुरोध किया था कि वे जाँच शुरूआत संबंधी अधिसूचना जारी किए जाने की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत करा दें।
- (3) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के नियम 6 (3) के अनुसार संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा भारत में संबद्ध देश के दूतावास को आवेदन पत्र के अगोपनीय वृत्तांत की एक प्रति प्रदान की थी।
- (4) भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास से यह भी अनुरोध किया गया था कि वे चीन से उत्पादकों/निर्यातकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने उत्तर प्रस्तुत करने की सलाह दें। साथ ही उन्हें उत्पादकों/निर्यातकों को प्रेषित किए गए पत्र की एक प्रति और प्रश्नावली, चीन जनवादी गणराज्य से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नामों और उनके पत्रों के साथ प्रेषित की गई थी।
- (5) पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देश में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों से संगत सूचना मंगाने के लिए उन्हें निर्यातक की प्रश्नावलियां और बाजार अर्थव्यवस्था की प्रश्नावलियां प्रेषित की थीं :-

- (क) डिंगशेंग एल्युमिनियम इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड
- (ख) हेबरी नार्थ चाईना एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड
- (ग) जिआंग्सू एल्चा एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड
- (घ) किसमेन किसशुन एल्युमिनियम फोईल कंपनी लिमिटेड
- (ङ) शंघाई शेनयू एल्युमिनियम फोईल कंपनी लिमिटेड

- (6) संबद्ध देश के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में निर्यातक की प्रश्नावलियों के उत्तर प्रस्तुत किए हैं:-

- (क) अल्चा इंटरनेशनल होल्डिंग लिमिटेड
- (ख) डिंगशेंग एल्युमिनियम इंडस्ट्रीज, हांग कांग ट्रेडिंग कं. लि.
- (ग) हेंगझाऊ फाईव स्टार एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड
- (घ) हेंगझाऊ डिंगशेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
- (ङ.) जिआंग्सू एल्चा एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड
- (च) जिनागशुल डिंगशेंग न्यू मेटेरियल ज्वाईंट स्टॉक कंपनी लिमिटेड
- (छ) लोफ्टन एन्वायरनमेंटल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
- (ज) लोफ्टन एल्युमिनियम (हांग कांग)
- (झ) क्विंगडाओ लोफ्टन एल्युमिनियम फोईल कंपनी लिमिटेड

- (ज) झेझियांग झोंगझिन एल्युमिनियम इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड
- (ट) झेझियांग जीकेओ न्यू मेटेरियल कंपनी लिमिटेड
- (7) लोफ्टन एन्वायरनमेंटल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड को छोड़ कर चीन जनवादी गणराज्य से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण (एमईटी) प्रश्नावली के उत्तर नहीं भेजे हैं। इसलिए वर्तमान जांच में अन्य सहयोगी निर्यातकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया गया है। लोफ्टन एन्वायरनमेंटल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड ने बाजार अर्थव्यवस्था का दावा किया है और उसने बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण (एमईटी) प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं।
- (8) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार निम्नलिखित ज्ञात आयातकों से संबद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए उनको आयातक की प्रश्नावलियां भेजी थीं:-
- (क) अलुटोप
- (ख) आरती ड्रग्स लिमिटेड
- (ग) अंशा प्रिंट पैक प्राईवेट लिमिटेड
- (घ) बेट्टस इंडिया प्राईवेट लिमिटेड
- (ङ) ब्लू स्टार लिमिटेड
- (च) बांको प्रोडक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड
- (छ) केडबरी इंडिया लिमिटेड
- (ज) केडिला फार्म्युस्युटिकल्स लिमिटेड
- (झ) क्लाइमेंट सिस्टम्स इंडिया लिमिटेड
- (ञ) डा. रेड्डीज लेबोरेटरीज लिमिटेड
- (ट) दलाल पेकेजिंग
- (ठ) फोईल पैक इंडस्ट्रीज
- (ड) ग्रीन पैक फोईल्स प्राईवेट लिमिटेड
- (ढ) ग्लेक्सोमिथिकलाईन फार्म्युस्युटिकल्स लिमिटेड
- (ण) हिन्दुस्तान लेटेक्स लिमिटेड
- (त) हिटाची होम एंड लाईफ सोल्यूशन्स (इंडिया) लिमिटेड
- (थ) झाबरी फ्लेक्सी लेमिनेट प्राईवेट लिमिटेड
- (द) जैन पेकेजिंग प्राईवेट लिमिटेड
- (ध) कोच-ग्लिच लिमिटेड
- (न) के. ए. अलू फोईल
- (प) मेक्लिओड्स फार्म्युस्युटिकल्स लिमिटेड
- (फ) निपरा इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड
- (ब) पोलीकॉम एसोसिएट्स
- (भ) पफीजर लिमिटेड
- (म) रेनबो प्लास्टिक्स इंडिया लिमिटेड
- (य) रेनबो लेबोरेटरीज लिमिटेड
- (र) आर.एस. फोईल्स प्राईवेट लिमिटेड
- (ल) स्वास्तिक फ्लेक्सी प्राईवेट कंपनी लिमिटेड
- (व) सुपरमार्क्स इंडस्ट्रीज

- (श) दि पेपर प्रोडक्ट्स लिमिटेड
- (श्र) टेकनोवा टेप्स इंडिया प्राईवेट लिमिटेड
- (ष) सुब्रोस ऑटो एयर-कंडीशनिंग सिस्टम
- (स) ज्वेल्स पेपर प्राईवेट लिमिटेड
- (ह) जिल पैक फ्लेक्सिबल पेकेजिंग मेटेरियल्स
- (क क) यूपी टिवगा फाईबर ग्लास लिमिटेड
- (ख ख) तानिया पोली फिल्मस प्राईवेट लिमिटेड
- (ग ग) फ्लेक्सिबल पेकेजिंग इंटरप्रिनियर्स ओरियन्ट एसोसिएशन
- (घ घ) ओरियन्ट प्रेस लिमिटेड फ्लेक्सिबल पेकेजिंग डिवीजन
- (ङ ङ) रोकड्यूडेलम्पेक्स प्राईवेट लिमिटेड
- (च च) सहगल पेकेजिंग प्राईवेट लिमिटेड
- (छ छ) सांवरिया सहगल पेकेजिंग प्राईवेट लिमिटेड
- (ज ज) केप कोन्स प्राईवेट लिमिटेड
- (झ झ) सार्थक पेकेजिंग प्राईवेट लिमिटेड
- (ञ ञ) मॉडर्न लेमिनेटर्स प्राईवेट लिमिटेड
- (ट ट) पिंटमेन
- (ठ ठ) प्रिंट-एन-रैप
- (ड ड) बड्डी फोईल्स प्राईवेट लिमिटेड

(9) भारत में उत्पाद के निम्नलिखित आयातकों अथवा ग्राहकों से आयातक की प्रश्नावली के उत्तर प्राप्त हुए हैं:-

- (क) फ्लोरा इंडस्ट्रीज
- (ख) हुहाटमाकी पीपीएल लिमिटेड
- (ग) इंडियन ओवरसीज एक्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड
- (घ) इंटरनेशनल ट्रेडर्स
- (ङ) माडर्न लेमिनेटर्स प्राईवेट लिमिटेड
- (च) महाले बेहर इंडिया प्राईवेट लिमिटेड
- (छ) नगरीका फोईल्स लिमिटेड
- (ज) नगरीका इंडिकोन प्रोडक्ट्स (प्राईवेट) लिमिटेड
- (झ) नगरीका सिंथेटिक्स प्राईवेट लिमिटेड
- (ञ) पर्पल इनकोर्पोरेशन
- (ट) स्क्रैफ्ट प्रोडक्ट्स प्राईवेट लिमिटेड
- (ठ) तानिया पोली फिल्मस प्राईवेट लिमिटेड
- (ड) टेद्रा पैक इंडिया प्राईवेट लिमिटेड
- (ढ) यूफ्लेक्स लिमिटेड
- (ण) यूपी टिवगा फाईबरग्लास लिमिटेड
- (त) वीरम नेचुरल प्रोडक्ट्स

- (10) खान मंत्रालय द्वारा प्रेषित की गई उत्पादकों की सूची के अनुसार प्राधिकारी ने जांच शुरू करने की सूचना, निम्नलिखित भारतीय उत्पादकों को भी भेजी थी और उनसे अनुरोध किया था कि वे संबद्ध सूचना उन्हें उपलब्ध करा दें। इस आशय की सूचना निम्नलिखित भारतीय उत्पादकों को भेजी गई थी:-

- (क) हिंडालक इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (ख) रविराज फोईल्स लिमिटेड
- (ग) जिंदल इंडिया लिमिटेड
- (घ) पी. जी. फोईल्स लिमिटेड
- (ङ) गुजरात फोईल्स लिमिटेड
- (च) एस. डी. एल्युम्युनियम
- (छ) इंडिया फोईल्स
- (ज) एमको इंडिया लिमिटेड
- (झ) मेटेनिरि लिमिटेड
- (ञ) आर. एस. फोईल्स प्राईवेट लिमिटेड
- (ट) जे. पी. फोईल्स
- (ठ) मरूधर
- (ड) इंडु फोईल्स
- (ढ) जिंदल
- (ण) पेरागन
- (त) जस्क फोईल्स
- (थ) एसवीई झारखंड
- (द) एसवीसी हैदराबाद

- (11) इस जांच की कार्रवाई के दौरान उपरोक्त प्रतिवादी निर्यातकों, आयातकों, घरेलू उद्योग और अन्य घरेलू उत्पादकों के अतिरिक्त निम्नलिखित पक्षकारों की ओर से भी निवेदन प्राप्त हुए हैं। तथापि, निम्नलिखित पक्षकारों द्वारा आयातक की प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है:-

- (क) एम एक्सिम प्राईवेट लिमिटेड
- (ख) बिलकेयर लिमिटेड
- (ग) एचबीआर पेकेजिंग
- (घ) इंडिया फ्लेक्सिबल पेकेजिंग एंड फोल्डिंग कार्टन मेन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन
- (ङ) स्वम पेकेजिंग इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड
- (च) ईजप्रोपैक लिमिटेड
- (छ) हिटाची होम एंड लाईफ (प्राईवेट) लिमिटेड
- (ज) यूनाईटेड ब्रीवरीज लिमिटेड
- (झ) हेनन क्लाईमेट सिस्टम्स इंडिया प्राईवेट लिमिटेड
- (ञ) प्रणव विकास (इंडिया) प्राईवेट लिमिटेड
- (ट) अनु एक्जिम प्राईवेट लिमिटेड
- (ठ) बिलकेयर रिसर्च लिमिटेड

(ड) एलस्ट्रोंग इंटरप्राइजिस इंडिया प्राईवेट लिमिटेड

- (12) प्राधिकारी ने विभिन्न पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के अगोपनीय वृत्तान्त को सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध करा दिया है, जो कि हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण के लिए खुली पड़ी हुई है।
- (13) पिछले तीन वर्षों और जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयातों के सौदावार विवरणों को उपलब्ध कराने के लिए वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से अनुरोध किया गया था जो प्राधिकारी द्वारा प्राप्त किए गए थे। प्राधिकारी ने सौदों की समुचित जांच के पश्चात आयातों की मात्रा के परिकलन और अपेक्षित विश्लेषण के लिए डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों का सहारा लिया है। सौदावार आयात आंकड़े को सार्वजनिक फाइल में रखा गया था। प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों के विश्लेषण को सम्मान देने के लिए डी जी प्रणाली से भी डाटा प्राप्त किया है।
- (14) वाणिज्य आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था कि वे जाँच अवधि और पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए लिए गए कारोबार-वार आयात के विस्तृत आंकड़े उपलब्ध कराएं जो कि प्राधिकारी को प्राप्त हो गए हैं। प्राधिकारी ने आयात की मात्रा का परिकलन करने के लिए तथा कारोबार की विधिवत् जांच करने के बाद अपेक्षित विश्लेषण करने के लिए डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त हुए आंकड़ों पर विश्वास किया है। कारोबार-वार आयात के आंकड़ों को सार्वजनिक फाईल पर उपलब्ध कराया गया है।
- (15) सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) और पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-III में निर्धारित दिशा-निर्देशों के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की अनुकूलतम लागत और निर्माण की लागत के आधार पर उसकी क्षति रहित कीमत का आकलन किया गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यदि पाटन मार्जिन से कम पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाता है, तो क्या वह घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (16) प्राधिकारी ने नियम 6 (6) के प्रावधान के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों को अपने मौखिक विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करने के लिए 10 मई, 2016 को एक सार्वजनिक सुनवाई की थी, जिसमें घरेलू उद्योग के प्रतिनिधियों, चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातकों और आयातकों ने भाग लिया था। मौखिक सुनवाई के समय जिन हितबद्ध पक्षकारों ने अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त किए थे उन्हें सलाह दी गई थी कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करें। हितबद्ध पक्षकारों को प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर अपने प्रत्युत्तर देने की भी अनुमति दी गई थी।
- (17) निर्दिष्ट प्राधिकारी की पदावधि में परिवर्तन हो जाने की स्थिति में तथा एटीएमए के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार नए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 4 नवंबर, 2016 को अन्य मौखिक सुनवाई की थी। इस दूसरी मौखिक सुनवाई में जिन पक्षकारों ने अपने विचारों को मौखिक रूप से व्यक्त किया था, उनसे अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करें।
- (18) घरेलू उद्योग के आंकड़ों की मौके पर जांच करने के साथ-साथ जितना आवश्यक समझा गया था, सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों की भी उतनी जांच की गई है। केवल ऐसी सत्यापित सूचना को, जहां कहीं भी आवश्यक था, उसमें आवश्यक संशोधन सहित इस अंतिम परिणाम में उन पर विश्वास किया गया है।
- (19) मौजूदा जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि, 1 अप्रैल, 2014 से जून, 2015 तक है। तथापि, क्षति का विश्लेषण करने के प्रयोजनार्थ अप्रैल, 2011- मार्च, 2012, अप्रैल, 2012-मार्च, 2013, अप्रैल, 2013 -मार्च, 2014 और जांच की अवधि (पीओआई) शामिल है।
- (20) इस जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को प्राधिकारी द्वारा जहां कहीं भी प्रासंगिक पाया गया है, वहां उनका निदान इस अंतिम जांच परिणाम में किया गया है।
- (21) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीय के दावों की उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे अन्य पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का अगोपनीय वृत्तान्त भी प्रस्तुत करें।
- (22) मौजूदा जांच की कार्यवाही के दौरान जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने आवश्यक सूचना देने से मना कर दिया है अथवा ऐसी सूचना अन्यथा प्रदान नहीं की है अथवा जांच में अत्यधिक अडचन डाली है, वहां प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है तथा "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर अपना निर्णय रिकार्ड किया है।

- (23) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसरण में संबंधित हितबद्ध पक्षकारों को 14 फरवरी, 2017 को प्राधिकारी द्वारा आवश्यक तथ्यों को प्रकट किया गया था। दिनांक 21 फरवरी, 2017 तक टिप्पणियां भेजने का अनुरोध किया गया था। प्राधिकारी द्वारा प्रकटीकरण विवरण पर प्राप्त टिप्पणियों में से संगत समझी गई टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है।
- (24) इस अंतिम जांच परिणाम में *** किसी हितबद्ध पक्षकार/किसी अन्य पक्षकार द्वारा नियमों के तहत गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई और प्राधिकारी द्वारा गोपनीय समझी गई जानकारी को निरूपित करता है।
- (25) प्राधिकारी द्वारा इस जांच के लिए अपनाई गई औसत विनिमय दर, 1 अमरीकी डालर = 66.63 रूपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

5. जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना में विचाराधीन उत्पाद को "एल्युमिनियम फोईल, चाहे वह प्रिंटेड या उसके पीछे कागज, गत्ता, प्लास्टिक्स या उसी प्रकार की कोई ऐसी पैकिंग सामग्री चिपकी हुई है, जिसकी मोटाई 5.5 माईक्रोन से ले कर 80 माईक्रोन तक की है, जिसमें एल्यूमिनेट्स और अल्ट्रा लाईट गेज कनवर्टिड और केपेसिटर शामिल नहीं हैं" के रूप में अधिसूचित किया गया है।
6. एल्युमिनियम सिलों को एल्युमिनियम फ्लेट रोल्ड उत्पाद (एफआरपी) नामक शीटों में रोल्ड किया जाता है। एल्युमिनियम फ्लेट रोल्ड उत्पाद (एफआरपी) को आगे फोईल्स में रोल्ड (वेल्लित) किया जाता है। इन दोनों किस्मों के उत्पाद के बीच अंतर उनकी मोटाई का होता है। एल्युमिनियम फ्लेट रोल्ड उत्पाद (एफआरपी) की मोटाई 80 माईक्रोन्स से अधिक होती है। रोल्ड एल्युमिनियम फ्लेट रोल्ड उत्पाद (एल्युमिनियम फोईल) जैसा भी होता है, उसे वैसे ही बेचा जाता है अथवा उसे प्रिंट करके या उसके पीछे कागज, गत्ता, प्लास्टिक्स या उसी प्रकार की कोई ऐसी पैकिंग सामग्री चिपका कर उसे लेमिनेट (जिसे बैकड भी कहा जाता है) करके बेचा जाता है। एल्युमिनियम फोईल्स को उत्पादकों अथवा परिवर्तकों अथवा अंत-प्रयोक्ताओं द्वारा प्रिंट करवाया जा सकता है।
7. एल्युमिनियम फोईल्स का व्यापक उपयोग अधिकतर सुरक्षा, भंडारण तथा खाद्य और पेय पदार्थों के लिए किया जाता है। एल्युमिनियम फोईल्स के प्रमुख अनुप्रयोग फार्मस्युटिकल्स उद्योग द्वारा औषधियों की पैकिंग के लिए, खाद्य उद्योग द्वारा संसाधित खाद्य पदार्थों के लिए तथा सिगरेट उद्योग द्वारा सिगरेटों और अन्य अनुप्रयोगों के लिए किया जाता है।
8. संबद्ध वस्तुओं को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 76 में उप-शीर्ष संख्या 7607 के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है। तथापि, सीमाशुल्क का यह वर्गीकरण निर्देशात्मक मात्र है और यह किसी भी तरीके से वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

निर्यातकों, आयातकों और हितबद्ध पक्षकारों के निवेदन

9. विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र के संबंध में निर्यातकों, आयातकों और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अपवर्जन के दावे

(1) अल्ट्रा लाईट गेज

- (क) 7 माईक्रोन से कम मोटाई के एल्युमिनियम फोईल को जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए। घरेलू उद्योग ने अपनी सुरक्षा याचिका में यह दावा किया है कि उसने 7 माईक्रोन से कम मोटाई के एल्युमिनियम फोईल का उत्पादन किया है, लेकिन अब वे पाटन-रोधी जांच के मामले में यह स्वीकार करते हैं कि सुरक्षा याचिका के समय वे 7 माईक्रोन से कम मोटाई के एल्युमिनियम फोईल का उत्पादन नहीं कर रहे थे। इसके अतिरिक्त ऐसे प्रमाण सृजित करने के लिए घरेलू उद्योग ने लघु व्यवसाय करने वाले कुछ ऐसे क्रेताओं के साथ कुछ बीजक बनाए हैं, जिनके ऊपर उनका वर्चस्व है।
- (ख) प्रयोक्ता उद्योग अपेक्षित विनिर्देशनों के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा 7 माईक्रोन से कम मोटाई के एल्युमिनियम फोईल की आपूर्ति नहीं की जाती है, जिससे वे प्रयुक्त किए जाने योग्य नहीं होते हैं। आपूर्ति करना मात्र ही पर्याप्त नहीं है, लेकिन प्रयुक्त किए जा सकने वाले उत्पाद की आपूर्ति करना मानक है, जो कि हस्तगत मामले की आवश्यकता को पूरा करता है।
- (ग) आयातित 60% विचाराधीन उत्पाद लाईट गेज और अल्ट्रा गेज का होता है। घरेलू उद्योग को यह सिद्ध करना चाहिए कि विचाराधीन उत्पाद में अन्य ग्रेडों को क्यों शामिल किया गया है और स्वतः दो उत्पादों को नहीं ?

- (घ) उपभोक्ताओं द्वारा अपेक्षित एल्युमिनियम फोईल किसी भी याचिकादाता द्वारा तकनीकी विनिर्देशनों के अनुसार नहीं बेचा जाता है और इसलिए उसे विशेषकर 7 माईक्रोन से कम मोटाई के तथा लेमिट्यूब्स में प्रयुक्त होने वाले 9 और 12 माईक्रोन के बीच की मोटाई के एल्युमिनियम फोईल को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।
- (ङ) घरेलू उद्योग अपेक्षित गुणवत्ता युक्त लाईट गेज के फोईल निर्मित करने के लिए सुसज्जित नहीं है। लाईट गेज और अल्ट्रा लाईट गेज को समान उत्पाद नहीं माना जा सकता है और इन्हें इस याचिका से बाहर रखा जाना चाहिए।
- (च) घरेलू उद्योग का 7 माईक्रोन से कम और 5.5 माईक्रोन तक की मोटाई तथा 6.35 माईक्रोन की मोटाई के फोईल का विनिर्माण करने के दावे का कोई आधार नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान अपनी विनिर्मित और बेची गई मात्रा के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। न ही घरेलू उद्योग ने उनकी अस्वीकृति के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं।
- (छ) मेसर्ज जिंदल का एचैनबाच का एक नया संयंत्र है और मेसर्ज हिंडालको का उसी निर्माता द्वारा निर्मित एक अप्रचलित संयंत्र है। यह मानते हुए कि ये दोनों संयंत्र पूर्ण क्षमता में लाईट गेज के फोईल का उत्पादन कर रहे हैं, तब भी वे $S \times 2 = 1400$ टन का उत्पादन नहीं कर सकते हैं। यह क्षमता चीन से आयातित किए जा रहे 3500/4500 मी.टन लाईट गेज के फोईल की वास्तविक आवश्यकता से काफी कम है और इसलिए इस किस्म के उत्पाद को जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।

(2). घरेलू उद्योग द्वारा स्वीकृत किया गया बहिष्करण

- (क) एल्युमिनियम फोईल कम्पोजिट: "एल्युमिनियम फोईल कम्पोजिट" (एल्युमिनियम फोईल जिसके पीछे क्राफ्ट पेपर, ग्लास स्क्रिम, ग्लास क्लॉथ चाहे वह सादा या प्रिंटेड है, चिपका हुआ है) को बाहर रखा जाना चाहिए। चीन से भारत को आयात किए जाने वाले एल्युमिनियम रोल्ड उत्पादों और एल्युमिनियम फोईल के खिलाफ सुरक्षा शुल्क जांच में उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से एल्युमिनियम कम्पोजिट पेनलों को बाहर रखा गया था। इसके अतिरिक्त अंतिम जांच परिणाम से यह पता चलता है कि हिंडालकों द्वारा एल्युमिनियम कम्पोजिट पेनल विनिर्मित नहीं किए जाते हैं।
- (ख) मौखिक सुनवाई के दौरान याचिकादाताओं ने यह स्वीकार किया था कि वे एल्युमिनियम फोईल कम्पोजिट विनिर्मित नहीं करते हैं अथवा एल्युमिनियम फोईल कम्पोजिट नहीं बेचते हैं। ऐसा उन्होंने अपने लिखित निवेदन में स्वीकार नहीं किया है।
- (ग) क्लेड विद क्लेड एल्युमिनियम: "एल्युमिनियम मंगानीज - सिलिकोन आधारित और/अथवा क्लेड एल्युमिनियम - मंगानीज - सिलिकोन आधारित एल्वॉयस, चाहे वह क्लेड हैं अथवा अनक्लेड, जो कि 35 एमपीए से अधिक की पश्च ब्रेजिंग ईल्ड क्षमता के हैं और जो हीट एक्सचेंजर्स में प्रयुक्त होते हैं और जिनमें रेडिएटर्स, चार्ज एयर कूलर्स, कंडेसर्स, ऑयल कूलर्स, हीट कोर्स, इवेपोरेटर्स, हीट वेंटीलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) प्रणालियां और उनके कलपुर्जे शामिल हैं, टैरिफ शीर्ष 7607 के अंतर्गत आते हैं।
- (घ) कुछ हितबद्ध पक्षकारों को नॉन-क्लेड एल्युमिनियम फोईल के समनुरूप क्लेड की आवश्यकता होती है, जिसका उपयोग ऐसे हीट एक्सचेंजर्स में विशेषकर वाहनों और इंजनों में कूलिंग प्रणाली में केवल रेडिएटर्स में किया जाता है। इसे याचिकादाता द्वारा बाहर रखा गया है।
- (ङ) बीयर के बोतलों में क्राउन कैप: भारत में एल्युमिनियम फोईल के किसी भी विनिर्माता के पास बीयर के बोतलों की गर्दन पर और क्राउन कैप में प्रयुक्त होने वाले एल्युमिनियम फोईल का विनिर्माण करने की क्षमता/प्रौद्योगिकी स्थापित नहीं है। बीयर की बोतलों के प्रयोजनार्थ विशिष्ट किस्म के एल्युमिनियम फोईल 11 माईक्रोन से ले कर निम्नतम 8.5 माईक्रोन तक की श्रृंखला के होते हैं। इसे वर्ष 2009 की सुरक्षा जांच के दौरान बाहर रखा गया था।

(3). हाउस होल्ड फोईल/सेमी-रिजिड कन्टेनर

- (क) एल्युमिनियम फोईल की श्रेणियों में जिनके लिए विशिष्ट बहिष्करण किया जाना अपेक्षित है, एल्वॉय एए 8011 में 9 माईक्रोन के बीच की मोटाई के हाउस होल्ड फोईल (एचएचएफ) और सेमी-रिजिड कन्टेनर फोईल अथवा 34 माईक्रोन और अलॉय 3003 से बने 80 माईक्रोन के बीच की मोटाई के एल्युमिनियम फोईल कन्टेनर (एएफसी) शामिल हैं।
- (ख) मेसर्ज रविराज फोईल लिमिटेड हाउस होल्ड फोईल विनिर्मित नहीं करती है। मेसर्ज हिंडालको इसका न्यूनतम उत्पादन करती है, जिसका उपयोग वह अपनी केप्टिव क्षमता के लिए करती है। यदि संबद्ध वस्तुओं पर पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाता है, तो हाउस होल्ड फोईल के निचले स्तर तक के उत्पाद में मेसर्ज हिंडालको से प्रतिस्पर्द्धा करने के लिए बाजार में और कोई नहीं रहेगा।

- (ग) एसआरसी की आवश्यकता मुख्यतया एल्वॉय 3003 की होती है जिसका विनिर्माण भारत में नहीं किया जाता है। मेसर्ज हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड और मेसर्ज जिंदल इंडिया लिमिटेड ने एल्वॉय 3003 से निर्मित एसआरसी के लिए पूछताछ तक नहीं की है क्योंकि वे एल्वॉय 3003 विनिर्मित नहीं करती हैं। अन्य घरेलू उत्पादकों ने भी प्रश्न का उत्तर नहीं दिया है जिससे पता चलता है कि वे ऐसी किस्म के उत्पाद का कोई उत्पादन नहीं करते हैं।
- (घ) भारतीय बाजार में हाउस होल्ड फोईल/सेमी-रिजिड कन्टेनर का उत्पादन ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है क्योंकि उनकी गुणवत्ता में कमी है।
- (ङ) याचिका में उल्लिखित आयातकों की सूची के अनुसार यह नोट किया जा सकता है कि कोई भी आयातक एल्युमिनियम फोईल कन्टेनर (एएफसी) और एल्युमिनियम फोईल रोल्स (एचएफआर) के लिए सेमी-रिजिड कन्टेनर/हाउस होल्ड फोईल की कच्ची सामग्री का आयात नहीं कर रहा है। इसलिए घरेलू उद्योग एएफसी/एचएफआर के आयातों से प्रभावित नहीं होता है और इसलिए इन्हें भी विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।
- (च) घरेलू उद्योग ने हाउस होल्ड फोईल और सेमी-रिजिड कन्टेनर फोईल क्षेत्र में क्षमता अथवा उत्पादन के ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए हैं। प्राधिकारी द्वारा इनकी उत्पाद-वार क्षमता की जांच करनी चाहिए। ऐसी जांच करने से यह सुस्पष्ट प्रमाणित हो जाएगा कि भारतीय बाजार की मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उद्योग की सकल क्षमता अपर्याप्त है।
- (छ) जहां तक कि घरेलू उद्योग 1614 मि.मी. की चौड़ाई के एल्युमिनियम फोईल का विनिर्माण करने की अपनी असमर्थता नहीं बता रहा है। घरेलू उद्योग के पास 1560 मि.मी. की चौड़ाई तक के एल्युमिनियम फोईल का विनिर्माण करने की क्षमता स्थापित है। इस समय कुछेक प्रयोक्ताओं के पास ही 1768 मि.मी. की चौड़ाई के एल्युमिनियम फोईल का विनिर्माण करने की क्षमता स्थापित है और वह भी घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान नहीं की जा रही है।
- (ज) फार्मा उद्योगों के लिए इन्जेक्टेबल्स के लिए वायल्स सील्स का उत्पादन करने के लिए प्रयुक्त होने वाले 160,170 और 180 माईक्रोन की मोटाई के एल्युमिनियम फोईल को पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि भारत में कोई भी विनिर्माता इसका विनिर्माण नहीं कर रहा है।
- (झ) वर्ष 2009 और वर्ष 2011 में संबद्ध वस्तुओं के लिए क्रमशः सुरक्षा जांच और समीक्षा जांच की गई थी। तब से अब तक इसकी स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और घरेलू उद्योग के पास ऐसी कुछ किस्मों के एल्युमिनियम फोईल की उत्पादन करने की क्षमता की कमी है, जिन्हें विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।
- (ञ) विचाराधीन उत्पाद को इस तथ्य पर विचार किए बिना कि क्या घरेलू उद्योग वाणिज्यिक रूप से वस्तुओं का उत्पादन करने में सक्षम है, व्यापक रूप से परिभाषित किया गया है। विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा बहुत व्यापक है और इसमें विभिन्न एल्युमिनियम ग्रेडों से विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं को शामिल किया गया है, जिनका उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है। भिन्न माईक्रोन का भिन्न उपयोग होता है और उनको एक श्रेणी में सम्मिलित करके उनका सार्थक मूल्यांकन नहीं किया जा सकता है। याचिकादाताओं द्वारा ऐसा कोई प्रकटन नहीं किया गया है कि जांच अवधि के दौरान उनके द्वारा किस प्रकार की वस्तुओं का उत्पादन किया गया है।

(4). गुणवत्ता:

- (क) पेकेजिंग उद्योग की पिन होल की आवश्यकता 150 प्रति वर्ग मीटर है, जबकि घरेलू उद्योग 500 प्रति वर्ग मीटर से अधिक के पिन होल्स युक्त एल्युमिनियम फोईल की आपूर्ति करता है। इससे उत्पाद अनप्रयुक्त हो जाता है और उपभोक्ताओं को आयातों का आश्रय लेना पड़ता है।
- (ख) उपभोक्ताओं को 1800 मि.मी. तक की चौड़ाई के एल्युमिनियम फोईल की आवश्यकता होती है जबकि याचिकादाता केवल 1250-1560 मि.मी. की चौड़ाई की श्रृंखला में एल्युमिनियम फोईल रोल का विनिर्माण कर सकते हैं।
- (ग) निचले स्तर तक के घरेलू उद्योग एल्युमिनियम फोईल कन्टेनर्स और एल्युमिनियम फोईल रोल्स बनाने के लिए 10.5, 11, 18, 36, 38, 42 और 44 माईक्रोन तक के एल्युमिनियम फोईल का उपयोग करते हैं। याचिकादाता द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले इतनी मोटाई के एल्युमिनियम फोईल उपयोगी नहीं होते हैं, इसलिए निचले स्तर तक के उद्योग संबद्ध वस्तुओं का आयात करने के लिए बाध्य होते हैं।
- (घ) घरेलू उद्योग अपने उत्पादों के तेल के धब्बों, सर पॉकेटों, चपटेपन, सिल्वटों और लचीलेपन के मुद्दों और साथ ही पिनहोन की आवश्यकता के बारे में मौन बना हुआ है।

- (ड) घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किया गया एल्युमिनियम फोईल फार्मा पैकेजिंग उद्योग द्वारा प्रयुक्त किए जाने के लिए अनुपयुक्त है। 8011 एल्वॉय में हिंडालको फोईल को फार्मा उपभोक्ता के साथ निबंधित नहीं किया जा सकता है क्योंकि यह पिनहोन प्राचल, ऊष्म रोधी, नमी रोधी आदि के मामले में विनिर्देशन से बाहर है।
- (5) केवल असज्जित एल्युमिनियम फोईल को जांच के कार्य-क्षेत्र की सीमा के भीतर रखा जाना चाहिए और विशेषकर ऐसे एल्युमिनियम को, जो प्रिंटेड अथवा गैर-प्रिंटेड है अथवा जिसके पीछे कागज, गत्ता, प्लास्टिक अथवा इसी प्रकार की पैकिंग सामग्री चिपकी हुई है, जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।
- (6) कुछेक हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाला असज्जित एल्युमिनियम फोईल अत्यंत लचीला और बीएस 476 भाग 6 और 7 के अनुसार श्रेणी "ओ" के प्रमाणन युक्त उच्च वाष्प रोधी क्षमता युक्त होना चाहिए जो कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित नहीं किया जाता है।
- (7) जांच अवधि के दौरान विनिश्चित मोटाई के एल्युमिनियम फोईल की बिक्रियों के आंकड़े उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में यह दावा नहीं किया जा सकता है कि घरेलू उद्योग 7 माईक्रोन और 12 माईक्रोन से कम मोटाई के एल्युमिनियम फोईल विनिर्मित कर रहा है। जांच अवधि के दौरान मासिक आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित किए गए और बेचे गए एल्युमिनियम फोईल की सही मात्रा के प्रमाण प्रस्तुत किए जाने चाहिए।
- (8) घरेलू उद्योग द्वारा मौखिक सुनवाई के दौरान दिए गए आश्वासन के बावजूद भी उसने अपने लिखित निवेदनों में पीसीएन के साथ विचाराधीन उत्पाद के ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए हैं। कोल्ड फोर्मेबल फोईल्स (जिसे सामान्यतया अलु अलु के नाम से जाना जाता है) को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र और पीसीएन की संरचना की कार्य-प्रणाली से बाहर रखे जाने का अनुरोध किया गया है।
- (9) 8021 एल्वॉय से निर्मित और 900 से 1000 मि.मी. तक की चौड़ाई वाले 45-60 माईक्रोन के एल्युमिनियम फोईल का आयात बहुत कम है, जो कि भारत में एल्युमिनियम फोईल के कुल आयातों का लगभग 0.89% है। इस प्रकार यह किसी भी तरीके से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचा सकता है और इसे विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।
- (10) एफटीए के अंतर्गत 0% शुल्क पर अलु अलु लेमिनेट का आयात कोरिया से किया जा रहा है। अलु अलु को वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है, जबकि अलु अलु स्टॉक को उसमें शामिल किया गया है। इस प्रकार अलु अलु लेमिनेट विनिर्माता उद्योग कोरिया से आयातों के कारण पहले से ही नुकसान उठा रहा है।
- (11) अलु अलु लेमिनेट उद्योग में अनेक पुनर्विक्रताओं ने 900 मि.मी. और 1000 मि.मी. के स्लिटिंग संयंत्र स्थापित किए हुए हैं और वे अधिक चौड़ाई की सामग्री को संसाधित करने की स्थिति में नहीं है, जैसे कि हिंडालको द्वारा आपूर्ति की जाती है।
- (12) एल्युमिनियम फोईल के निर्यातकों द्वारा प्रदत्त की जा रही 12 महीनों की शेल्फ लाईफ गारंटी की तुलना में घरेलू उद्योग केवल 3 महीनों (शेल्फ लाईफ) की गारंटी देता है।
- (13) जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना में यथा परिभाषित विचाराधीन उत्पाद यह स्पष्ट करने में विफल रहा है कि क्या याचिकादाताओं द्वारा विशिष्ट किस्म के एल्युमिनियम फोईल विनिर्मित किए जा रहे हैं अथवा नहीं।
- (14) प्रयुक्त किए जाने के लिए आवश्यक एल्युमिनियम फोईल को किसी भी याचिकादाता द्वारा तकनीकी विनिर्देशनों के अनुसार नहीं बेचा जाता है और इसलिए इसे विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए।
- (15) जांच अवधि के दौरान इस तथ्य की जांच की जानी चाहिए कि क्या घरेलू उद्योग द्वारा विशेष मोटाई का एल्युमिनियम फोईल विनिर्मित किया जा रहा है अथवा नहीं। घरेलू उद्योग जांच अवधि के दौरान विशेष ग्रेड अथवा प्रकार के एल्युमिनियम फोईल की आपूर्ति करने में विफल रहा है, जिससे इस तथ्य का स्पष्ट पता चलता है कि घरेलू उद्योग द्वारा विशेष मोटाई के उत्पाद का विनिर्माण नहीं किया जा रहा है और न ही उसे बेचा जा रहा है।
- (16) मेसर्ज हिंडालको द्वारा यू.के. से आयातित मशीनरी अप्रचलित मशीनरी है और इस समय आपूर्ति किए जा रहे उत्पाद के संदर्भ में उल्लिखित मुद्दे, नई मशीनरी होने की स्थिति में भी उठ रहे हैं।
- (17) याचिकादाता पुरानी अप्रचलित मशीनरी और निम्न कोटि का कच्चा माल प्रयुक्त करते हैं, जिनके फलस्वरूप उत्पाद के संबंध में अतिरिक्त मुद्दे उठते हैं, जैसे कि उत्पाद में अन्य बातों के साथ-साथ तेल के धब्बे, एयर पॉकेट्स, चपटापन, फडफडाहट और लचीलापन होना। फार्मा पैकेजिंग के लिए फोईल को परिवर्तित करने वाला स्थानीय उद्योग, मेसर्ज रविराज जैसे एल्युमिनियम के घरेलू विनिर्माताओं से अनुचित प्रतिस्पर्द्धा का सामना कर रहा है, जो असज्जित एल्युमिनियम फोईल की अपनी आवश्यकता के आधार पर कोटिड फिल्म खरीदने पर बल देते हैं। घरेलू विनिर्माता जीएमपी और एचएमपी की जांच से नहीं गुजरते हैं।
- (18) मांग और आपूर्ति में व्यापक अंतर होने पर घरेलू उद्योग द्वारा आंशिक आपूर्तियां की जाती हैं, प्रदानगी में विलम्ब होता है और वह विफल रहता है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

9. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

(1). याचिका में बहिष्कृत उत्पाद:

- (क) विचाराधीन उत्पाद 5.5 माइक्रोन से ले कर 80 माइक्रोन की मोटाई का एल्युमिनियम फोईल है। 5.5 माइक्रोन से भी कम मोटाई के एल्युमिनियम फोईल का उत्पादन और खपत होती है। तथापि, किसी भी याचिकादाता कंपनी ने 5.5 माइक्रोन से भी कम मोटाई के एल्युमिनियम फोईल का उत्पादन नहीं किया है। इसे विशिष्ट रूप से जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है।
- (ख) विशिष्ट रूप से अल्ट्रा लाईट गेज (परिवर्तित), अलु अलु लेमिनेट्स और केपासिटर्स को इस कारणवश विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है कि याचिकादाता घरेलू उद्योग द्वारा इस प्रकार के उत्पादों का उत्पादन नहीं किया जा रहा है।

(2). मौखिक सुनवाई में बहिष्कृत उत्पाद :

- (क) "एल्युमिनियम फोईल कम्पोजिट" (एल्युमिनियम फोईल जिसके पीछे क्राफ्ट पेपर, ग्लास स्क्रिम, ग्लास क्लॉथ चाहे वह सादा या प्रिंटेड है, चिपका हुआ है) को बाहर रखा जाना चाहिए। चीन से भारत को आयात किए जाने वाले एल्युमिनियम रोल्ड उत्पादों और एल्युमिनियम फोईल के खिलाफ सुरक्षा शुल्क जांच में उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से एल्युमिनियम कम्पोजिट पेनलों को बाहर रखा गया था। इसके अतिरिक्त अंतिम बोलियों से ऐसा पता चलता है कि घरेलू उद्योग द्वारा "एल्युमिनियम फोईल कम्पोजिट" विनिर्मित नहीं किया जा रहा है।
- (ख) घरेलू उद्योग ने अपने लिखित निवेदनों में यह स्वीकार किया है कि "एल्युमिनियम फोईल कम्पोजिट" एल्युमिनियम फोईल जिसके पीछे क्राफ्ट पेपर, ग्लास स्क्रिम, ग्लास क्लॉथ चाहे वह सादा या प्रिंटेड है, चिपका हुआ है, को जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जा सकता है।
- (ग) "वाहनों और ईजनों तथा कूलिंग प्रणालियों में रेडियटर्स में प्रयुक्त क्लेड युक्त नॉन-क्लेड एल्युमिनियम फोईल" को जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा जा सकता है।

(3). उत्पाद के बारे में :

- (क) रोल्ड एफआरपी असज्जित फोईल होता है और इसे जैसा होता है वैसे ही बेचा जाता है अथवा इस पर परत लगाई जाती है या इसे प्रिंट किया जाता है अथवा इसे कागज, गत्ते, प्लास्टिक अथवा अन्य पैकिंग सामग्री के साथ लेमिनेट किया जाता है (जिसे बैकड भी कहा जाता है)। एल्युमिनियम फोईल को उत्पादकों अथवा परिवर्तकों अथवा अंत-उपभोक्ताओं द्वारा प्रिंट करवाया जाता है।
- (ख) उत्पाद की खपत विभिन्न मोटाई में की जाती है जो कि उसके अंत-अनुप्रयोग की आवश्यकताओं पर निर्भर करती है। विभिन्न बाजार खंडों की विभिन्न विशिष्ट मोटाई की आवश्यकताएं होती हैं। विचाराधीन उत्पाद की लागत और कीमत में परिवर्तन, उसकी सामग्री के संयोजन, परत/लेमिनेशन और मोटाई के अनुसार होता है।
- (ग) विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न अनुप्रयोग के लिए उत्पाद में विभिन्न संयोजन की आवश्यकता होती है। विभिन्न संयोजन, कच्ची सामग्री (फोईल स्टॉक) में वांछित संयोजन का प्रयोग करके प्राप्त किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद में वांछित तकनीकी विनिर्देशन प्राप्त करने के लिए उत्पादक को फोईल स्टॉक में सही विनिर्देशन प्राप्त करने की आवश्यकता होती है, चाहे उसे इन-हाउस से प्राप्त किया जाए अथवा बाजार से खरीदा जाए।

(4) वर्ष 2009 में की गई सुरक्षा जांच में 7 माइक्रोन से कम मोटाई के एल्युमिनियम फोईल को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से इसलिए बाहर रखा गया था क्योंकि सुरक्षा जांच के समय घरेलू उद्योग उसका विनिर्माण नहीं करता था। तथापि, वर्तमान जांच में 5.5 से 7 माइक्रोन तक की मोटाई जिसे अल्ट्रा लाईट गेज कहा जाता है, के एल्युमिनियम फोईल को वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र से इसलिए बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि इसका विनिर्माण घरेलू उद्योग द्वारा किया जाता है और इसकी आपूर्ति भारत में निचले स्तर के उपभोक्ताओं को की जाती है।

(5) सुरक्षा जांच के समय घरेलू उद्योग में केवल मेसर्ज हिंडालको ही शामिल थी, जबकि इस समय घरेलू उद्योग में मेसर्ज हिंडालको, मेसर्ज जिंदल इंडिया और मेसर्ज रविराज फोईल शामिल हैं। मेसर्ज जिंदल इंडिया ने अब 5.5 माइक्रोन तक की मोटाई के फोईल

विनिर्मित किए हैं, जबकि मेसर्ज हिंडालको ने भी 6.35 माईक्रोन और उससे अधिक माईक्रोन की मोटाई की संबद्ध वस्तुएं विनिर्मित की हैं तथा भारत में उपभोक्ताओं को उनकी आपूर्ति की है।

- (6) 7 माईक्रोन से कम की मोटाई की संबद्ध वस्तुओं की गुणवत्ता के संबंध में घरेलू उद्योग को उनके उत्पाद के लिए विश्व भर के प्राधिकारियों से अनेक अधिप्रमाणन प्राप्त होने के साथ-साथ उनके उत्पादों की गुणवत्ता के लिए उनके ग्राहकों से प्रशंसा-पत्र भी प्राप्त हुए हैं।
- (7) मेसर्ज हिंडालको ने अपने मोऊडा संयंत्र में यूएलजी एल्युमिनियम फोईल विनिर्मित करने के लिए यू.के. में अपने संबंधित पक्षकार से पांच मशीनों का आयात किया था और उसके पास श्रेष्ठतम सुविधाएं स्थापित हैं, जो कि किसी भी वैश्विक विनिर्माता से तुलनीय हैं। तथापि, इन पांच यूनिटों में से इस समय केवल दो यूनिटों को स्थापित किया गया है और वे प्रचालन में हैं, जबकि शेष यूनिटों को अभी स्थापित किए जाने के लिए प्रतीक्षित है, जिसका कारण विचाराधीन उत्पाद के पाटन द्वारा सृजित बाजार की प्रतिकूल दशाएं हैं। निरीक्षण दल द्वारा मौके पर निरीक्षण करने के समय उसे वास्तविक स्थिति से अवगत कराया गया था।
- (8) 1800 मि.मी. की चौड़ाई के एल्युमिनियम फोईल के बहिष्करण के दावों के संबंध में यह उल्लिखित किए जाने की आवश्यकता है कि भारत में 1614 मि.मी. की चौड़ाई के एल्युमिनियम फोईल के व्यापक आयात होते हैं। हितबद्ध पक्षकार द्वारा वास्तविक रूप से गलत दावा किया गया है। इसके अतिरिक्त यह अधिप्रमाणित नहीं किया गया है कि 1800 मि.मी. से अधिक चौड़ाई के फोईल स्थान पर 1800 मि.मी. से कम चौड़ाई के फोईल का प्रयोग नहीं किया जा सकता है।
- (9) कुछ आयातकों ने ऐसा बचाव किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा 8006 एल्वॉय का प्रयोग करके सेमी रिजिड कन्टेनर फोईल ("एसआरसी") विनिर्मित किया गया है, जबकि गुणवत्ता संबंधी चिंताओं के कारण उन्हें 3003 एल्वॉय का प्रयोग करके सेमी रिजिड कन्टेनर फोईल विनिर्मित किए जाने की आवश्यकता है और इस प्रकार वे उनका आयात करते हैं। इस तर्क का कोई आधार नहीं है और यह निम्नानुसार यथोचित है:-
 - (क) मेसर्ज हिंडालको 8006 एल्वॉय का प्रयोग करके एसआरसी विनिर्मित करती है और उसको बेचती है। यह सुस्थापित स्थिति है नई सामग्री के सम्मिश्रण में अंतर होने के फलस्वरूप भिन्न उत्पाद निर्मित नहीं होता है, जब तक कि अंत-उत्पाद स्वतः भिन्न उत्पाद नहीं होता है।
 - (ख) मेसर्ज हिंडालको द्वारा एसआरसी ऐसी कीमत पर बेचा जा रहा है, जो कि उस कीमत से काफी अधिक है, जिस पर प्रतिस्पर्द्धा द्वारा 8006 एल्वॉय का एसआरसी बेचा जा रहा है। इससे स्पष्ट पता चलता है कि बाजार में मेसर्ज हिंडालको द्वारा बेचा जा रहा उत्पाद, उसकी प्रतिस्पर्द्धा से घटिया नहीं है। इसलिए 3003 और 8006 एल्वॉय के एसआरसी फोईल को भिन्न किस्मों के उत्पाद नहीं माना जा सकता है।
 - (ग) मेसर्ज हिंडालको 3003 एल्वॉय प्रयुक्त करके रेडिएटर फोईल का उत्पादन करती है। यदि मेसर्ज हिंडालको 3003 एल्वॉय प्रयुक्त करके एक प्रकार के फोईल का उत्पादन कर सकती है, तो ऐसा कोई कारण नहीं है कि मेसर्ज हिंडालको 3003 एल्वॉय प्रयुक्त करके एसआरसी का उत्पादन नहीं कर सकती है। 3003 एल्वॉय प्रयुक्त करके बनाए गए एसआरसी के बहिष्करण के फलस्वरूप एसआरसी के अन्य प्रयोक्ता इस उत्पाद का आयात करने लगेंगे और पाटन-रोधी शुल्क का अपवंचन करेंगे।
 - (घ) मेसर्ज हिंडालको के 3003 एल्वॉय को प्रयुक्त करके एसआरसी नहीं विनिर्मित नहीं किए जाने का एक मात्र कारण यह है कि उसमें वाणिज्यिक व्यवहार्यता की कमी है। मेसर्ज हिंडालको 3003 एल्वॉय को प्रयुक्त करके एसआरसी विनिर्मित करेगी और उसकी आपूर्ति करेगी बशर्ते कि वह उचित कीमत पर उसके लिए आर्डर प्राप्त करे।
- (10) उत्पाद का बहिष्करण करने के लिए गुणवत्ता में भिन्नता होना पर्याप्त औचित्य नहीं है जैसा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा माना गया है तथा माननीय सीईएसटीएटी ने *डीएसएमएम इंडमिस्तु लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी* के मामले में निर्णय दिया है।
- (11) घरेलू उद्योग ने एल्युमिनियम फोईल कन्टेनर्स और एल्युमिनियम फोईल रोल्ल के लिए वस्तुओं की आपूर्ति की है। इस प्रकार इस किस्म के उत्पाद का उत्पादन किया जा रहा है और उनका उपयोग उपभोक्ताओं द्वारा किया जा रहा है तथा ऐसे उत्पाद आयातित संबद्ध वस्तुओं के साथ वाणिज्यिक प्रतिस्पर्द्धा कर रहे हैं।
- (12) एक मात्र इस कारण से कि एक उपभोक्ता, याचिकादाताओं द्वारा विनिर्मित और आपूर्ति की गई वस्तुओं का प्रयोग करने में असमर्थ है, जब कि उसी खंड के अन्य उपभोक्ताओं ने अंतिम अंत-उत्पाद का उपयोग किया है और उनका उत्पादन किया है, इस किस्म के उत्पाद का बहिष्करण यथोचित नहीं होता है।
- (13) पारिवारिक फोईल के प्रयोजनार्थ एल्युमिनियम फोईल की केप्टिव खपत के संबंध में घरेलू उद्योग निचले स्तर के प्रयोक्ताओं को सामग्री की आपूर्ति करने में इच्छुक है बशर्ते कि वह उसके लिए अर्थक्षम कीमतें प्राप्त करे, विशेषकर ऐसी स्थिति में जिसमें घरेलू उद्योग अपनी क्षमताओं का उपयोग करने में असमर्थ होता है।

- (14) यह तथ्य कोई मायने नहीं रखता है कि याचिकादाता द्वारा विनिर्मित फोईल में एल्युमिनियम का संयोजन, भारत में अन्य उत्पादकों द्वारा विनिर्मित कन्टेनर्स (एसआरसी) में एल्युमिनियम के संयोजन से भिन्न होता है। वास्तव में मेसर्ज हिंडालको प्रतिस्पर्द्धा में प्रचलित कीमत से काफी अधिक कीमत पर एसआरसी को बेच रही है जिससे स्पष्ट पता चलता है कि मेसर्ज हिंडालको द्वारा विनिर्मित एचएचएफ अथवा एसआरसी किसी भी तरह से भारत में एल्युमिनियम के विभिन्न संयोजन का प्रयोग करके अन्य उत्पादकों द्वारा विनिर्मित किए जा रहे एचएचएफ अथवा एसआरसी से घटिया हैं।
- (15) लेमीट्यूब्स के बहिष्करण के संबंध में निवेदन है कि घरेलू उद्योग ने इस प्रकार के उत्पाद को विनिर्मित किया है और विभिन्न घरेलू उपभोक्ताओं को उत्पाद की आपूर्ति की है तथा वह ऐसा नियमित रूप से कर रहा है। वस्तुतः जैसा कि आयातकों ने बचाव किया है, यदि गुणवत्ता के संबंध में कोई मुद्दा होता, तो घरेलू उद्योग को उत्पाद के निरंतर आर्डर प्राप्त नहीं होते।
- (16) विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा व्यापक नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित नहीं की जा रही वस्तुओं को विशेष रूप से उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है। विश्व भर में विभिन्न प्राधिकारियों ने वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद के अधिक व्यापक कार्य-क्षेत्र पर विचार किया है।
- (17) निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह आरोप लगाया है कि घरेलू उद्योग एक विशिष्ट किस्म की वस्तु के संबंध में उद्योग की मांग को पूरा करने में असमर्थ है, इसलिए ऐसे उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखे जाने की आवश्यकता है।
- (क) ऐसे तर्क को इसलिए स्वीकार नहीं किया जा सकता है कि मांग और आपूर्ति में व्याप्त अंतर के कारण एक प्रकार के उत्पाद को बाहर नहीं रखा जा सकता है। वास्तव में ऐसे उत्पाद जिसकी मांग की आपूर्ति करने में भारतीय उद्योग असमर्थ है, के पाटन को अनुमति देने के फलस्वरूप ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाएगी जिसमें भारतीय उद्योग अंततः समाप्त हो जायेगा। इसलिए व्यापक जन हित में यह आवश्यक है कि देश के उत्पाद और उत्पादन की रक्षा करने के प्रयोजन से ऐसे उद्योग को अधिक आक्रमणशीलता से संरक्षित रखा जाए। उद्योग को व्यापार करने के लिए समानांतर कार्य-क्षेत्र की आवश्यकता है ताकि वह अर्थक्षम और उन्नत हो सके।
- (ख) याचिकादाता घरेलू उद्योग ने नई उत्पादन सुविधाओं को स्थापित करने में अत्यधिक धनराशि निवेश की है, जो कि अंतर्राष्ट्रीय मानकों के समान उत्पादों का उत्पादन कर रही हैं। मेसर्ज हिंडालको के पास ऐसी अत्यधिक सुविधाएं हैं, जिन्हें स्थापित नहीं किया गया है। यदि विचाराधीन उत्पाद के लिए बाजार अर्थक्षम होता है, तो कंपनी अपने गोदामों में पैकटों में बंद पड़े अपने उपस्करों को स्थापित कर लेगी। यदि पाटन को नियंत्रित कर दिया जाता है, तो मेसर्ज हिंडालको अपनी क्षमताओं में और विस्तार कर लेगी जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से तुलनीय उत्पादों का उत्पादन होने लगेगा।
- (ग) मेसर्ज हिंडालको की मशीनरी नोवेकिलस, यू.के. से खरीदी गई है। ये मशीनें बहुत अच्छे गेज और आकार की नियंत्रण की सुविधाएं प्रदान करेंगी। मेसर्ज जिंदल इंडिया द्वारा प्रयुक्त एचएचएच मशीनें यूएलजी के उत्पादन के लिए अत्याधुनिक मशीनें हैं और उन्हें नए ब्रांड में खरीदा गया था।
- (18) विचाराधीन उत्पाद की व्यापक शृंखला के बारे में किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-
- (क) विचाराधीन उत्पाद अनेक प्रकार की मोटाई में विनिर्मित किया जाता है, इस कारण मात्र से यह परिणाम नहीं निकलता है कि विचाराधीन उत्पाद का कार्य-क्षेत्र अस्वीकार्य अथवा अनुपयुक्त है। वास्तव में प्राधिकारी द्वारा की गई अनेक जांच में विचाराधीन उत्पाद में विभिन्न प्रकार के अनेक उत्पादों को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी ने अनेक ऐसी जांच की हैं, जिनमें विभिन्न किस्मों के उत्पाद एक जैसे नहीं हैं।
- (ख) विभिन्न प्रकार के उत्पाद का संकुचित फीता होता है। जहां तक कि विचाराधीन उत्पाद में व्यापक शृंखला की मोटाई शामिल है। उत्पाद को अनेक उप-समूहों में विभाजित करने के बाद पाटन मार्जिन, कटौती होने और क्षति मार्जिन का विश्लेषण किया गया है और प्रत्येक उप-समूह में शामिल किए जाने वाले अधिकतर उत्पाद एक जैसे होते हैं।
- (19) गुणवत्ता से संबंधित उठाए गए मुद्दे:
- (क) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा ऐसा निजी दावा किया गया है कि घरेलू उद्योग ने एल्युमिनियम फोईल कन्टेनर्स और एल्युमिनियम फोईल रोल्स बनाने के लिए 10.5, 11, 18, 36, 38, 42 और 44 माइक्रोन में फोईल्स की आपूर्ति की है। हितबद्ध पक्षकारों का यह भी तर्क नहीं है कि घरेलू उद्योग उनकी आवश्यकता के अनुरूप उत्पाद की किस्म का उत्पादन नहीं कर रहा है। उनका यह दावा है कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुएं उनके उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं हैं।

- (ख) मात्र इस तथ्य से कि एक उपभोक्ता, याचिकादाताओं द्वारा विनिर्मित और आपूर्ति की गई वस्तुओं का उपयोग नहीं कर सका है, जबकि उसी खंड में अनेक उपभोक्ताओं ने उसका उपयोग किया है और अंतिम अंत-उत्पाद विनिर्मित किया है, इस प्रकार के उत्पाद को बाहर रखने का औचित्य नहीं बनता है।

(20) समान वस्तु :

- (क) याचिकादाताओं द्वारा निर्मित और चीन से निर्यातित उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों उत्पाद, वास्तविक और तकनीकी लक्षणों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा शुल्क वर्गीकरण जैसी गुण-विशेषताओं की दृष्टि से एक समान ही हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

10. अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र के बारे में अनेक मुद्दे उठाए हैं। यह तर्क दिया गया है कि विचाराधीन उत्पाद का कार्य-क्षेत्र अत्यधिक व्यापक है और इसमें ऐसे अनेक विषम उत्पादों को शामिल किया गया है जिनकी विशेष रूप से भिन्न लागत, कीमत और अंत-प्रयोग होता है। इसके अतिरिक्त हितबद्ध पक्षकारों ने इस आधार पर अनेक किस्मों के उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखे जाने की मांग की है कि घरेलू उद्योग वांछित किस्मों के उत्पाद का उत्पादन और आपूर्ति नहीं करता है अथवा घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित किए जाने वाले ऐसे उत्पाद की गुणवत्ता और आपूर्ति भिन्न होती है अथवा घरेलू उद्योग विभिन्न उत्पाद सम्मिश्रण में उत्पाद की आपूर्ति करता है। हितबद्ध पक्षकारों के ऐसे तर्कों की जांच, याचिकादाता कंपनियों के परिसरों में जा कर मौके पर जांच करके तथा पक्षकारों से संबद्ध सूचना मंगा करके की गई है।

11. उत्पाद की किस्म को बाहर रखे जाने के संबंध में यह नोट किया जाता है कि वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद एल्युमिनियम फोईल है। समग्र एल्युमिनियम फोईल के लिए पाटन और क्षति विश्लेषण किया गया है। विभिन्न प्रकार के एल्युमिनियम फोईल अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं, जिनमें वास्तविक, उत्पादन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, संयंत्र और उपस्कर, कार्य और उपयोग आदि शामिल हैं, की दृष्टि से एक समान ही हैं। विभिन्न प्रकार के उत्पाद सामान्यतया पैकेजिंग के कार्य के लिए प्रयुक्त होते हैं। जबकि विभिन्न एल्युमिनियम फोईल की विभिन्न विशिष्टता और अनुप्रयोग होता है, फिर भी यह नोट किया जाता है सभी एल्युमिनियम फोईल मुख्यतया समान कार्य ही करते हैं। विभिन्न श्रेणियों/किस्मों का उद्देश्य अंत-प्रयोक्ता की आवश्यकताओं को पूरा करना होता है। अंत-प्रयोक्ता की आवश्यकताओं के अनुसार एल्युमिनियम फोईल का डिजायन भिन्न होता है। तथापि, सभी प्रकार के एल्युमिनियम फोईल का विनिर्माण करने के लिए आवश्यक प्रचालन और मशीनरी मुख्यतया एक जैसी होती है। इसलिए विभिन्न प्रकार के एल्युमिनियम फोईल एक वस्तु ही बनते हैं और यदि घरेलू उद्योग भारत में आयात किए जा रहे उत्पाद के समान वस्तु का विनिर्माण कर रहा है, तो इस प्रकार के उत्पाद को बाहर रखना उपयुक्त नहीं होगा।

12. जहां तक इन संबंधित वस्तुओं के बहिष्करण का संबंध है, (1) अलूअलुमीनेट (2) अल्ट्रा लाइट गॉज कन्वर्टिड (3) अल्यूमीनियम फॉयल कम्पोजिट (4) कैपेसिटर के लिए एल्यूमीनियम कैपेसीटर (5) एटच अथवा फॉर्मिड एल्यूमीनियम फॉयल (6) एल्यूमीनियम कम्पोजिट पैनल्स (7) क्लाड विद नॉन क्लाड एल्यूमीनियम फॉयल (8) बियर बॉटल के लिए एल्यूमीनियम फॉयल, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि घरेलू उद्योग इन उत्पाद प्रकारों के बहिष्करण के लिए सहमत हैं। चूंकि, घरेलू उद्योग इन उत्पाद प्रकारों को सम्मिलित न करने के लिए सहमत हैं, प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे से इन उत्पाद प्रकारों को शामिल न करने का प्रस्ताव किया है।

13. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी स्थिति में विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में 5.5 माईक्रोन से कम के एल्युमिनियम फोईल शामिल नहीं हैं। इस प्रकार 5.5 माईक्रोन से कम के एल्युमिनियम फोईल वर्तमान जांच के कार्य-क्षेत्र और प्रस्तावित सिफारिशों से बाहर हैं।

14. घरेलू उद्योग ने याचिका प्रस्तुत किए जाने के स्तर पर ही निम्नोक्त किस्मों के विचाराधीन उत्पाद को बाहर रखा है:-

- (1) 5.5 माईक्रोन से कम की मोटाई वाले एल्युमिनियम फोईल
- (2) अल्ट्रा लाइट गेज (यूएलसी परिवर्तित) और अलू अलू लेमिनेट्स

15. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग एल्वॉय 8006 और 8011 का प्रयोग करके सेमी रिजिड कन्टेनर्स (एसआरसी) और फोईल का उत्पादन और उनकी आपूर्ति करता है जबकि उसकी तुलना में चीन के आपूर्तिकर्ताओं द्वारा एल्वॉय 3003 का प्रयोग किया जाता है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि एल्वॉय 3003 का प्रयोग करके निर्मित किए गए सेमी रिजिड कन्टेनर (एसआरसी), एल्वॉय 8006 प्रयोग करके निर्मित किए गए सेमी रिजिड कन्टेनर से श्रेष्ठ होते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना से पता चलता है कि घरेलू उद्योग एल्वॉय 8006 और 8011 का प्रयोग करके सेमी रिजिड कन्टेनर्स का उत्पादन करता है और उन्हें उस कीमत पर बेचता है, जो कि चीन से आयातित 3006 एल्वॉय के सेमी रिजिड कन्टेनर की कीमत से अधिक होती है। इसके अतिरिक्त एसआरसी फोईल स्टॉक के एक उपभोक्ता ने घरेलू उद्योग से एल्वॉय 8006 युक्त एसआरसी फोईल स्टॉक खरीदा है और साथ ही चीन से 3006 एल्वॉय युक्त एसआरसी फोईल स्टॉक का आयात भी किया है।

16. हितबद्ध पक्षकारों ने वास्तव में दोनों प्रकार के एसआरसी फोईल स्टॉक को खरीदा है और बाजार में सेमी रिजिड कन्टेनर्स बेचे हैं। ऐसे पर्याप्त प्रमाण हैं, जिनसे पता चलता है कि 3003 एलवाय युक्त सेमी रिजिड कन्टेनर्स और 8006 एलवाय युक्त सेमी रिजिड कन्टेनर्स उपभोक्ताओं के समान समूह द्वारा निर्मित और बेचे गए हैं। इसके अतिरिक्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा 3003 एलवाय युक्त सेमी रिजिड कन्टेनर्स और 8006 एलवाय युक्त सेमी रिजिड कन्टेनर्स की कीमतों के बीच कोई विशेष अंतर नहीं रखा गया है। इसलिए 3003 एलवाय युक्त सेमी रिजिड कन्टेनर्स फोईल स्टॉक और 8006 एलवाय युक्त सेमी रिजिड कन्टेनर्स फोईल स्टॉक को विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखना उचित नहीं होगा।

17. यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने ऐसा कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है जिससे विभिन्न अनुप्रयोग के लिए 3003 एलवाय युक्त फोईल का उत्पादन दर्शाता हो। इससे स्पष्ट पता चलता है कि वास्तव में घरेलू उद्योग के पास बांछित फोईल का उत्पादन करने के लिए 3003 एलवाय उपलब्ध है।

18. एल्युमिनियम फोईल कन्टेनर्स (एफसी) और एल्युमिनियम फोईल रोल्स (एफआर) के लिए सेमी रिजिड कन्टेनर/हाउस होल्ड फोईल के बहिष्करण के संबंध में यह नोट किया जाता है कि इस किस्म के उत्पाद का आयात भारत में किया जाता है और घरेलू उद्योग इस किस्म के उत्पादों के समान वस्तुओं का उत्पादन और आपूर्ति कर रहा है। विभिन्न प्रकार के एल्युमिनियम फोईल एक वस्तु बनाते हैं और यदि घरेलू उद्योग भारत में आयात किए जा रहे उत्पाद के समान वस्तु विनिर्मित करता है, तो इस प्रकार के उत्पाद को बहिष्कृत करना उचित नहीं होगा।

19. इसके अतिरिक्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा मात्रा संबंधी ऐसे कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया जो घरेलू और आयातित उत्पाद के बीच गुणवत्ता संबंधी आरोपित भिन्नता दर्शाता हो। यह भी नोट किया जाता है कि प्राधिकारी तब तक दो उत्पादों को पृथक करने के लिए सामान्यतया कच्ची सामग्री के संयोजन में भिन्नता को पर्याप्त नहीं समझते हैं, जब तक कि सकारात्मक जांच करने योग्य प्रमाण से यह सिद्ध नहीं हो जाता है कि कच्ची सामग्री में आरोपित भिन्नता होने के फलस्वरूप स्पष्ट रूप से विभिन्न उत्पाद होने का पता चलता है।

20. अल्ट्रा लाईट गेज एल्युमिनियम फोईल: अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने अल्ट्रा लाईट गेज (यूएलजी) एल्युमिनियम फोईल को जांच के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखने की मांग की है। कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह उल्लेख करते हुए 5.5 माईक्रोन के अल्ट्रा लाईट गेज के बहिष्करण की मांग की है कि घरेलू उद्योग इस प्रकार के उत्पाद का उत्पादन नहीं करता है। अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने इस आधार पर यूएलजी फोईल का बहिष्करण करने की मांग की है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और आपूर्ति किया जाने वाला यूएलजी फोईल इस उत्पाद के लिए अपेक्षित गुणवत्ता के मानकों को पूरा नहीं करता है। इसके अतिरिक्त कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने इस आधार पर 1800 मि.मी. की चौड़ाई के यूएलजी के बहिष्करण की मांग की है कि घरेलू उद्योग इतनी चौड़ाई की सामग्री का उत्पादन और आपूर्ति नहीं करता है।

21. जहां तक 5.5 माईक्रोन के अल्ट्रा लाईट गेज के बहिष्करण का संबंध है, घरेलू उद्योग ने वाणिज्यिक बीजक के रूप में दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत किया है, जो कि 5.5 माईक्रोन के अल्ट्रा लाईट गेज की बिक्री को दर्शाता है। चूंकि घरेलू उद्योग ने 5.5 माईक्रोन के अल्ट्रा लाईट गेज का उत्पादन और आपूर्ति की है, इसलिए हितबद्ध पक्षकारों का यह दावा वास्तविक रूप से गलत है कि घरेलू उद्योग ने इस प्रकार के उत्पाद का उत्पादन और आपूर्ति नहीं की है और इसलिए उसको अस्वीकार किया जाता है।

22. अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किए गए एल्युमिनियम फोईल में पिनहोल्स, चीन के आपूर्तिकर्ताओं द्वारा विनिर्मित और आपूर्ति किए गए एल्युमिनियम फोईल के पिनहोल्स से बहुत अधिक हैं। साथ ही यह तर्क भी दिया गया है कि अल्ट्रा लाईट गेज के फोईल के उपभोक्ता, 150 से अधिक पिनहोल्स वाले एल्युमिनियम फोईल को स्वीकार नहीं करते हैं। तथापि, बहिष्करण की मांग करने वाले हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त दस्तावेज से यह नोट किया जाता है कि चीन के उत्पादकों और आपूर्तिकर्ताओं ने 500 तक के पिनहोल्स वाले एल्युमिनियम फोईल का उत्पादन और आपूर्ति की है। वास्तव में चीन के आपूर्तिकर्ता के उत्पाद के विनिर्देशन में 600 पिनहोल्स होने का स्पष्ट उल्लेख है। यह भी नोट किया जाता है कि एल्युमिनियम फोईल में हो सकने वाले अधिकतम पिनहोल्स के बारे में बीआईएस द्वारा कोई मानक निर्धारित नहीं किया गया है। चूंकि चीन के उत्पादकों और घरेलू उद्योग की उत्पाद विनिर्देशन शीट 200-800 वर्ग मीटर के बीच पिनहोल्स दर्शाती है, इसलिए यह तर्क नहीं दिया जा सकता है कि चीन के उत्पादकों द्वारा विनिर्मित और आपूर्ति किए गए अल्ट्रा लाईट गेज में 500 तक पिनहोल्स होते हैं। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि यदि सरकार ने किसी उत्पाद के लिए कुछ मानक निर्धारित किए हुए हैं और ऐसे उत्पाद की आपूर्ति घरेलू उद्योग द्वारा की जाती है, तो उपभोक्ता ऐसी मांग नहीं कर सकते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उस किस्म का उत्पाद बांछित मानकों को पूरा नहीं करता है।

23. यह भी तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध अल्ट्रा लाईट गेज देश में अल्ट्रा लाईट गेज की मांग से काफी कम है।

24. घरेलू उद्योग ने यह भी तर्क दिया है कि एक याचिकादाता कंपनी, मेसर्स हिंडालको के पास इस किस्म के उत्पाद का उत्पादन करने की अत्यधिक क्षमता विद्यमान है। इस प्रयोजनार्थ उसके स्टॉक में मशीनें पड़ी हुई हैं और कंपनी इन मशीनों को अभी तक स्थापित नहीं कर सकी है। मेसर्स हिंडालको ने निवेदन किया है कि उसके पास पांच उत्पादन लाईन हैं। ऐसी प्रत्येक लाईन में 18000 मी.टन की क्षमता है, जो कि यूएलजी फिल्म बनाने में सक्षम है। इनमें से कंपनी ने जांच अवधि तक केवल एक उत्पाद लाईन को स्थापित किया है और उसका प्रचालन

शुरू किया है। इसके अतिरिक्त अब कंपनी एक और उत्पादन लाईन को स्थापित करने की प्रक्रिया में है और उसने अभी तक तीन उत्पादन लाईनों और मालसूचियों को स्थापित करने का निर्णय नहीं लिया है। मेसर्ज हिंडालको ने निवेदन किया है कि इस किस्म के उत्पाद के पाटन ने वास्तविक रूप से कंपनी को इन उत्पादन क्षमताओं का प्रचालन शुरू करने से रोका है।

25. विचाराधीन उत्पाद का एक मात्र उत्पादक होने के नाते मेसर्ज रविराज ने इस आशय का प्रमाण प्रस्तुत किया है कि वह 21,000 मी.टन की क्षमता वाली अन्य उत्पादन लाईन की स्थापना करने की प्रक्रिया में है, जो कि यूएलजी का उत्पादन करने के प्रति समर्पित होगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस प्रकार के उत्पाद की मौजूदा मांग की तुलना में इस कंपनी की वर्तमान और संभावित क्षमताएं 40,000 मी.टन की हो जायेंगी।

26. 1800 मि.मी. चौड़ाई के अल्ट्रा लाईट गेज (यूएलजी) का बहिष्करण करने के अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातक द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर और आयात के आंकड़े बांछित चौड़ाई के यूएलजी के आयात नहीं दर्शाते हैं। चूंकि आयातक ने 1800 मि.मी. चौड़ाई के अल्ट्रा लाईट गेज के आयात नहीं किए हैं और साथ ही आयात के आंकड़े बांछित चौड़ाई के यूएलजी के आयात नहीं दर्शाते हैं, इसलिए हितबद्ध पक्षकारों का ऐसा तर्क निराधार प्रतीत होता है। इसके अतिरिक्त यह भी नोट किया जाता है कि अंततः विचाराधीन उत्पाद की खपत, ऐसे व्यापक चौड़ाई के उत्पाद की नहीं हुई है। वास्तव में विचाराधीन उत्पाद की खपत, कम चौड़ाई के उत्पाद की हुई है। इस प्रकार घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित और आपूर्ति किए गए उत्पाद और चीन से आयातित इस किस्म के उत्पाद का उपयोग, एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है। चूंकि घरेलू उद्योग ने आयातित उत्पाद के समान वस्तु का उत्पादन और आपूर्ति की है, इसलिए उसे विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखना उचित नहीं होगा।

27. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग के पास देश में यूएलजी की मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यदि देश में मांग और आपूर्ति के बीच अंतर व्याप्त रहता है, तो विदेशी उत्पादक निश्चित रूप से उचित कीमत पर ऐसे उत्पाद को देश में ला कर इस अंतर को दूर कर सकते हैं। मांग और पूर्ति के बीच व्याप्त अंतर, उत्पाद के पाटन को न्याय संगत सिद्ध नहीं करता है।

28. सुरक्षा जांच में उत्पाद के कार्य-क्षेत्र पर किए गए निवेदन के संबंध में यह नोट किया जाता है कि महानिदेशक, सुरक्षा ने वर्ष 2009 में जांच की थी जिसमें याचिकादाता कंपनियों और विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में भी भिन्नता थी। तब से अब तक परिस्थितियों में परिवर्तन हो गया है। प्राधिकारी ने याचिकादाता कंपनियों की क्षमता के दावों की जांच की है और तदनुसार उत्पाद के कार्य-क्षेत्र के बारे में निष्कर्ष निकाला है।

29. यह नोट किया जाता है कि वर्तमान जांच भारत में एल्युमिनियम फोईल (अलु अलु स्टॉक सहित) के पाटन के खिलाफ है, जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। अलु अलु स्टॉक पर पाटन-रोधी शुल्क लगाने से किसी भी तरीके से संबद्ध देश से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए इससे उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। यह देखा गया है कि अलु अलु स्टॉक के 70% से भी अधिक आयात, चीन जनवादी गणराज्य से भिन्न अन्य देशों के स्रोत से किए जा रहे हैं। इससे यह स्पष्ट पता चलता है कि उपभोक्ता चीन जनवादी गणराज्य से भिन्न अन्य देशों से अधिकतर अलु अलु स्टॉक खरीद रहे हैं। अलु अलु स्टॉक पर पाटन-रोधी शुल्क लगाने से उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

30. अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने हाउसहोल्ड फोईल को विचाराधीन उत्पाद से इस आधार पर बाहर रखने की मांग की है कि देश में केवल एक उत्पादक ही है, जो कि इस किस्म के फोईल का उत्पादन और आपूर्ति करता है और यह उत्पादक अपनी निजी खपत के लिए उत्पाद का पर्याप्त रूप से उत्पादन कर रहा है। हितबद्ध पक्षकारों ने भी यह दर्शाने के प्रमाण प्रस्तुत किए हैं कि कुछेक उत्पादकों ने वास्तव में ऐसा उल्लेख किया है कि वे इस किस्म के उत्पाद का उत्पादन और आपूर्ति नहीं करते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह आवश्यक नहीं है कि घरेलू उद्योग का प्रत्येक सहभागी प्रत्येक किस्म के उत्पाद का उत्पादन और आपूर्ति करे। वास्तव में ऐसी स्थिति में जिसमें बड़ी संख्या में उत्पादक किसी एक उत्पाद का उत्पादन कर रहे हैं और उसे बेच रहे हैं, ऐसा स्वभाविक है कि प्रत्येक उत्पादक कुछ किस्मों के उत्पाद पर अपना ध्यान संकेन्द्रित करे और कोई भी उत्पादक उत्पाद की समग्र श्रृंखला का उत्पादन नहीं करना चाहता है। इसके अतिरिक्त ऐसी किसी भी स्थिति में यह नोट किया जाता है कि इस किस्म के उत्पाद का उत्पादन और आपूर्ति एक से अधिक उत्पादकों द्वारा की जाती है।

उत्पाद के कार्य-क्षेत्र के बारे में निष्कर्ष

31. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए वर्तमान जांच और प्रस्तावित उपाय के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद का कार्य-क्षेत्र निम्नानुसार है:-

एल्युमिनियम फोईल, चाहे वह प्रिंटेड या उसके पीछे कागज, गत्ता, प्लास्टिक्स या उसी प्रकार की कोई ऐसी पैकिंग सामग्री चिपकी हुई है, जिसकी मोटाई 5.5 माइक्रोन से ले कर 80 माइक्रोन तक की है, जिसमें निम्नोक्त शामिल नहीं हैं:-

- (1) अलु अलु लेमिनेट:- एए 8079 और एए 8021 में 40-50 माईक्रोन के अलु अलु लेमिनेट बहु परतीय अपारदर्शी लेमिनेट है जिसमें एल्युमिनियम फोईल के पीछे दोनों तरफ चिपचिपे गोंद से प्लास्टिक फिल्म चिपकी होती है। इसका प्रयोग केप्सूलों/गोलियों की पैकिंग में किया जाता है।
- (2) अल्ट्रा लाईट गेज कनवर्टिड:- अल्ट्रा लाईट गेज कनवर्टिड एक एल्युमिनियम फोईल होता है जिसकी मोटाई 5.56 माईक्रोन से लेकर 7 माईक्रोन तक की होती है। इसके पीछे क्राफ्ट पेपर और स्क्रिम अथवा ग्लास क्लोथ चिपका होता है, चाहे वह सादा है अथवा प्रिंटिड है। इसका प्रयोग इंशुलेशन, मसालों की पैकिंग करने, कवरिंग के लिए थर्मल फ्ल्यूड लाईनों और चाय के थैलों के अनुप्रयोग के लिए किया जाता है।
- (3) एल्युमिनियम फोईल कम्पोजिट: साथ लगे हुए या उसके पीछे लगाए क्राफ्ट पेपर से और पॉली एथिलिन के साथ या उसके बिना ग्लास स्क्रिम या ग्लास क्लोथ चाहे वे प्रिंट किए गए हों अथवा बिना प्रिंट के हों, से परत चढ़ाए गए एल्युमिनियम फोईल। हालांकि, क्राफ्ट पेपर विचाराधीन उत्पाद के दायरे के तथा प्रस्तावित उपायों के क्षेत्र के भीतर आते हैं।
- (4) केपेसिटर्स के लिए एल्युमिनियम फोईल 5 माईक्रोन गेज का एल्युमिनियम फोईल होता है जिसकी न्यूनतम चौड़ाई, 99.35% तक की शुद्धता के साथ होती है। इसका प्रयोग विद्युतीय उपस्करों के लिए किया जाता है, जैसे कि रेडियो, टेलीवीजन, टेलीफोन, कम्प्यूटर, माईक्रोवेव ऑवन्स, विद्युतीय वेल्डर्स, मेग्नेटोज, इलेक्ट्रॉनिक परीक्षण उपस्कर, कॉपी मशीनें, एयर कंडीशनर्स, ऑटोमोबाईल्स, फ्लूरोसेंट लाईट्स, मरकरी वेपर स्ट्रीट लैम्प्स, विद्युत पारेषण उपस्कर, विद्युतीय मोटर्स, कंट्रोल यूनिट्स और इसी प्रकार की वस्तुएं।
- (5) निक्षारित (ईच्ड) अथवा बनाई गई (फोर्मड) एल्युमिनियम फोईल: निक्षारित अथवा बनाई गई एल्युमिनियम फोईल इलेक्ट्रोलाईट केपेसिटर्स के विनिर्माण में प्रयुक्त किए जाने के लिए अभिप्रेत है।
- (6) एल्युमिनियम कम्पोजिट पेनल:- एल्युमिनियम कम्पोजिट पेनल एक नॉन-एल्युमिनियम कोर होता है (जिसे प्रायः पीई कहा जाता है) जो कि एल्युमिनियम की दो पतली परतों से जुड़ा होता है। इसका प्रयोग फेकेड क्लेडिंग और साईनेज के लिए किया जाता है।
- (7) क्लेड विद कम्पेटिबल नॉन-क्लेड एल्युमिनियम फोईल :- क्लेड विद कम्पेटिबल नॉन-क्लेड एल्युमिनियम फोईल जंग-रोधी एल्युमिनियम शीट होती है, जो कि एल्युमिनियम की सतही परतों से बनाई जाती है और यह अधिक मजबूत एल्युमिनियम एल्वॉय कोर सामग्री से धात्विकरूप से जुड़ी होती है। इसका प्रयोग ऑटोमेटिव उद्योग में इंजन कूलिंग और एयर कंडीशनर्स प्रणालियों के लिए किया जाता है, जैसे कि रेडिएटर्स, कंडेसर्स, इवैपोरेटर्स, ऑयल कूलर्स और हीटर्स।
- (8) 10.5 माईक्रोन की एल्युमिनियम फोईल जिसकी सतह खुरदरी और छिद्रित होती है, चाहे वह प्रिंटिड है अथवा नहीं। इसका प्रयोग बीयर की बोतल के लिए किया जाता है।

32. "समान वस्तु" के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में उल्लिखित व्यवस्था निम्नानुसार है:-

"समान वस्तु" से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटने के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जो कि यद्यपि सभी प्रकार से समनुरूप नहीं है परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं।

33. रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का यह मानना है कि संबद्ध देश से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित संबद्ध उत्पाद, वास्तविक और तकनीकी लक्षणों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा शुल्क वर्गीकरण जैसी गुण-विशेषताओं की दृष्टि से एक समान ही हैं। ये दोनों वस्तुएं तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापन योग्य हैं। उपभोक्ता इन दोनों वस्तुओं को एक दूसरे के स्थान पर प्रयुक्त कर रहे हैं।

34. इस प्रकार प्राधिकारी का यह मानना है कि याचिकादाता घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित संबद्ध उत्पाद, पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है।

पीसीएन प्रणाली

35. याचिकादाता ने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय मानदंड का अनुपालन करके पाटन मार्जिन, कीमत में कटौती और क्षति मार्जिन का निर्धारण किया था ताकि विभिन्न प्रकार के विचाराधीन उत्पाद के बीच भिन्नता बनाई रखी जा सके।

36. जांच शुरू करने और विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों से प्रश्नावली के उत्तर प्राप्त होने के बाद प्राधिकारी ने विभिन्न प्रकार के विचाराधीन उत्पाद के बीच भिन्नता बनाई रखे जाने के लिए निम्नलिखित मानदंड {आदर्श समानता मानदंड अथवा उत्पाद नियंत्रण प्रणाली (पीसीएन प्रणाली)} का प्रस्ताव किया था ताकि पाटन मार्जिन, कीमत में कटौती और क्षति मार्जिन का निर्धारण किया जा सके।

- (1) एल्वॉय (1235, 8003, 8006, 8011, 8021, 8079 आदि)।
- (2) उत्पाद श्रेणी:
 - (क) अलु अलु स्टॉक (एए)
 - (ख) हाऊस फोईल (एचएफ)
 - (ग) एसआरसी (एससी)
 - (घ) अन्य एल्युमिनियम फोईल
- (3) प्लेन (पीपीपी)
- (4) प्रिंटीड/कोटिड (पीआरआई)
- (5) असज्जित फोईल (बीएफओ)
- (6) पीछे कागज युक्त (बीडब्ल्यूपी)
- (7) पीछे गत्ते युक्त (बीपीपी)
- (8) पीछे प्लास्टिक्स युक्त (बीपीएल)
- (9) पीछे किसी भी अन्य सदृश किस्म की सामग्री से युक्त (बीएसएम)
- (10) माईक्रोन (05.0, 08.3, 15.0, 70.0 80.0 आदि)
- (11) चौड़ाई (मिलीमीटर में वास्तविक चौड़ाई पर आधारित 4 अंक के कोड)

37. दिनांक 10 अगस्त, 2016 के पत्र द्वारा सभी हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित की गई थीं। सभी हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त टिप्पणियों के आधार पर हितबद्ध पक्षकारों को यह सलाह दी गई थी कि वे प्राधिकारी द्वारा निर्णीत पीसीएन प्रणाली को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त/अनुपूरक सूचना प्रदान करें। प्राधिकारी ने वर्तमान निर्धारण के प्रयोजनार्थ पीसीएन प्रणाली को अपनाया था।

घ. घरेलू उद्योग और उसका आधार

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

38. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) याचिका का "घरेलू उद्योग" बनने का कोई आधार नहीं है क्योंकि उसे संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करने वाले भारतीय बाजार के उद्योग का 50% समर्थन प्राप्त नहीं है।
- (2) मेसर्स रविराज इंडस्ट्रीज घरेलू उद्योग में नहीं आती है क्योंकि उसने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है।
- (3) मेसर्स रविराज फोईल लिमिटेड ने संबद्ध वस्तुओं के कुछ आयात किए हैं। प्राधिकारी को इसका विस्तार से विश्लेषण करना चाहिए। यदि वे घरेलू उद्योग बनने के पात्र हैं, तो आयात की मात्रा की जांच करना मात्र ही पर्याप्त नहीं है।
- (4) मेसर्स रविराज फोईल लिमिटेड ने अपने कुल उत्पादन के *** आयात किए हैं और इसलिए वे घरेलू उद्योग बनने के पात्र नहीं हैं। इसके अतिरिक्त यदि प्राधिकारी इस तथ्य को स्वीकार कर लेते हैं, तो क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ केवल पात्र घरेलू उत्पादकों की लागत और कीमत पर विचार किया जाना चाहिए।
- (5) मेसर्स रविराज फोईल लिमिटेड द्वारा संबद्ध देश से किए गए आयातों के संबंध में आयात की मात्रा और साथ ही आयातित मात्रा के उपयोग किए जाने की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए व्यापक विश्लेषण किया जाना चाहिए।
- (6) याचिकादाताओं ने बेहतर लाभ प्राप्त करने वाली कंपनियों को ही चुना है। केवल तीन कंपनियों का चयन करने का प्रयोजन अधिकतम क्षति दर्शाना है। नियमावली के अनुसार समान उत्पाद के सभी उत्पादकों को घरेलू उद्योग में शामिल किया जाना चाहिए।
- (7) समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले समस्त उद्योग के निष्पादन की जांच की जानी चाहिए न कि केवल तीन उत्पादकों की।
- (8) मेसर्स पीजी फोईल लिमिटेड को घरेलू उद्योग होने के आधार में शामिल नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इसके बाजार का हिस्सा केवल *** है और वह आयातक अथवा निर्यातक से भी संबंधित हो सकती है। इसका निष्पादन, क्षति की प्रवृत्ति को विकृत कर देगा। देश के उत्पादन में इसका अंशदान *** है, जबकि घरेलू उद्योग का उत्पादन*** है। मेसर्स पीजी फोईल लिमिटेड विशिष्ट रूप से

बढिया उत्पादन कर रही है। इसलिए यदि उन्हें घरेलू उद्योग के रूप में जाना जाता है, तो क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए उनके आंकड़ों पर भी विचार किया जाना चाहिए।

- (9) वर्तमान जांच करने का कोई औचित्य नहीं है क्योंकि मेसर्स रविराज फोर्ड लिमिटेड को घरेलू उद्योग के रूप में माना गया है, हालांकि उसने चीन से विचाराधीन उत्पाद के आयात किए हैं। ***आयात को टाईल्स में आयात की मात्रा को अत्यधिक माना गया था।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

39. घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) मेसर्स रविराज फोर्ड लिमिटेड को छोड़ कर किसी भी अन्य याचिकादाता ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयात नहीं किए हैं। मेसर्स रविराज फोर्ड लिमिटेड ने संबद्ध देश से नगण्य मात्रा में संबद्ध वस्तुओं के आयात किए हैं, जो कि उनके कुल उत्पादन का *** मात्र हैं। कुल आयातों, भारतीय मांग, भारतीय उत्पादन और घरेलू उत्पादन की तुलना में इन आयातों की मात्रा कम/तुच्छ थी। पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अनुसार याचिकादाता पात्र घरेलू उद्योग बनते हैं।
- (2) याचिकादाता नियमावली में उल्लिखित परिभाषा के भीतर घरेलू उद्योग बनते हैं, हालांकि मेसर्स रविराज फोर्ड लिमिटेड को अपात्र घरेलू उद्योग माना जाता है।
- (3) भारतीय उत्पादन में याचिकादाताओं का प्रमुख अंशदान बनता है तथा याचिकादाता पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अंतर्गत उल्लिखित आवश्यकता को पूरा करते हैं।
- (4) याचिका का समर्थन ऐसे घरेलू उत्पादकों ने किया है, जिनकी सामूहिक आउटपुट, समान वस्तु के कुल उत्पादन का पचास प्रतिशत से भी अधिक बनती है, जो कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित किए जाने वाला अंश है, जो कि जैसी भी स्थिति है, उसका समर्थन अथवा विरोध करता है। याचिका उन घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत की गई है जिनका उत्पादन प्रमुख अंशदान बनता है। इसके अतिरिक्त याचिका को उन घरेलू उत्पादकों का समर्थन प्राप्त है, जिनका उत्पादन 50 प्रतिशत से अधिक बनता है और वे या तो उसका समर्थन अथवा विरोध करते हैं।
- (5) अन्य तर्कों के बावजूद निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अनेक मामलों में कुल भारतीय उत्पादन के *** से कम अंश को प्रमुख भाग के रूप में माना है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

40. पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

"(ख) 'घरेलू उद्योग' का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में 'घरेलू उद्योग' पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।"

41. आवेदन-पत्र मेसर्स हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मेसर्स रविराज फोर्ड लिमिटेड और मेसर्स जिंदल इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किया गया था। इसके अतिरिक्त आवेदकों और समर्थकों के अलावा संबद्ध वस्तुओं के कुछ अन्य उत्पादक भी हैं।

42. पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी को इसकी जांच करने कि आवश्यकता है कि क्या (क) आवेदन-पत्र का समर्थन व्यक्त करने वाले घरेलू उत्पादकों का उत्पादन, घरेलू उद्योग द्वारा किए जाने वाले समान वस्तु के कुल उत्पादन का पच्चीस प्रतिशत से भी अधिक अंश बनता है और (ख) आवेदन-पत्र को ऐसे घरेलू उत्पादकों का समर्थन प्राप्त है, जिनकी सामूहिक आउटपुट, समान वस्तु के कुल उत्पादन का पचास प्रतिशत से भी अधिक बनती है, जो कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित किए जाने वाला अंश है, जो कि जैसी भी स्थिति है, उसका समर्थन अथवा विरोध व्यक्त करता है। कुल उत्पादन में आवेदकों का उत्पादन 41% बनता है और मेसर्स पीजी फोर्ड लिमिटेड के समर्थन से आवेदकों का उत्पादन, कुल भारतीय उत्पादन का 56 % अंश बनता है।

43. मौजूदा जांच का समर्थन एल्युमिनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किया गया है। एसोसिएशन ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का अत्यधिक पाटन होने के बारे में चिंता प्रकट की है। एसोसिएशन वर्तमान जांच की समर्थन करती है और चाहती है कि चीन से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों पर पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाए।

44. प्राधिकारी का विचार है कि किसी भी आवेदक को घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखे जाने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि मेसर्ज रविराज फाईल्स लिमिटेड को छोड़ कर उनमें से किसी भी आवेदक ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है और न ही वे संबद्ध वस्तुओं के किसी आयातक अथवा निर्यातक से संबंधित हैं। यह नोट किया जाता है कि मेसर्ज रविराज फाईल्स लिमिटेड ने चीन जनवादी गणराज्य से विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है।

45. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि मेसर्ज रविराज फाईल्स लिमिटेड को इसलिए घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है क्योंकि उसने जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है। प्राधिकारी ने मेसर्ज रविराज फाईल्स लिमिटेड द्वारा किए गए आयातों की व्यापक जांच की है, जिसके लिए समग्र रूप में और उनके निजी उत्पादन, भारतीय उत्पादन और चीन से आयातों तथा भारत में मांग/खपत के प्रसंग में उनके द्वारा किए गए आयातों की मात्रा को ध्यान में रखा गया है, जिसका उल्लेख नीचे तालिका में किया गया है।

तालिका-1

| | मापन का यूनिट | जांच अवधि |
|---------------------------------|---------------|-----------|
| रवि राज का उत्पादन | मी.टन | *** |
| भारत में उत्पादन | मी.टन | 1,24,788 |
| सम्पूर्ण रूप से आयात | मी.टन | *** |
| चीन से आयात | मी.टन | 71,938 |
| चीन से आयात के प्रसंग में आयात | % | *** |
| उनके उत्पादन के प्रसंग में आयात | % | *** |
| भारतीय खपत के प्रसंग में आयात | % | *** |

46. यह भी नोट किया जाता है कि मेसर्ज रविराज फाईल्स लिमिटेड ने आयातित संबद्ध वस्तुओं को पुनः चमका करके उन्हें घरेलू बाजार में बेचा है। प्राधिकारी ने जांच अवधि के बाद कंपनी के आयातों की सूचना मंगाई थी। यह पाया गया था कि जांच अवधि के बाद कंपनी द्वारा किए गए आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है। हालांकि मेसर्ज रविराज फाईल्स लिमिटेड ने चीन जनवादी गणराज्य से किए गए संबद्ध वस्तुओं के आयात बहुत अधिक नहीं हैं, लेकिन चूंकि अधिकतर समस्त आयातित संबद्ध वस्तुओं को घरेलू बाजार में बेच दिया गया था और कंपनी ने उत्पाद के आयातों के लिए कोई युक्तियुक्त कारण नहीं दिया है, जब कि कंपनी स्वतः ऐसे उत्पाद का उत्पादन करने में लगी हुई है, प्राधिकारी यह पाते हैं कि कंपनी ने ऐसे पाटन से अनुचित लाभ उठाया है। इसलिए प्राधिकारी का यह मानना है कि मेसर्ज रविराज फाईल्स लिमिटेड को घरेलू उद्योग का एक भाग के रूप में माना जाना उपयुक्त नहीं होगा।

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मेसर्ज रविराज फाईल्स लिमिटेड को पात्र घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर करने के बाद अन्य दो याचिकादाता नामतः मेसर्ज हिंडालको और मेसर्ज जिंदल इंडिया, नियमावली के नियम 2 (ख) में उल्लिखित घरेलू उद्योग के आधार संबंधी आवश्यकता को पूरा करते हैं।

मेसर्ज रविराज फाईल्स के बिना उद्योग का उत्पादन

तालिका-2

| विवरण | यूनिट | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | जांच अवधि वार्षिकीकृत | जांच अवधि (अप्रैल, 14 से जून, 2015 तक) |
|-------------------------|-------|---------|---------|---------|--------------------------|--|
| याचिकादाताओं का उत्पादन | मी.टन | 15,532 | 14,677 | 13,283 | 17,077 | 21,346 |
| समर्थक का उत्पादन | मी.टन | *** | *** | *** | *** | *** |

| | | | | | | |
|-------------------------------------|-------|--------|--------|--------|--------|--------|
| समर्थक सहित याचिकादाताओं का उत्पादन | मी.टन | *** | *** | *** | *** | *** |
| अन्य उत्पादकों का उत्पादन | मी.टन | *** | *** | *** | *** | *** |
| कुल भारतीय उत्पादन | मी.टन | 39,139 | 37,779 | 39,465 | 42,165 | 52,706 |
| याचिकादाताओं का अंशदान | % | 40 | 39 | 34 | 41 | 41 |
| समर्थक का अंशदान | % | *** | *** | *** | *** | *** |
| समर्थक सहित याचिकादाताओं का अंशदान | % | *** | *** | *** | *** | *** |
| अन्य उत्पादकों का अंशदान | % | *** | *** | *** | *** | *** |
| कुल | % | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 |

प्राधिकारी ने खान मंत्रालय और औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग को एक पत्र लिखा था तथा उनसे अनुरोध किया था कि उन्हें भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों की सूची के साथ-साथ उनके उत्पादन, उत्पादन क्षमता और वर्ष 2011-12 से लेकर वर्ष 2014-15 तक की अवधि के लिए संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों, यदि कोई हुए हैं, के ब्यौरे प्रस्तुत करें। खनन मंत्रालय ने इस पत्र का विधिवत् उत्तर देते हुए अपेक्षित सूचना संलग्न की थी जिसमें भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों की सूची और प्रमुख उत्पादकों का उत्पादन दर्शाया गया है। इसलिए एल्युमिनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया को संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों का प्रतिनिधि माना गया था।

48. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए तथा विधिवत् जांच करने के बाद प्राधिकारी का यह मानना है कि मेसर्स रविराज फाईल्स लिमिटेड को छोड़ कर आवेदक पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) और नियम 5 (3) की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इसके अतिरिक्त मेसर्स रविराज फाईल्स लिमिटेड को छोड़ कर आवेदक नियम 2 (ख) में उल्लिखित घरेलू उद्योग की परिभाषा के अनुसार घरेलू उद्योग बनते हैं।

ड. गोपनीयता

निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

49. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) घरेलू उद्योग द्वारा प्रपत्र पर वृष्टिपूर्ण याचिका प्रस्तुत की गई है। इसमें अत्यधिक गोपनीयता रखी गई है और विभिन्न सूचना के लिए अगोपनीय वृत्तान्त प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- (2) घरेलू उद्योग द्वारा याचिका में अत्यधिक गोपनीयता बनाए रखने का दावा किया गया है। याचिका में कीमत में कटौती, मार्जिन, समर्थक के बिना याचिकादाताओं के अंशदान और उत्पादन के आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। जबकि स्थाई आंकड़ों को कभी भी गोपनीय नहीं रखा जाता है, भारत में कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के आंकड़े और कंपनी की वार्षिक रिपोर्टें सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं और इसलिए उन्हें गोपनीय रखे जाने का कोई कारण नहीं है।
- (3) अत्यधिक और अनुचित आबंटन/मूल्य ह्रास और ब्याज के अंश के कारण घरेलू उद्योग द्वारा निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत, पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अंतर्गत उल्लिखित सिद्धांतों के विपरीत है और उसे गलती से बढ़ा-चढ़ा कर दिखलाया गया है और तदनुसार क्षति रहित कीमत का निर्धारण भी गलत ढंग से किया गया है।
- (4) घरेलू उद्योग द्वारा अत्यधिक गोपनीयता रखी गई है। जिन मूल अवधारणाओं के आधार पर घरेलू उद्योग ने निष्क्रिय समय के बिना जांच करने अथवा उसकी संरचित अवधि संरचित करने का प्रयास किया है, उनके विवरण प्रस्तुत नहीं किए हैं, जिससे हितबद्ध पक्षकार उन पर अपनी टिप्पणियां दे सकें।
- (5) याचिकादाता द्वारा निम्नोक्त पर अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है:-
 - (क) क्रय नीति, बिक्री नीति, भंडार लेखाकरण नीति और गुणवत्ता नियंत्रण नीति।
 - (ख) जांच अवधि के साथ-साथ पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखे।

(ग) कीमत में कटौती होने के मार्जिन का उल्लेख नहीं किया गया है।

- (6) वस्तुओं की गुणवत्ता अथवा उत्पाद की आपूर्ति करने में उसकी असमर्थता के बारे में घरेलू उद्योग के साथ हुए पत्राचार में प्रयोक्ताओं/आयातकों द्वारा कोई अत्यधिक गोपनीयता का दावा नहीं किया गया है तथा इनकी सूचना लिखित निवेदनों में प्रदान की गई है।
- (7) घरेलू उद्योग ने एमएस एक्सिल प्रपत्र में कारोबार-बार आयात के आंकड़ों की सॉफ्ट प्रति प्रदान करने, क्रय नीति, बिक्री नीति, भंडार की लेखाकरण नीति, गुणवत्ता नियंत्रण नीति, जांच अवधि के साथ-साथ पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा, चीन जनवादी गणराज्य के सामान्य मूल्य के परिकलन के बारे में अत्यधिक गोपनीयता बनाए रखने का दावा किया है।
- (8) व्यवसाय संबंधी लाईसेंस में संवेदी सूचना निहित होती है और इसलिए उसकी गोपनीयता का दावा किया गया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

50. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) प्रतिवादी निर्यातकों ने घरेलू उद्योग को अपने हितों की रक्षा करने से रोकने के लिए एक प्रयत्न के रूप में अत्यधिक गोपनीयता बनाए रखने का आश्रय लिया है। जहां तक कि प्रतिवादी निर्यातकों ने अपने व्यवसाय संबंधी लाईसेंस को भी एक गोपनीय दस्तावेज के रूप में माना है। कंपनी के पंजीकरण के संचालन पर चीन जनवादी गणराज्य के विनियम के अनुच्छेद 63 में ऐसा उल्लेख है कि ऐसा व्यवसाय संबंधी लाईसेंस "नेत्र से देखे जाने की स्थिति" में होना चाहिए। इस प्रकार यह सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होना चाहिए। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होने वाली सूचना को गोपनीय सूचना के रूप में रखे जाने का दावा नहीं किया जा सकता है।
- (2) दो प्रतिवादी निर्यातक समूहों के संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं के विनिर्माता प्रयोज्यताओं के साथ संबंध हैं और निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तरों में उनके नामों की गोपनीयता का दावा किया गया है। यहां यह बल दिया जाता है कि ऐसी सूचना सार्वजनिक अधिकार क्षेत्र की होती है और इसे गोपनीय बनाए रखना उचित नहीं है।
- (3) केवल लॉफ्टन एन्वायरन्मेंटल टेक्नॉलॉजी कंपनी लिमिटेड, किंगडेओल एल्युमिनियम फोईल कंपनी लिमिटेड और लॉफ्टन एल्युमिनियम (हांग कांग) (जो कि हांग कांग आधारित निर्यातक है) ने प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं। अन्य तीन निर्यातकों ने अपनी प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं। तथापि, वे संबद्ध वस्तुओं का विनिर्माण करते हैं और उनके नाम कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। चूंकि ऐसी सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है, इसलिए इस संबंध में किसी भी प्रकार की गोपनीयता के दावे को रद्द किया जाता है।
- (4) डिंगशेंग समूह के उत्पादकों और निर्यातकों ने अन्य संबंधित उत्पादकों के नामों की गोपनीयता का दावा किया है। उनकी यह सूचना भी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

51. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के नियम-7 में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है :-

"(1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।"

52. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीय के दावों की उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय

समझा है और उसे अन्य पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का अगोपनीय वृत्तान्त भी प्रस्तुत करें। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय वृत्तान्त को सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध कराया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसी किसी भी सूचना को जो कि सार्वजनिक अधिकार-क्षेत्र में उपलब्ध है, गोपनीय नहीं माना जा सकता है।

च. विविध निवेदन

निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

53. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) घरेलू उद्योग के लिए ऐसे एल्युमिनियम फोईल की आपूर्ति करना महत्वपूर्ण है जो कि प्रयोक्ता उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करती है। ऐसे फोईल की आपूर्ति को जो कि प्रयुक्त करने के लिए सक्षम नहीं है, विशेष ग्रेड की आपूर्ति के रूप में माना जाता है।
- (2) आयात मुख्यतया दो कारण से किए जाते हैं। पहला यह कि घरेलू उद्योग बाजार की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं होता है और दूसरा यह कि घरेलू उद्योग बाजार की मांग को पूरा नहीं कर सकता है।
- (3) घरेलू उद्योग द्वारा वस्तुओं की गुणवत्ता, वस्तुओं को अस्वीकार किए जाने अथवा विशेष प्रकार के उत्पादों की आपूर्ति करने में असमर्थता/खेद प्रकट करने से संबंधित कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है। घरेलू उद्योग सदैव ऐसा करने से बचता रहा है और हितबद्ध पक्षकारों को उस पर टिप्पणी करने का एक अवसर प्राप्त हुआ है। यदि ऐसे प्रमाणों को प्रत्युत्तर के साथ प्रस्तुत कर दिया जाता है, तो प्राधिकारी को ऐसे निवेदनों को अस्वीकार कर देना चाहिए।
- (4) घरेलू उद्योग के निवेदनों के साथ 5.5 माईक्रोन के यूएलजी के उत्पाद और 12 माईक्रोन की मोटाई के फोईल की कोई बीजक संलग्न नहीं की गई है।
- (5) घरेलू उद्योग बिना कोई कारण बताए अनेक सूचना जैसे कि मोटाई के आधार पर आयातों का वर्गीकरण, कीमत कटौती, पाटन मार्जिन और पीसीएन के आधार पर क्षति मार्जिन से संबंधित सूचना प्रदान करने में विफल रहा है। घरेलू उद्योग ने ऐसी सूचना प्रदान नहीं किए जाने का कोई कारण भी नहीं बताया है अथवा ऐसी सूचनाओं को गोपनीय सूचना भी नहीं माना है।
- (6) मेसर्स हिंडालको इंडस्ट्रीज की एल्युमिनियम श्रृंखला में इनगोट से शुरू हो कर विचाराधीन उत्पाद तक अनेक प्रभाग शामिल हैं। उनकी इनगोट की कीमत को शीट चरण में और उसके बाद शीट से फोईल प्रभाग आदि तक अंतरित करने की एक नीति है। इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी को उसकी सख्ती से संवीक्षा करनी चाहिए ताकि घरेलू उद्योग के ऐसे किसी भी प्रयास को निष्फल किया जा सके जिससे वह पाटन-रोधी शुल्क के अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अन्य कारणों से होने वाली अपनी क्षतियों को विचाराधीन उत्पाद पर मढ़ता है।
- (7) घरेलू उद्योग का यह दावा है कि वह एक बहु-उत्पाद कंपनी है और इसलिए वह वास्तविक विनिर्माण व्ययों को अनुमान नहीं लगा सकती है।
- (8) ग्राहकों द्वारा दिए गए प्रशस्ति पत्र हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।
- (9) वर्तमान एलएमई और एसएमई कीमत के साथ विनिमय दर ने फोईल के आयात को पहले से ही गैर-अर्थक्षम बनाया हुआ है।
- (10) जैसे ही विचाराधीन उत्पाद पर पाटन-रोधी शुल्क लगा दिया जाता है तो उससे एकाधिकारी की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी और घरेलू उद्योग द्वारा कीमतें बढ़ा दी जाएंगी जिसके फलस्वरूप इस उत्पाद पर निर्भर करने वाले व्यापक फैले हुए एसएमई बंद हो जायेंगे। इसलिए यह जनहित के विरुद्ध होगा।
- (11) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किया गया आवेदन-पत्र अपूर्ण है और यह घरेलू उद्योग की वार्षिक रिपोर्टों में निहित तथ्यों के विपरीत है। याचिका अस्वीकार्य अवधारणाओं और विकृत आंकड़ों पर आधारित है और इस संबंध में उसके समर्थन में आवश्यक प्रमाण भी प्रस्तुत नहीं किए गए हैं।
- (12) क्षति मार्जिन परिकलित करते समय उसके लिए 7.5% सीमा शुल्क और न कि *** पर आधारित पहुंच मूल्य को ध्यान में रखा जाना चाहिए।
- (13) अत्यधिक और अनुचित आबंटन/मूल्यह्रास का अनुपात, एनएफए, कार्यशील पूंजी, नियोजित पूंजी और ब्याज लगाए जाने के कारण घरेलू उद्योग द्वारा निर्धारित की गई एनआईपी पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अंतर्गत उल्लिखित सिद्धांतों के विपरीत है और उसे गलती से बढ़ाया गया है।

- (14) याचिकादाताओं ने महानिदेशक, सुरक्षा के समक्ष इस तथ्य को स्वीकार किया है कि याचिका को वापस लेने के कारण जांच को समाप्त कर दिया गया था। इससे पता चलता है कि याचिकादाता पाटन को प्रमाणित करने में असमर्थ थे। इसलिए घरेलू उद्योग के लिए भारत में एल्युमिनियम फोईल के आयात के खिलाफ जांच शुरू करने के मामले का उल्लेख करना उपयुक्त नहीं है। याचिकादाताओं का यह दावा कि महानिदेशक, सुरक्षा के समक्ष प्रस्तुत की गई याचिका और वर्तमान याचिका के बीच कोई संबंध नहीं है, अनुचित और गलत है तथा उसकी मनाही की जाती है।
- (15) घरेलू उद्योग के स्रोत से उत्पाद प्राप्त करने के बजाय उनके आयातों का आश्रय लेने का कारण मुख्यतया आयात कीमत के साथ नहीं बल्कि अपेक्षित तकनीकी गुण-क्षमताओं के रूप में अंत-प्रयोक्ताओं की गुणवत्ता और आवश्यकता के साथ जुड़ा हुआ है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

54. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) उत्पाद के लिए पहले सुरक्षा जांच अप्रैल, 2008 - दिसंबर, 2008 की जांच अवधि को ध्यान में रखते हुए की गई थी। तथापि, महानिदेशक, सुरक्षा द्वारा पाए गए तथ्य वर्तमान मामले के तथ्यों पर लागू नहीं होते हैं। विशेषकर विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र और घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित किए जा रहे उत्पादों की किस्मों के बारे में सुरक्षा के शुल्कों को लागू करने से घरेलू उद्योग की स्थिति में आर्थिक रूप से परिवर्तन हुआ है। इसको ध्यान में रखते हुए याचिकादाता का यह अनुरोध है कि कृपया वर्तमान प्रयोजनार्थ सुरक्षा जांच के निष्कर्षों की अनदेखी की जाए।
- (2) सुरक्षा जांच में विचार किए गए घरेलू उद्योग का कार्य-क्षेत्र, वर्तमान प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से काफी भिन्न था। जबकि सुरक्षा जांच के समय केवल मेसर्ज हिंडालको कंपनी ही घरेलू उद्योग बनती थी, वर्तमान जांच में मेसर्ज हिंडालको, मेसर्ज जिंदल इंडिया और मेसर्ज रविराज फोईल्स कंपनियां घरेलू उद्योग बनती हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

55. विविध मुद्दों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदनों की जांच और निदान निम्नानुसार किया गया है।

56. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन-पत्र में प्रदत्त अपर्याप्त सूचना होने के तर्क के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू करने के प्रयोजनार्थ आवेदन-पत्र में समस्त सूचना निहित है। प्राधिकारी ने जांच शुरू करने को यथोचित ठहराने के लिए पर्याप्त प्रमाण निहित आवेदन-पत्र पर संतुष्ट होने के बाद ही वर्तमान जांच शुरू करने का निर्णय लिया था। इसके अतिरिक्त, जांच शुरू किए जाने के बाद जितना आवश्यक समझा गया है, आवेदक से उतनी सूचना मांगी गई है और आवेदक ने वर्तमान जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ उसे प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच के कार्य की प्रगति के अनुसार प्रमाण की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार होता है।

- (1) उत्पाद की किस्म के बीजकों के बारे में उल्लेखनीय है कि याचिकादाताओं ने उन्हें गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया है और प्राधिकारी ने उनकी उचित रूप से जांच की है। वाणिज्यिक बीजकें, वाणिज्यिक रूप से संवेदी सूचना होती है और उनका प्रकटन नहीं किया जा सकता है।
- (2) क्षति मार्जिन के परिकलन के तर्कों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि क्षति मार्जिन, क्षति रहित कीमतों पर आधारित होता है, जिसका परिकलन पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-3 में निर्धारित प्रणाली के अनुसार किया जाता है। इसके अतिरिक्त जांच अवधि के दौरान यथा प्रचलित सीमा शुल्क को अपनाया जाता है, जो कि सीमा शुल्क से संबंधित तर्कों का समाधान करता है।
- (3) पाटन-रोधी शुल्क के परिणामस्वरूप एकाधिकार की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी इस आशय के अन्य हितबद्ध पक्षकारों के निवेदनों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि पाटन-रोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्यतया पाटन की अनुचित व्यावहारिक पद्धतियों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है, ताकि भारतीय बाजार में ऐसे खुले और उचित प्रतिस्पर्द्धा का वातावरण बहाल किया जा सके, जो कि देश के सामान्य हित में हो। पाटन-रोधी उपाय करने से किसी भी तरह से संबद्ध देशों से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए इनसे उपभोक्ताओं को उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।
- (4) जहां तक मांग और पूर्ति के बीच व्याप्त अंतर का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि यदि निर्यातक भारतीय बाजार में आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वस्तुओं की आपूर्ति करना चाहते थे, तो वे सामान्य मूल्य के बराबर कीमत पर आवश्यक वस्तुओं का निर्यात कर सकते थे लेकिन बाजार को हथियाने के लिए पाटित मूल्य पर नहीं।
- (5) इस तर्क के संबंध में कि विनिमय दर के साथ वर्तमान एलएमई और एसएमई ने पहले से ही फोईल के आयात को गैर-अर्थक्षम बना दिया है, यह नोट किया जाता है कि पाटन-रोधी जांच के प्रयोजनार्थ इस तर्क की कोई प्रासंगिकता नहीं है। पाटन-रोधी शुल्कों का

प्रयोजन सामान्यतया पाटन की अनुचित व्यावहारिक पद्धतियों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है, ताकि भारतीय बाजार में ऐसे खुले और उचित प्रतस्पर्द्धा का वातावरण बहाल किया जा सके, जो कि देश के सामान्य हित में हो।

- (6) घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और भारत में आयातित उत्पादों की क्षमता, गुणवत्ता और विनिर्देशनों के बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों के बारे में यह नोट किया जाता है कि चूंकि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद को भारत में आयात किए जाने उत्पाद के समान वस्तु माना जाता है तथा प्रयोक्ताओं/आयातकों द्वारा इन दोनों का उपयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है, इसलिए बिना कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत किए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए ऐसे मुद्दों की कोई प्रासंगिकता नहीं है।
- (7) याचिकादाता कंपनियों के इस आशय के तर्क के संबंध में कि वे बहुविध अथवा बहु-प्रभागीय कंपनियां हैं, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों के निष्पादन ने घरेलू उद्योग के निष्पादन के बारे में प्राधिकारी द्वारा किए गए मूल्यांकन को प्रभावित नहीं किया है। प्राधिकारी द्वारा ध्यान में रखी गई सूचना केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में ही है।

च. बाजार अर्थव्यवस्था ट्रीटमेंट (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन

57. नियमावली के अंतर्गत "सामान्य मूल्य" है:

सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क (1) (ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:

- i. व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- ii. जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

परंतु यह कि उदगम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

निर्यातक, आयातक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा निवेदन:

58. निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा इस संबंध में निवेदन किए हैं, जो निम्नलिखित हैं:

- (i) जांच शुरुआत की अधिसूचना के पैरा 10 के अनुसार भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर विधिवत समायोजित सामान्य मूल्य का दावा किया गया है। यह एडीडी नियमावली के अनुबंध-1(7) के तहत कानून की अपेक्षाओं के उल्लंघन में है।
- (ii) याचिकाकर्ताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर प्राधिकारी ने भरोसा किया है जो एडीडी नियमावली के अनुबंध-1(7) के अंतर्गत उपलब्ध अंतिम विकल्प है। प्राधिकारी ने अंतिम विकल्प का केवल उसी स्थिति में सहारा ले सकता है यदि अनुबंध-1 के पैराग्राफ 7 के पहले दोनों विकल्प अशक्त हो जाते हैं और इसको *शेनयांग मत्सुशिता एस. बैट्री कं. लि. बनाम एक्साइड इंडस्ट्रीज लि. और अन्य [(2005) 2 एससीसी 39]* के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के द्वारा रोका गया था।
- (iii) पाटनरोधी नियामवली के पैरा 7 के अनुबंध-1 के अनुसार तृतीय देश बाजार अर्थव्यवस्था का चयन करने के बारे में जांच करने के लिए पक्षकारों को सूचित करना और उनकी टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए उचित समाज के बारे में सूचित करना अनिवार्य है। चीन के लिए पता लगाया सामान्य मूल्य सही नहीं है और प्राधिकारी के द्वारा कच्चे माल के अंतर्राष्ट्रीय मूल्य तथा सामग्री की खपत संबंधी मानदंडों तथा यूटीलिटीज के बारे में सूचित करना चाहिए।

- (iv) याचिकाकर्ता ने एफओबी के *** की दर से समुद्री बीमा के बारे में विचार किया है, जबकि यह एफओबी केवल *** है। साथ ही, चीनी उद्योगों से आयात की गई वस्तुओं पर कमीशन दिया जाता है। याचिका में निर्धारित निर्यात मूल्य समर्थन प्रमाण का अभाव है। पाटन मार्जिन भ्रान्तिपूर्ण सामान्य मूल्य पर आधारित है जिसको कम किए गए निर्यात मूल्यों की वजह से बनावटी तौर पर बढ़ाया गया है।
- (v) निर्यातक की प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में निर्यातकों के द्वारा उपलब्ध कराई सूचना का उपयोग करके पाटन मार्जिन की गणना करनी चाहिए। याचिका में निर्धारित पाटन मूल्य त्रुटिपूर्ण है। अपवर्जन के लिए अनुरोध की गई वस्तुओं के आयातों को छोड़कर क्षति का विश्लेषण करना चाहिए।
- (vi) कम कीमत और पाटन मार्जिन तथा पीसीएन वार पर आधारित क्षति मार्जिन की सूचना संलग्न नहीं की जाती है।
- (vii) आयातों की वजह से याचिकाकर्ताओं को हो रही किसी क्षति को याचिकाकर्ता सुनिश्चित नहीं कर सके हैं। स्वयं उनके आंकड़े यह दर्शाते हैं कि घरेलू मांग को पूरा करने के लिए उनकी क्षमता में कमी है।
- (viii) याचिकाकर्ता के प्राप्ति मूल्यों के अनुसार कच्चे माल की कीमतों के उपयोग को प्राधिकारी के द्वारा स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि वे विकृत होती हैं।
- (ix) जांच को समाप्त करना चाहिए क्योंकि याचिकाकर्ताओं के मामले में कोई अर्हता नहीं होती है और साथ ही, उन्होंने बुनियादी सीमा शुल्क में *** की बढ़ोत्तरी के जरिए अतिरिक्त सुरक्षा पहले ही प्राप्त कर ली है जिससे बजट 2016 में किए प्रावधान के अनुसार बीसीडी अब 7.5% बनता है।

घरेलू उद्योग के द्वारा निवेदन

59. घरेलू उद्योग ने अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित अनुरोध किया है:

- (i) चीन एक गैर-बाजार व्यवस्था वाला देश है। किसी भी देश ने चीन को बाजार अर्थव्यवस्था का स्तर प्रदान नहीं किया है। इसके अलावा, किसी भी निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था स्तर की मंजूरी देने के लिए अर्हता हेतु विधिशास्त्र की हरेक शर्त को पूरा नहीं किया है। अतः सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए चीन के उत्पादकों की लागत और मूल्य पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।
- (ii) याचिकाकर्ताओं ने अंतिम विकल्प का सहारा लिया क्योंकि उनके पास एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के लिए अपेक्षित सूचना नहीं थी। एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के लिए सुझाव देने एवं इसके लिए उचित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के पास जांच की शुरुआत से पर्याप्त समय और अवसर भी थे। एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के बारे में सुझाव देने के लिए हितबद्ध पक्षकारों पर कोई रोक नहीं है।
- (iii) इन हितबद्ध पक्षकारों के पास अपने-अपने स्वतंत्र दावे दायर करने के लिए अवसर थे। यदि हितबद्ध पक्षकार अपने अधिकारों का प्रयोग करने और अपने दायित्वों का निर्वहन करने में असमर्थ हुए हैं तो वे याचिकाकर्ताओं अथवा प्राधिकारी में कोई दोष नहीं निकाल सकते हैं।
- (iv) चीन के लिए भारत एक उपयुक्त प्रतिनिधि देश है क्योंकि इससे सटीक और पर्याप्त सूचना प्राप्त कर ली जाएगी। इसके अलावा, अन्य जांच प्राधिकारियों के द्वारा भी भारत को एक उपयुक्त प्रतिनिधि देश के रूप में माना गया है।
- (v) सामान्य मूल्य का भारत की उत्पादन लागत के आधार पर विधिवत समायोजित करके तदनुसार निर्धारण इस तथ्य को ध्यान में रखकर किया गया है कि विक्रय मूल्य हानि उठाने वाला मूल्य होता है।
- (vi) निर्यात मूल्य की गणना करने के लिए डीजीसीआईएंडएस के द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदे-वार आयात आंकड़ों पर याचिकाकर्ताओं ने भरोसा किया है।
- (vii) विभिन्न उत्पाद किस्मों की लागत और मूल्य में पर्याप्त अंतर को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ताओं ने प्रत्येक उत्पाद किस्म के लिए अलग निर्यात मूल्य निर्धारित किया है।
- (viii) विभिन्न उत्पाद किस्मों की लागतों और मूल्यों में अंतर होने की वजह से प्रत्येक किस्म के लिए पाटन मार्जिन अलग से निर्धारित किया गया है। उपर्युक्त से यह देखा गया है कि पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से न केवल कम होता है अपितु पर्याप्त भी होता है।

- (ix) याचिकाकर्ताओं ने निर्यात मूल्य की गणना करने के लिए समायोजन करने में संतुलित दृष्टिकोण को अपनाया है। वर्तमान जांच की शुरुआत से ही प्राधिकारी ने निर्यातकों से प्रत्युत्तर प्राप्त किए हैं। प्राधिकारी निर्यात मूल्य समायोजनों तथा अपनाई गई प्रक्रिया को तदनुसार जांच कर सकता है।
- (x) एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश का सुझाव देने तथा इसके लिए उपयुक्त प्रमाण देने हेतु हितबद्ध पक्षकारों के पास जांच की शुरुआत से पर्याप्त समय और अवसर थे। एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश का सुझाव देने में हितबद्ध पक्षकारों पर कोई रोक नहीं है। वस्तुतः, निर्दिष्ट प्राधिकारी को एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश को स्वीकार करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए पर्याप्त प्रमाण और दावे की अपेक्षा होगी। हितबद्ध पक्षकारों ने स्वयं अपने अधिकारों का प्रयोग नहीं किया है और यह आरोपित करने में ही लगा है।
- (xi) निर्यात मूल्यों का पर्याप्त समर्थन प्रमाणों से निर्धारित किए गए हैं। आयात मूल्य का दावा सीमा शुल्क आंकड़े पर आधारित होता है और इसलिए इसके बारे में सबसे अधिक विश्वसनीयता से विचार करना होता है। याचिकाकर्ताओं ने निर्यात मूल्य में कोई समायोजन किए बिना पाटन मार्जिन के अनुमानों को याचिकाकर्ता ने इन निवेदनों के साथ संलग्न किया है।

प्राधिकारी के द्वारा जांच – गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में चीन

60. चाइनीज एसेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नलिखित प्रावधान है:

"जीएटीटी का अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौता, 1994 ("पाटनरोधी समझौता") के अनुच्छेद-VI के कार्यान्वयन पर समझौता तथा एससीएम समझौता निम्नलिखित के अनुरूप डब्ल्यूटीओ सदस्यों में चीन मूल के आयातों वाली कार्यवाहियों पर लागू होंगे:

- (क) जीएटीटी के अनुच्छेद-VI और पाटनरोधी समझौते के तहत मूल्य की तुलना का निर्धारण करने में आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति को उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित के आधार पर चीन में घरेलू मूल्यों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है:
 - (i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती है तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।
 - (ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।
- (ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।
- (ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।
- (घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क)(ii) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग

अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।"

61. अनुच्छेद 15 में यह अपेक्षा होती है कि एक उप पैराग्राफ के प्रावधान चीन की प्राप्ति की तारीख से 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इस पैराग्राफ के प्रावधान 11 दिसंबर, 2016 में समाप्त हो गए। चूंकि घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने के पाटन के कारक जांच अवधि के आधार पर स्थापित किए जाते हैं, इसलिए केवल जांच अवधि के दौरान प्रचलित परिस्थितियाँ वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्रासंगिक, उपयुक्त और जरूरी होती हैं। वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन हेतु जांच की अवधि (पीओआई) अप्रैल, 2014 से जून, 2015 है। चूंकि अनुच्छेद 15 का उप पैराग्राफ जांच की अवधि के दौरान अस्तित्व में था, इसलिए प्राधिकारी उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ एक सशक्त तुलना पर आधारित न हो। यदि जांचाधीन उत्पादक यह साफ-साफ नहीं दिखा सकता है कि उक्त उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था स्थितियाँ प्रचलित हों।
62. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारत और अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्यों के द्वारा विगत 3 वर्षों में पाटनरोधी जांच में चीन गणराज्य को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश के रूप में माना गया है। नियमावली के अनुसार निर्यातक देश अथवा व्यक्तिगत निर्यातकों के द्वारा अनुमान का खंडन करने के अध्यक्षीन चीन गणराज्य को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश के रूप में माना गया है।
63. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है तथा उसे भरा है:
- (क) अल्चा इंटरनेशनल होल्डिंग लि.
 - (ख) डिंगशेंड एल्यूमीनियम इंडस्ट्रीज हांगकांग ट्रेडिंग कं. लि.
 - (ग) हांगझाओ डिगहेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
 - (घ) हांगझाओ फाइव स्टार एल्युमीनियम कं. लि.
 - (ङ) जिनाग्सु अल्चा एल्युमीनियम कं. लि.
 - (च) जिनाग्सु डिगशेंग न्यू मैटेरियल ज्वाइंट स्टॉक कं. लि.
 - (छ) लोफ्टन एन्वायरनमेंटल टेक्नोलॉजी कं. लि.
 - (ज) किंगदाओ लोफ्टन एल्युमीनियम फोयल कं. लि.
 - (झ) लोफ्टन एल्युमीनियम (हांगकांग)
 - (ञ) झेजियांग झौंगजिन एल्युमीनियम इंडस्ट्री कं. लि.
 - (ट) झेजियांग जीकेओ न्यू मैटेरियल कं. लि.
64. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि लोफ्टन एन्वायरनमेंटल टेक्नोलॉजी कं. लि. के अलावा किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने एमईटी का दावा नहीं किया है।

बाजार अर्थव्यवस्था दावों की जांच

65. यथा संशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1, पैरा 8 के अनुसार किसी गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंड किया जा सकता है, यदि चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातक (निर्यातकों) पैराग्राफ 8 में उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर सूचना और पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध कराता है तथा इसे प्रतिकूल साबित करता है। चीन गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था ट्रीटमेंट के प्रत्युत्तर में पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत करने अपेक्षित होते हैं, ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंड पर विचार कर सके कि क्या:
- क. कच्चे माल, प्रौद्योगिकी और श्रम की लागत, उत्पादन और निवेश सहित मूल्यों, लागतों और निवेशों के संबंध में चीन जनवादी गणराज्य में संबंधित फर्मों के द्वारा बाजार के संकेतों के प्रत्युत्तर में आपूर्ति और मांग को दर्शाते हुए तथा इस बारे में राज्य के हस्तक्षेप के बिना निर्णय किए जाते हैं तथा क्या बृहद निवेशों की लागतें बाजार मूल्यों को पर्याप्त रूप से दर्शाती हैं।
 - ख. ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली काफी विकृति के अध्यक्षीन है, विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे खाते डालने, विनिमय व्यापार तथा ऋणों के मुआवजे के द्वारा भुगतान के संदर्भ में विकृतियों के अध्यक्षीन है।
 - ग. ऐसी फर्मों दिवालियापन एवं संपत्ति कानूनों के अध्यक्षीन होती है जो फर्मों के प्रचालन के लिए कानूनी सुनिश्चितता और स्थिरता की गारंटी देती हैं।
 - घ. विनिमय दर को बाजार दर पर बदला जाता है।

66. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्राधिकारी के द्वारा जारी किए जांच शुरूआत नोटिस के परिणामस्वरूप चीन गणराज्य के लोफ्टन एन्वायरनमेंटल टेक्नोलॉजी कं. लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति से संबंधित प्रश्नावली के बारे में तथा निर्यातक की प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दिया है तथा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था अनुमान को खंडित किया है। संबद्ध वस्तुओं के प्रत्युत्तर देने वाले उत्पादक/निर्यातक के सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए उनकी प्रश्नावली के प्रत्युत्तरों तथा बाजार अर्थव्यवस्था के प्रत्युत्तरों की जांच की गई थी।
67. इसके अलावा, 5 अगस्त, 2016 के पत्र के द्वारा लोफ्टन एन्वायरनमेंटल टेक्नोलॉजी कं. लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था ट्रीटमेंट के अपने दावे को वापस ले लिया।
68. चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों और उत्पादकों के द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था ट्रीटमेंट दावे को वापस लेने की दृष्टि से प्राधिकारी ने कंपनी के लिए बाजार अर्थव्यवस्था ट्रीटमेंट प्रदान नहीं किया है तथा नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए निर्मित सामान्य मूल्य को स्वीकार किया है।

चीन जनवादी गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

69. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए वर्तमान जांच के लिए प्राधिकारी ने अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। भारत में चीन जनवादी गणराज्य से आयात किए संबद्ध उत्पादों के लिए सामान्य मूल्य को बृहद कच्चे माल, घरेलू उद्योग की कीमतों के अनुसार कच्चे माल की लागत, कंवेर्जन लागत, ब्याज, घरेलू उद्योग के लिए अनुमत स्तरों पर एसजीए आदि के लिए घरेलू उद्योग के अधिकतम खपत मानदंडों पर विचार करते हुए निर्मित किया गया है। उचित लाभ हेतु ब्याज को छोड़कर बिक्रियों की लागत के *** की अनुमति दी गई है।

ड. निर्यात मूल्य का निर्धारण

70. वर्तमान जांच में निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली (ईक्यू) प्रत्युत्तर दायर किया है:

- (क) अल्चा इंटरनेशनल होलिंग लि.
- (ख) डिग्शेंग एल्युमीनियम इंडस्ट्रीज हांगकांग ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
- (ग) हांगझाओ फाइव स्टार एल्युमीनियम कं. लि.
- (घ) हांगझाओ डिग्शेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
- (ङ) जिनांग्सु अल्चा एल्युमीनियम कं. लि.
- (च) जिनांग्सु डिग्शेंग न्यू मैटेरियल ज्वाइंट स्टॉक कं. लि.
- (छ) लोफ्टन एल्युमीनियम (हांगकांग)
- (ज) लोफ्टन एन्वायरनमेंटल टेक्नोलॉजी कं. लि.
- (झ) किंगदाओ लोफ्टन एल्युमीनियम फोयल कं. लि.
- (ञ) झेजियांग झौंगजिन एल्युमीनियम इंडस्ट्री कं. लि.
- (ट) झेजियांग जीकेओ न्यू मैटेरियल कं. लि.

जियांग्सु डिग्शेंग न्यू मैटेरियल ज्वाइंट स्टॉक कं. लि. ("जियांग्सु डिग्शेंग") और हांगझाओ इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ("डिग्शेंग आईएंडई") के निर्यात मूल्य का निर्धारण

71. जांच अवधि के दौरान डिग्शेंग एल्युमीनियम ग्रुप के भीतर तीन कंपनियां नामतः हांगझाओ फाइव स्टार एल्युमीनियम कं. लि., ("हांगझाओ फाइव स्टार"), जिनांग्सु डिग्शेंग न्यू मैटेरियल ज्वाइंट स्टॉक कं. लि., ("जियांग्सु डिग्शेंग") और हांगझाओ इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ("डिग्शेंग आईएंडई") संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में लगी हुई थीं। भारत के लिए संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों के संबंध में जियांग्सु डिग्शेंग, डिग्शेंग आईएंडई तथा डिग्शेंग एल्युमीनियम इंडस्ट्रीज (हांगकांग) ट्रेडिंग कं. लि. ("डिग्शेंग हांगकांग"), डिग्शेंग एल्युमीनियम ग्रुप के भीतर भारत के लिए संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने में लगी थीं। सभी पूर्वोक्त कंपनियों ने जांच में भाग लिया है तथा कंपनियों के द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों की जांच की गई थी।
72. हांगझाओ फाइव स्टार के द्वारा उत्पादित वस्तुओं का डिग्शेंग आईएंडई, जियांग्सु डिग्शेंग और डिग्शेंग एच. के. के माध्यम से भारत के लिए निर्यात किया गया है। इसके अतिरिक्त, जियांग्सु डिग्शेंग, उत्पादक और निर्यातक ने डिग्शेंग आईएंडई, डिग्शेंग एच. के. के माध्यम से भारत के लिए सीधे ही वस्तुओं का निर्यात किया है। इसके अलावा, डिग्शेंग आईएंडई ने भारत के लिए सीधे तथा डिग्शेंग एच. के. के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया।

73. डिंशेंग एल्युमीनियम ग्रुप ने भारत के लिए पीओआई के दौरान 7 माइक्रोन से कम मोटाई की एल्युमीनियम फोयल का मुख्य रूप से निर्यात किया। तथापि, इसने 9 माइक्रोन, 10 माइक्रोन, 12 माइक्रोन, 20 माइक्रोन जैसी अधिक मोटाई की एल्युमीनियम की कुछ मात्राओं का भारत के लिए निर्यात भी किया।
74. डिंशेंग एल्युमीनियम ग्रुप के द्वारा पीओआई के दौरान *** टन का कुल निर्यात किया। अंतर्देशीय परिवहन, समुद्री माल-भाड़ा, समुद्री बीमा, क्रेडिट लागत, बैंक प्रभारों, पत्तन और रख-रखाव व्यय तथा नॉन रिफंडेबल वैट के कारण मूल्य समायोजन करने के बाद में फैक्ट्री के बाहर निर्यात मूल्य का निर्धारण किया था। उपर्युक्त निर्यातकों और/अथवा उत्पादकों का पाटन मार्जिन उनके प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष निर्यातों के लिए पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाए अनुसार निकाला गया है।

मै. किंगदाओ लोफ्टन एल्युमीनियम फोयल कं. लि., मै. लोफ्टन एन्वायर्नमेंटल टेक्नोलॉजी कं. लि. और मै. लोफ्टन एल्युमीनियम (हांगकांग) लि. का निर्यात मूल्य

75. पीओआई के दौरान यह नोट किया कि मै. लोफ्टन एल्युमीनियम (हांगकांग) लिमिटेड ने अपनी दो संबद्ध कंपनियों नामतः मै. किंगदाओ लोफ्टन एल्युमीनियम फोयल कं. लि. *** मी. टन और मै. लोफ्टन एन्वायर्नमेंटल टेक्नोलॉजी कं. लि. *** मी. टन के द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के *** मी. टन का निर्यात किया था।
76. लोफ्टन एल्युमीनियम (हांगकांग) लि. की निर्यात बिक्रियां सीआईएफ/एफओबी/सीएनएफ आधार पर हैं और टीटी/एलसी/सीओडी शर्तों पर हैं। कंपनी ने फैक्ट्री से बाहर निर्यात मूल्य प्राप्त करने के लिए समायोजन हेतु अंतर्देशीय परिवहन और समुद्री माल-भाड़ा, पत्तन, रख-रखाव प्रभारों, क्रेडिट व्यय और बैंक प्रभारों, जहां लागू हैं, के लिए व्यय का दावा किया है। उर्युक्त निर्यातों और/अथवा उत्पादकों का पाटन मार्जिन उनके प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष निर्यातों के लिए पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाए अनुसार निकाला गया है।

झेजियांग झौंगजिन एल्युमीनियम इंडस्ट्रीज कं. लि. का निर्यात मूल्य

77. प्रत्युत्तर की जांच के दौरान यह नोट किया गया था कि उपरोक्त उत्पादक/निर्यातक ने पीओआई के दौरान, भारत के लिए *** मी. टन एल्युमीनियम फोयल का निर्यात किया।
78. कंपनी ने फैक्ट्री से बाहर निर्यात मूल्य प्राप्त करने के लिए समायोजन हेतु अंतर्देशीय परिवहन और समुद्री माल-भाड़ा, पत्तन, रख-रखाव प्रभारों, क्रेडिट व्यय और बैंक प्रभारों, जहां लागू हैं, के लिए व्यय का दावा किया है। उपर्युक्त निर्यातों और/अथवा उत्पादकों का पाटन मार्जिन उनके प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष निर्यातों के लिए पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाए अनुसार निकाला गया है।

जियांग्सु अल्चा एल्युमीनियम कं. लि., चीन (उत्पादक) और अल्चा इंटरनेशनल होल्डिंग्स लि., हांगकांग (निर्यातक) का निर्यात मूल्य

79. कंपनी के द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों/सूचना का प्राधिकारी के द्वारा विश्लेषण किया गया था। यह नोट किया है कि इस ग्रुप के द्वारा निर्यात की गई संबद्ध वस्तुओं के संबंध में प्राधिकारी साथ सहयोग उल्लिखित अपवर्जन के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत है। यह निम्नानुसार है:

रेडिएटर, चार्ज एयर कूलर, कंडेंसर, ऑयल कूलर, हीटर कोर, इवोपोरेटर, हीट वेंटीलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) सिस्टम और उनके पुर्जों सहित हीट एक्सचेंजर्स में उपयोग करने के लिए टैरिफ शीर्षक 7607 के अंतर्गत आने वाले 35 एमपीए से अधिक क्षमता के पोस्ट ब्लेजिंग सहित एल्युमीनियम मैंगनीज – क्लैड एल्युमीनियम और/अथवा सिलीकॉन आधारित सिलीकॉन – मैंगनीज सिलीकॉन आधारित अयस्क, चाहे क्लैड हो अथवा अनक्लैड हो।

वर्तमान जांच करने के लिए यह विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर है। इसलिए जियांग्सु अल्चा एल्युमीनियम कं. लि., चीन (उत्पादक) और अल्चा इंटरनेशनल होल्डिंग्स लि., हांगकांग (निर्यातक) द्वारा दायर किए गए प्रश्नावली प्रत्युत्तर में भरी सूचना वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्रासंगिक नहीं है और इसके लिए कोई निर्यात मूल्य निर्धारित नहीं किया गया है।

झेजियांग जीकेओ न्यू मैटेरियल कं. लि. का निर्यात मूल्य

वर्तमान जांच में "झेजियांग जीकेओ न्यू मैटेरियल कं. लि." ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है।

यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी के द्वारा कई अवसर दिए जाने के बावजूद निर्यातक अपनी निर्यातक प्रश्नावली में कई प्रासंगिक सूचना उपलब्ध कराने में असमर्थ रहे। इसके अलावा, एक संबद्ध कंपनी नामतः *** (इसके बाद एल्युमीनियम स्टॉक) संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री के कार्य में लगी है। निर्यातक ने यह दावा किया कि संबद्ध कंपनी, "एल्युमीनियम स्टॉक" ने पीओआई के दौरान भारत को लिए उत्पाद का निर्यात नहीं किया है। तथापि, निर्यातक द्वारा इसे प्रमाणित करने के लिए कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है। प्रौद्योगिकी यह नोट करते हैं कि प्राधिकारी के द्वारा कई अवसर दिए जाने के बावजूद निर्यातक ने प्रासंगिक सूचना दायर नहीं की है। परिणामस्वरूप, और उपरोक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अलग-अलग निर्यात मूल्य निर्धारित नहीं करते हैं और जेजियांग जीकेओ न्यू मैटेरियल कं. लि., चीन गणराज्य के लिए अलग से मार्जिन स्वीकृत नहीं करते हैं।

चीन जनवादी गणराज्य से सभी अन्य उत्पादक/निर्यातक

80. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जनवादी गणराज्य से किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। चीन जनवादी गणराज्य के सभी असहयोगी उत्पादक/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी मार्जिन सारणी में यथा दर्शाई सबसे अच्छी उपलब्ध सूचना के आधार पर उनके निर्यात मूल्य का निर्धारण किया।

च. पाटन मार्जिन का निर्धारण

81. पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारत के निर्यात मूल्य (निर्यातक के द्वारा दावे किए गए तथा प्राधिकारी के द्वारा स्वीकृत किए गए सभी समायोजनों का निवल) की तुलना सामान्य मूल्य के साथ की गई है। संबद्ध देश से सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पीओआई के दौरान पाटन मार्जिन नीचे दी गई सारणी में उपलब्ध किए अनुसार निर्धारित किया गया है:

तालिका-3

| पाटन मार्जिन सारणी | | | | | |
|--|--|---------------|---------------|--------------|----------------|
| उत्पादक | निर्यातक | सामान्य मूल्य | निर्यात मूल्य | पाटन मार्जिन | पाटन मार्जिन % |
| झेजियांग झोंगजिन एल्युमीनियम इंडस्ट्री कं. लि. | झेजियांग झोंगजिन एल्युमीनियम इंडस्ट्री कं. लि. | *** | *** | *** | 50-60 |
| मै. किंगदाओ लोफ्टन एल्युमीनियम फोयल कं. लि. | मै. लोफ्टन एल्युमीनियम (हांगकांग) लिमिटेड | *** | *** | *** | 50-60 |
| मै. लोफ्टन एन्वायरनमेंटल टेक्नोलॉजी कं. लि. | | | | | |
| मै. हांगझाओ फाइव स्टार एल्युमीनियम कं. लि. | हांगझाओ डिगहेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., डिगहेंग एल्युमीनियम इंडस्ट्रीज (हांगकांग) ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड | *** | *** | *** | 20-30 |
| मै. जिनाग्सु डिगहेंग न्यू मैटेरियल्स ज्वाइंट स्टॉक कं. लि. | मै. जिनाग्सु डिगहेंग न्यू मैटेरियल्स ज्वाइंट स्टॉक कं. लि. | | | | |
| मै. हांगझाओ डिगहेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. | | | | | |
| अविशिष्ट अन्य | | *** | *** | *** | 60-70 |

छ. क्षति और कारणात्मक संबंध**निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों के अनुरोध**

82. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- याचिकाकर्ता की वास्तविक उत्पादन क्षमता और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आकड़ों के बीच अंतर है। आधार वर्ष 2011-12 में याचिकाकर्ता की क्षमता 100 बिंदु से बढ़कर जाँच अवधि के दौरान 114 हो गई है।
- घरेलू उद्योग ने गैर पीयूसी का उत्पादन करके अपनी क्षमता का काफी हद तक उपयोग किया है और उसकी घोषणा नहीं की है। घरेलू उद्योग ने काफी हद तक अपनी क्षमता का उपयोग किया प्रतीत होता है परंतु उसकी घोषणा नहीं की गई है।
- याचिकाकर्ता आयातों के कारण उन्हें हुई किसी क्षति को सिद्ध करने में विफल रहा है। उनके स्वयं के आकड़े दर्शाते हैं कि वे घरेलू मांग को पूरा करने की क्षमता नहीं रखते हैं।
- निर्यातकों की संबद्ध वस्तु की उत्पादन प्रक्रिया और घरेलू उद्योग की प्रक्रिया के बीच अंतर है जिससे उत्पादन लागत *** भारतीय रुपया(आईएनआर)/मी.टन बढ़ जाती है। हिंडाल्को से उनके आकड़े मांगे जा सकते हैं क्योंकि उनका संयंत्र नया और हाई-टेक है।
- मांग और आपूर्ति में भारी अंतर है। यदि उद्योग 100 प्रतिशत क्षमता उपयोग पर भी चलता है तो भी वह उद्योग की मांग को पूरा नहीं कर पाएगा। मांग लगातार बढ़ रही है उसमें आधार वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और उद्योग बढ़ी हुई मांग

को पूरा करने में असमर्थ है। मांग आगामी वर्षों में और बढ़ेगी। इसलिए घरेलू उद्योग में वस्तुओं के उपलब्ध नहीं होने के कारण आयात किए गए हैं। यदि घरेलू उद्योग पूरी क्षमता पर भी कार्य करे तो भी वह घरेलू उद्योग कुल मांग का केवल *** ही पूरा कर पाएगा। पीओआई के दौरान मांग-पूर्ति का अंतर *** प्रतिशत रहा था।

- vi. घरेलू उद्योग क्षति अवधि के दौरान निरंतर आधार पर बाजार में अपना हिस्सा बनाये रहा है क्योंकि वह 2011-12 में 21.70 प्रतिशत था और पीओआई के दौरान वह 21.02 प्रतिशत था जिसमें मामूली गिरावट आई है। यह भी बताया गया है कि घरेलू उद्योग अंतिम प्रयोक्ताओं द्वारा यथा अपेक्षित गुणवत्ता और तकनीकी विनिर्देशनों के अनुसार संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने में विफल रहा है। अंतः आयातकों को उसका आयात करना पड़ा है।
- vii. यह स्पष्ट है कि उत्पादन की मात्रा के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। कीमत संबंधी कोई प्रभाव नहीं है।
- viii. आयात कीमत निरंतर बढ़ रही है और कच्ची सामग्री आदि की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण उसमें मामूली गिरावट आई है। घरेलू उद्योग को इसके कारण कोई क्षति नहीं हुई है। कीमत कटौती का निर्धारण निराधार है क्योंकि वह कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट में दर्शाये गए वित्तीय परिणामों के विरोधाभासी है।
- ix. कम कीमत पर बिक्री संबंधी विश्लेषण को घरेलू उद्योग को हो रही क्षति के निर्धारण के कारक के रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकता है। वह संगत तब होता है जब निर्धारित हो कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है और शूलक की राशि निर्धारित की जानी है।
- x. कोई कीमत ह्रास या कीमत न्यूनीकरण नहीं हुआ है क्योंकि घरेलू उद्योग का उत्पादन और बिक्री नियमित रूप से बढ़ रही है और कंपनियों के वित्तीय परिणामों में तर्कसंगत लाभ दर्शाया गया है। इसके अलावा प्रदत्त आकड़ों में छेड़छाड़ की गई है।
- xi. चीन जन. गण. से निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत निर्धारित करते समय निराधार समायोजन किए गए हैं। निर्यातक के वास्तविक आकड़ों पर प्राधिकारी द्वारा विचार किया जाना चाहिए।
- xii. घरेलू उद्योग को क्षमता उपयोग, उत्पादन और घरेलू बिक्री के कारण कोई क्षति नहीं हुई है। उद्योग की लाभप्रदता में आंतरिक कारणों की वजह से कमी आई है। लाभप्रदता में गिरावट को मूल्यह्रास लागत, आंतरिक व्यय और याचिकाकर्ता के नीतिगत निर्णय से संबंधित हैं। यदि क्षति उच्च मूल्यह्रास लागत की वजह से हुई है तो शूलक नहीं लगाया जा सकता है। सभी कंपनियों के अलग-अलग विश्लेषण से यह स्पष्ट हो जाता है कि सभी कंपनियों ने अपने मूल्यह्रास को बढ़ा-चढ़ाकर बताया है।
- xiii. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता के मुकाबले लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय को तथ्यों को तोड़-मरोड़कर ज्ञात किया गया है जैसा कि उनकी संबंधित वार्षिक रिपोर्टों से प्रदर्शित हो रहा है।
- xiv. घरेलू उद्योग ऋणात्मक कार्य निष्पादन कर रहा है चाहें शूलक लागू हों अथवा नहीं। इससे कुछ आंतरिक समस्याओं का पता चलता है। कोई न कोई कारण अवश्य होगा कि कंपनी को फोइल क्षेत्र में घाटा क्यों हो रहा है।
- xv. पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का अभाव है।
- xvi. हिंडालको इंडस्ट्रीज को अलुमिनियम श्रृंखला में इनगाट से शुरू होकर पीयूसी तक अनेक प्रभाव प्राप्त हुए हैं। ऐसी संभावना है कि हिंडालको पीयूसी की कीमत को इनगाट से शीट स्तर आदि तक अंतरित कर रहा है। इसलिए इनगाट या शीट डिब्बीजन के बजाय पीयूसी में घाटा दिखा सकता है। इसलिए क्षति का दावा विवादास्पद है।
- xvii. अनेक उपभोक्ता अलुमिनियम कंटेनर का उपयोग छोड़कर प्लास्टिक कंटेनर का उपयोग करने लगे हैं इसलिए इसे क्षति के लिए निर्धारित नहीं किया जा सकता है।
- xviii. घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आकड़े विकृत और त्रुटिपूर्ण हैं ताकि सीओपी, एनएसआर और लाभप्रदता और कीमत प्रभाव दर्शाए जा सकें।
- xix. घरेलू उद्योग की विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन प्रक्रिया निर्यातकों की तुलना में अलग है।
- xx. घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंडों में कोई कमी नहीं आई है। बिक्री, उत्पादन और बिक्री मूल्य में कोई कमी नहीं आई है। क्षमता और क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है। निवल स्थिर परिसम्पत्ति में भारी वृद्धि हुई है परंतु तथापि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 2013-14 में क्षमता में संगत वृद्धि नहीं हुई है।
- xxi. स्टाक/मालसूची, रोजगार और मजदूरी और वृद्धि - इन मापदंडों की वजह से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। बजाय इसके, घरेलू उद्योग ने स्वयं ही 2013-14 के दौरान अपनी स्थापित क्षमता में 59,281 मी.टन से मी.टन की कमी की है।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

83. घरेलू उद्योग ने क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- i. संबद्ध देश से आयात आधार वर्ष के बाद से काफी बढ़ गए हैं। संबद्ध देश से आयात मात्रा अन्य देशों से आयातों की तुलना में बढ़ गई है और भारतीय उत्पादन की तुलना में भी इसमें वृद्धि हुई है।
- ii. चूंकि अल्मुनियम फोइल के विभिन्न प्रकारों के बीच लागत और कीमत में काफी अंतर होता है इसलिए याचिकाकर्ताओं ने भारत में आयातित प्रत्येक प्रकार की संबद्ध वस्तु के लिए अलग-अलग कीमत कटौती निर्धारित की है। भारत औसत आयात कीमत (मूल सीमाशुल्क को जोड़ने के बाद) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है जिसके परिणामस्वरूप भारी कीमत कटौती हुई है।
- iii. संबद्ध वस्तु के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों पर ह्रासकारी प्रभाव पड़ रहा है।
- iv. विचाराधीन उत्पाद की मांग घरेलू उद्योग की उत्पादन की और बिक्री की क्षमता से काफी अधिक है। अंतः घरेलू उद्योग को काफी उच्च स्तर का क्षमता उपयोग प्राप्त कर लेना चाहिए था। तथापि, घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग देश में उत्पाद के पाटन के कारण काफी निम्न स्तर पर रहा था। इसके अलावा घरेलू उद्योग द्वारा जो भी मात्रा बेची गई, उसे भी काफी घाटे वाली कीमतों पर बेचना पड़ा है। घरेलू उद्योग को मात्रा और कीमत दोनों प्रतिकूल प्रभाव का सामना करना पड़ रहा है।
- v. भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में इस अवधि के दौरान भारी गिरावट आई है। इसके अलावा कुल आयातों में अन्य देशों के बाजार हिस्से में क्षति अवधि के दौरान भी कमी आई है। मांग में वृद्धि और नई क्षमता की शुरुआत के बावजूद घरेलू उद्योग अपना बाजार हिस्सा बढ़ाने में असमर्थ रहा है।
- vi. घरेलू उद्योग को 2012-13 से वित्तीय घाटे उठा रहा है और ऐसे घाटे पाटित आयातों में वृद्धि के साथ बढ़ रहा है। पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के नकद लाभ प्रतिकूलतः प्रभावित हो रहे हैं। नकद लाभ में कुछ समय में इतनी गिरावट आई है कि घरेलू उद्योग को पीओआई के दौरान भारी नकद घाटा उठाना पड़ रहा है। नियोजित पूंजी पर आय में भारी कमी आई है और 2012-13 के बाद से वह ऋणात्मक हो गई है। पीओआई में आय में भारी गिरावट आई है।
- vii. लाभ में गिरावट मूल्यहास और ब्याज लागत में वृद्धि से काफी अधिक है। इसके अलावा, यह समझा नहीं गया है कि मूल्यहास और ब्याज लागतों में वृद्धि को "अन्य कारकों" की श्रेणी में कैसे वर्गीकृत किया जा सकता है। दूसरी ओर, उपभोक्ताओं ने यह दलील दी है कि ब्याज लागत और मूल्यहास बढ़ गया है। यदि उद्योग के पास पुराना संयंत्र होता तो यह स्वाभाविक था कि उसे बदलने में मूल्यहास और ब्याज लागत में वृद्धि होगी।
- viii. घरेलू उद्योग के पास विचाराधीन उत्पाद की मालसूची का स्तर काफी मात्रा में है जो क्षति अवधि में काफी अधिक बढ़ गया है।
- ix. संबद्ध देश का पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन दोनों न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक बल्कि काफी अधिक है।
- x. पीयूसी की उत्पादन सुविधा का उपयोग अन्य उत्पादों के निर्माण में नहीं किया जा सकता है। जहां तक विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन सुविधाओं का संबंध में ये वास्तव में समर्पित उत्पादन सुविधाएं हैं।
- xi. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह दलील देते हुए कोई सत्यापन योग्य सूचना नहीं दी गई है कि निर्यातक की उत्पादन प्रक्रिया और घरेलू की प्रक्रिया अलग-अलग है। इसके अलावा यह सिद्ध करने के लिए कोई सत्यापन योग्य सूचना प्रदान नहीं की गई है कि कथित अंतर का अर्थ उत्पादन लागत में *** पीएमटी का अंतर होना है। यह विवरण बिना किसी सत्यापन योग्य सूचना/साक्ष्य के मान्यताओं और कल्पनाओं पर आधारित है।
- xii. कानून का यह सुस्थापित सिद्धांत है कि घरेलू उद्योग को उसकी मौजूदा स्थिति में देखा जाना चाहिए।
- xiii. वार्षिक रिपोर्ट में विचाराधीन उत्पाद की सूचना नहीं दी गई है बल्कि उसमें समग्र रूप से कंपनी का कार्य निष्पादन दर्शाया गया है जिसमें अन्य उत्पाद शामिल हैं और इस प्रकार उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। याचिकाकर्ताओं ने प्राधिकारी को वास्तविक आकड़े उपलब्ध कराए हैं जिनका पर्याप्त और समुचित रूप से प्राधिकारी द्वारा सत्यापन किया जा सकता है।
- xiv. हितबद्ध पक्षों के इस दावे के संबंध में कि इस बात की संभावना है कि हिंडालको विचाराधीन उत्पाद की अपनी कीमत को इनगट से शीट स्तर आदि को अंतरित कर रहा है, प्राधिकारी कंपनी द्वारा रखे गए रिकार्डों पर विचार करेंगे। यदि कंपनी द्वारा रखे गए रिकार्ड उत्पादन लागत पर आधारित होंगे तो प्राधिकारी उन पर तर्कसंगत लाभ की अनुमति देंगे।
- xv. अब तक यह सुस्थापित सिद्धांत है कि मांग-पूर्ति का अंतर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाने का आधार नहीं है। पाटनरोधी शुल्क निर्यातकों द्वारा की गई अनुचित व्यापार प्रक्रिया के विरुद्ध लगाया जाता है और उसका उद्देश्य घरेलू उद्योग को समान अवसर प्रदान करना है। वह व्यापार को प्रतिबंधित नहीं करता है। इसके अलावा जैसा पहले बताया गया है कि घरेलू उद्योग सभी प्रकार के अल्मुनियम फोइल का उत्पादन और आपूर्ति कर रहा है। इस प्रकार पीयूसी से किसी उत्पाद को बाहर रखना और तत्पश्चात आयात आकड़ों से बाहर रखने का प्रश्न नहीं उठता है।

- xvi. याचिका स्पष्ट रूप से सिद्ध करती है कि आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है और यह कि आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास और न्यूनीकरण कर रहे हैं। यद्यपि इस अवधि में उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है तथापि आयात कीमत में पीओआई में कमी आई है। इसके अलावा यद्यपि 2013-14 तक आयात कीमत में वृद्धि हुई है तथापि आयात कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से काफी कम रही है।
- xvii. ब्याज, मूल्यह्रास या ऐसी किसी अन्य लागत में वृद्धि या कमी की कंपनी द्वारा उसकी बिक्री कीमत बढ़ाने की क्षमता या अक्षमता के संबंध में कोई प्रासंगिकता नहीं है। यद्यपि मूल्यह्रास और ब्याज लागत में वृद्धि कंपनी को कीमत बढ़ाने को बाध्य करती है तथापि उससे उसकी क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। कीमत को घटाने या बढ़ाने की क्षमता देश में उत्पाद के पाटन पर निर्भर करती है और न कि ब्याज, मूल्यह्रास या ऐसी किसी अन्य लागत में वृद्धि या कमी पर।
- xviii. प्राधिकारी कम कीमत पर बिक्री को क्षति का एक प्रमुख कारक मानते हैं। इसके अलावा जैसा हितबद्ध पक्षों ने बताया है कम कीमत पर बिक्री की गणना शुल्क की राशि अर्थात् पाटित आयातों के कारण हुई क्षति की भरपाई करने के लिए अपेक्षित राशि के निर्धारण के लिए अपेक्षित है। इस प्रकार, इस गणना से वास्तव में उद्योग को हुई क्षति दर्शाई गई है। इस प्रकार सकारात्मक कम कीमत पर बिक्री दर्शाती है कि घरेलू उद्योग को वास्तव में क्षति हुई है। अन्य क्षेत्राधिकार भी इस मापदंड को घरेलू उद्योग को हुई क्षति को निर्धारित करने वाला मापदंड मानते हैं।
- xix. पीओआई में याचिकाकर्ताओं द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन *** है। इस प्रकार सीमाशुल्क में *** की वृद्धि के सिद्धांत का अर्थ अनुपातिक रूप से क्षति मार्जिन में कमी होना है। फिर भी क्षति मार्जिन काफी अधिक बना हुआ है।
- xx. योग्यता संबंधी अपेक्षा को पूरा करने के लिए यह दर्शाया जाना अपेक्षित है कि आवेदन को ऐसे उत्पादकों को समर्थन प्राप्त है जिनका संचयी उत्पादन भारत में कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत से अधिक बनता है। प्राधिकारी का योग्यता पर विचार में पीजी फोइल के उत्पादन में हिस्से पर विचार करना सही है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

84. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध को नोट किया है। प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुसार और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जाँच की है।
85. याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रदत्त आकड़ों और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आकड़ों में अंतर के तर्क के संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी के निष्कर्ष सत्यापित आकड़ों पर आधारित हैं। इसके अलावा, सार्वजनिक विवरण प्राधिकारी द्वारा सत्यापित आकड़ों पर आधारित निष्कर्ष को बदल नहीं सकते हैं।
86. उत्पादन प्रक्रिया में अंतर संबंधी अनुरोध के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि प्रयुक्त प्रक्रिया में अंतर तब तक अलग उत्पाद नहीं बनाती है जब तक परिणामी ग्रेड अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं की दृष्टि से अलग न हों। यह भी नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाते समय आदर्श स्थिति पर विचार न करके घरेलू उद्योग की विशिष्ट परिस्थितियों में विचार करना होता है।
87. क्षति की गैर-मौजूदगी के संबंध में, इसमें किया गया क्षति विश्लेषण स्वतः स्पष्ट यह सिद्ध करता है कि पाटन से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
88. इस तर्क के संबंध में याचिकाकर्ता कंपनियां गैर-पीयूसी के उत्पादन के अलग क्षमताओं का उपयोग कर रही है यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी द्वारा किए गए सत्यापन के दौरान यह पाया गया कि संबंधित उत्पाद के उत्पादन के लिए क्षमताएं समर्पित हैं। इसलिए हितबद्ध पक्ष का तर्क गलत है।
89. मूल सीमाशुल्क में अतिरिक्त संरक्षण में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि के तर्क के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य आम तौर पर पाटन की अनुचित प्रथाओं के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके। सीमाशुल्क में वृद्धि को देश में पाटन की अनुचित व्यापार प्रथा की अनुमति देने का आधार नहीं माना जा सकता है।
90. प्लास्टिक कंटेनर की मांग में परिवर्तन के तर्क के संबंध में यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पादन की मांग में क्षति अवधि के दौरान काफी वृद्धि की है।
91. इस तर्क के संबंध में कि अन्य उत्पादों के कारण घाटा हुआ है प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों की कार्य निष्पादन घरेलू उद्योग के प्राधिकारी द्वारा कार्य निष्पादन के आकलन को प्रभावित नहीं करता है। प्राधिकारी द्वारा केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में विचार किया गया है।
92. इस तर्क के संबंध में ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव ब्याज और मूल्यह्रास में वृद्धि के कारण हुआ है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने मूल्यह्रास और ब्याज में वृद्धि के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए विश्लेषण की कार्यवाई की है। यह पाया गया था कि संबद्ध देश से आयात अब भी घरेलू कीमतों का ह्रास और न्यूनीकरण कर रहे हैं।

93. इसके अलावा, कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट जैसे सार्वजनिक विवरण इस निष्कर्ष को नहीं बदलते हैं कि उत्पाद के पाटन से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

94. इस अनुरोध के संबंध में कि अलग क्षति विश्लेषण की आवश्यकता है प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुसार क्षति घरेलू उद्योग के लिए समग्र रूप में निर्धारित की जानी चाहिए। इस तर्क के संबंध में कि लाभप्रदता ब्याज और मूल्यहास में वृद्धि के कारण हुई है यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने मूल्यहास और ब्याज में वृद्धि के प्रभाव के आकलन के बाद विश्लेषण किया है। यह पाया गया है कि संबद्ध देश से आयात घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं।

95. क्षति और कारणात्मक संबंध के संबंध में जाँच की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा उन्हें संगत समझे जाने पर उनकी जाँच और समाधान निम्नानुसार किया गया है :

96. पाटनरोधी नियमावली में प्राधिकारी के लिए मात्रा और कीमत दोनों प्रभावों की जाँच करके क्षति की जाँच करना अपेक्षित है। क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव, एवं (ख) ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जाँच का प्रावधान है। जहां तक पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जाँच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कि पाटित के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह जाँच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती।

97. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है:

"(iv) संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जाँच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"

98. ऐसा जरूरी नहीं है कि क्षति के सभी मापदंड विकृति दर्शाएं। कुछ मापदंड विकृति दर्शा सकते हैं जबकि कुछ सुधार दर्शा सकते हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी क्षति संबंधी सभी मापदंडों पर विचार करते हैं और उसके बाद निष्कर्ष निकालते हैं कि क्या घरेलू उद्योग को पाटन के कारण क्षति हुई है अथवा नहीं। प्राधिकारी ने अनुरोधों में दिए गए तथ्यों और तर्कों पर विचार करते हुए क्षति संबंधी मापदंडों की वस्तुनिष्ठ जाँच की है।

99. प्राधिकारी नोट करते हैं कि व्यवहार्य सीमा तक समान वस्तु के संबंध में सूचना प्रदान की गई है और वह अलग उपलब्ध है। चूंकि कुछ याचिकाकर्ता कंपनियां बहु-उत्पाद कंपनियां हैं इसलिए प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पादन के संबंध में सूचना और याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा रखे गए रिकार्डों के आधार पर भरोसा किया है। इस संबंध में प्रकाशित याचिकाकर्ता कंपनियों के वित्तीय परिणामों की कोई प्रासंगिकता नहीं है क्योंकि यह सूचना केवल विचाराधीन उत्पाद से संबंधित नहीं है बल्कि इन कंपनियों के समग्र कार्यनिष्पादन से संबंधित है।

मांग का आकलन

100. भारत में विचाराधीन उत्पाद की मांग को भारतीय उत्पादकों की बिक्रियों और सभी स्रोतों से आयात के योग के रूप में निर्धारित किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

तालिका-4

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | वार्षिकीकृत पीओआई |
|---------------------------------|----------|---------|---------|---------|-------------------|
| घरेलू उद्योग की बिक्रियां | मी.टन | 14,259 | 12,737 | 12,551 | 16,037 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 89 | 88 | 112 |
| अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री | मी.टन | 13,446 | 12,552 | 13,500 | 14,892 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 93 | 100 | 111 |

| | | | | | |
|-------------------|----------|--------|--------|--------|---------|
| कुल घरेलू बिक्री | मी.टन | 27,705 | 25,289 | 26,051 | 30,929 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 91 | 94 | 112 |
| आयात - संबद्ध देश | मी.टन | 37,953 | 40,740 | 45,499 | 60,911 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 107 | 120 | 160 |
| आयात - अन्य देश | मी.टन | 13,182 | 7,316 | 8,349 | 8,284 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 56 | 63 | 63 |
| कुल मांग | मी.टन | 78,839 | 73,345 | 79,899 | 100,124 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 93 | 101 | 127 |

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

आयात मात्रा और बाजार हिस्सा

101. पाटित आयातों के मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की आयात मात्रा का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है:

तालिका-5

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | वार्षिकीकृत पीओआई |
|--|----------|---------|---------|---------|-------------------|
| आयात मात्रा | | | | | |
| संबद्ध देश - चीन | मी.टन | 37,953 | 40,740 | 45,499 | 60,911 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 107 | 120 | 160 |
| अन्य देश | मी.टन | 13,182 | 7,316 | 8,349 | 8,284 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 56 | 63 | 63 |
| कुल आयात | मी.टन | 51,134 | 48,056 | 53,848 | 69,195 |
| बाजार हिस्सा | | | | | |
| संबद्ध देश - चीन | % | 74 | 85 | 84 | 88 |
| अन्य देश | % | 26 | 15 | 16 | 12 |
| कुल आयात | % | 100 | 100 | 100 | 100 |
| मांग के संबंध में संबद्ध देश से आयात | % | 48 | 56 | 57 | 61 |
| भारतीय उत्पादन के संबंध में संबद्ध देश से आयात | % | 97 | 108 | 115 | 144 |

102. यह नोट किया जाता है कि

- संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में क्षति अवधि के दौरान समग्र रूप से वृद्धि हुई है।
- संबद्ध देश से आयात भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल आयातों के संबंध में वृद्धि हुई है।

iii. संबद्ध देश से आयात क्षति अवधि के दौरान भारत में उत्पादन और खपत की दृष्टि से बढ़ गये हैं।

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

कीमत कटौती

103. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमत को काफी अधिक कम करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा काफी उच्च स्तर तक बढ़ गई होती।

104. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या प्राधिकारी ने आयात की पंहुच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से की है। इस संबंध में उत्पाद के पंहुच मूल्य और घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच व्यापार के समान स्तर पर सभी छूटों और करों के निवल रूप में तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमत कारखाना द्वार स्तर पर निर्धारित की गई थी। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न प्रकारों की कीमतों में भारी अंतर है। इसलिए प्राधिकारी ने तुलनीय किस्मों की घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की आयातों के पंहुच मूल्य के साथ तुलना की है। इस प्रकार, संबद्ध आयात मात्राओं पर विचार करने के बाद भारत औसत कीमत कटौती निर्धारित की गई है। तुलना से पता चला है कि जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देश के मूल की संबद्ध वस्तु भारतीय बाजार में ऐसी कीमतों पर आयात की गई जो घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम थी। इस प्रकार यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु के आयातों से घरेलू कीमतों में कटौती हुई है और कटौती का मार्जिन निम्नांकित तालिका के अनुसार दर्शाया गया है : आयातों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती की गई है।

तालिका-6

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | वार्षिकीकृत पीओआई |
|----------------------|-------------|---------|---------|---------|-------------------|
| आयातों की पंहुच कीमत | रू./किग्रा. | 190.68 | 205.47 | 213.84 | 209.33 |
| प्रवृत्ति | | 100 | 108 | 112 | 110 |
| निवल बिक्री प्राप्ति | रू./किग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 100 | 101 | 102 |
| कीमत कटौती | रू./किग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | | 100 | 31 | 3 | 38 |
| कीमत कटौती | % | *** | *** | *** | *** |
| कीमत कटौती | % रेंज | 10-20 | 0-10 | 0-10 | 0-10 |

कम कीमत पर बिक्री

105. प्राधिकारी ने चीन जन. गण. से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा की गई कम कीमत पर बिक्री की भी जाँच की है। इस प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत की तुलना उत्पाद की प्रत्येक किस्म की पंहुच कीमत के साथ की गई है। घरेलू उद्योग की भारत औसत क्षतिरहित कीमत की तुलना आयातों की भारत औसत पंहुच कीमत के साथ करने पर निम्नानुसार पता चला है :

तालिका-7

| विवरण | इकाई | राशि रू. में |
|----------------------|-------------|--------------|
| | | चीन जन. गण. |
| आयातों की पंहुच कीमत | रू./किग्रा. | 209.33 |
| क्षतिरहित कीमत | रू./किग्रा. | *** |

| | | |
|----------------------|-------------|-------|
| कम कीमत पर बिक्री | रू./किग्रा. | *** |
| आयातों की पंहुच कीमत | डा./किग्रा. | 3.37 |
| क्षतिरहित कीमत | डा./किग्रा. | *** |
| कम कीमत पर बिक्री | डा./किग्रा. | *** |
| कम कीमत पर बिक्री | % | *** |
| कम कीमत पर बिक्री | % रेंज | 20-30 |

यह देखा गया है कि चीन से संबद्ध वस्तु की पंहुच कीमत घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित एनआईपी से काफी कम है।

कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

106. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयातों से घरेलू कीमतों में ह्रास या न्यूनीकरण हो रहा है और क्या ऐसे आयातों की कीमत में भारी कमी की गई है अथवा जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान लागत और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया है। इस स्थिति को नीचे तालिका के अनुसार दर्शाया गया है :

तालिका-8

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | वार्षिकीकृत पीओआई |
|----------------------|-------------|---------|---------|---------|-------------------|
| आयातों की पंहुच कीमत | रू./किग्रा. | 190.68 | 205.47 | 213.84 | 209.33 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 108 | 112 | 110 |
| उत्पादन लागत | रू./किग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 111 | 132 | 132 |
| बिक्री कीमत | रू./किग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 100 | 101 | 102 |

यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की लागत में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है परंतु घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत लागत के अनुपात में नहीं बढ़ी है। इस प्रकार, आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कमी आई है और ऐसी कीमत वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा बढ़ गई होती।

ज. घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंड

107. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

108. तदनुसार, घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मापदंडों की निम्नानुसार जांच की गई है।

1. बिक्री, क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग

109. उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्यनिष्पादन निम्नानुसार रहा था :

क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री**तालिका -9**

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | वार्षिकीकृत पीओआई |
|-----------------|----------|---------|---------|---------|-------------------|
| स्थापित क्षमता | मी.टन | 34,000 | 53,031 | 36,754 | 36,754 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 156 | 108 | 108 |
| उत्पादन | मी.टन | 15,532 | 14,677 | 13,283 | 17,077 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 94 | 86 | 110 |
| क्षमता उपयोग | % | 46% | 28% | 36% | 46% |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 61 | 79 | 102 |
| घरेलू बिक्रियां | मी.टन | 14,259 | 12,737 | 12,551 | 16,037 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 89 | 88 | 112 |
| मांग | मी.टन | 78,839 | 73,345 | 79,899 | 100,124 |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 93 | 101 | 127 |

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई है। तथापि, उत्पादन और बिक्री में वृद्धि भारत में विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि से काफी कम है। भारत में विचाराधीन की मांग में उत्पादन और बिक्री में क्रमशः 10 प्रतिशत और 12 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में वृद्धि नहीं हो पाई है और उसमें आधार वर्ष से कोई वृद्धि नहीं हुई है।

II. मांग में बाजार हिस्सा

111. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की निम्नानुसार जाँच की गई है:

तालिका-10

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | वार्षिकीकृत पीओआई |
|-----------------------------|------|---------|---------|---------|-------------------|
| घरेलू उद्योग | % | 18 | 17 | 16 | 16 |
| अन्य भारतीय उत्पादक | % | 17 | 17 | 17 | 15 |
| समग्र रूप से भारतीय उत्पादक | % | 35 | 34 | 33 | 31 |
| संबद्ध देश | % | 48 | 56 | 57 | 61 |
| अन्य देश | % | 17 | 10 | 10 | 8 |

112. यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में मामूली गिरावट आई है जबकि संबद्ध देश के बाजार हिस्से में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में इस अवधि के दौरान काफी गिरावट आई है। इसके अलावा, अन्य देशों के बाजार हिस्से में भी क्षति अवधि में गिरावट आई है। चीन से सकारात्मक कीमत कटौती और बाजार हिस्से में

वृद्धि पर विचार करते हुए, यह निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में चीन जन. गण. से पाटित आयातों के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप कमी आई है।

III. लाभ/हानि, नकद प्रवाह, नियोजित पूंजी पर आय

113. घरेलू उद्योग के लाभ/हानि, नकद प्रवाह और निवेश पर आय का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है :

तालिका -11

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | वार्षिकीकृत पीओआई |
|-------------|------------|---------|---------|---------|----------------------|
| बिक्री लागत | रु/किग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 111 | 132 | 132 |
| बिक्री कीमत | रु/किग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 100 | 101 | 102 |
| लाभ/हानि | रु/किग्रा. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | -318 | -1,041 | -965 |
| लाभ/हानि | लाख रूपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | -280 | -908 | -1,078 |
| पीबीआईटी | लाख रूपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | -77 | -358 | -365 |
| नकद लाभ | लाख रूपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | -104 | -384 | -446 |
| निवेश पर आय | % | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | -23 | -81 | -102 |

114. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष में लाभ अर्जित किया है। तथापि, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में तत्पश्चात गिरावट आई है और घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हुआ है जिसमें पीओआई में वृद्धि हुई है। क्षति अवधि के दौरान निवेश पर आय में लाभ जैसी ही प्रवृत्ति रही है। ब्याज और कर पूर्व लाभ (पीबीआईटी) में ऋणात्मक स्तर तक गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के लिए निवेश पर आय (आरओआई) ऋणात्मक स्तर तक घट गए हैं। नकद लाभ में भी लाभ के समान ही प्रवृत्ति रही है। नकद लाभ में आधार वर्ष से गिरावट आई जिसमें जॉच अवधि में और कमी आई है।

IV. रोजगार और मजदूरी

115. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता के संबंध में स्थिति निम्नानुसार है:

तालिका-12

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | वार्षिकीकृत पीओआई |
|--------|------|---------|---------|---------|----------------------|
| रोजगार | सं. | *** | *** | *** | *** |

| | | | | | |
|--------------------------|-----------|-----|-----|-----|-----|
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 109 | 68 | 83 |
| मजदूरी | लाख रूपए | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 107 | 76 | 91 |
| प्रति कर्मचारी उत्पादकता | मी.ट./सं. | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 87 | 125 | 133 |

116. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर में 2013-14 में गिरावट आई है और जाँच अवधि के दौरान उसमें वृद्धि हुई है। प्रदत्त मजदूरी में भी वही प्रवृत्ति रही है। घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

V. मालसूची

117. संबद्ध देशों की माल सूची से संबंधित आकड़े नीचे तालिका में दर्शाए गए हैं :

तालिका-13

| विवरण | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | वार्षिकीकृत पीओआई |
|-----------|----------|---------|---------|---------|-------------------|
| आरंभिक | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| अंतिम | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| औसत | मी.टन | *** | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | सूचीबद्ध | 100 | 284 | 475 | 521 |

118. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की मालसूची में पूरी क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। मालसूची में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान लगभग 500 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

VI. वृद्धि

तालिका-14

| आधार वर्ष से वृद्धि | इकाई | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | वार्षिकीकृत पीओआई |
|---------------------|-------------|---------|---------|---------|-------------------|
| उत्पादन | मी.टन | - | -855 | -2,249 | 1,545 |
| प्रवृत्ति | % | - | -6 | -14 | 10 |
| घरेलू बिक्री मात्रा | मी.टन | - | -1,661 | -1,806 | 1,663 |
| प्रवृत्ति | % | - | -12 | -13 | 12 |
| बिक्री लागत | रू./किग्रा. | - | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | % | - | 11 | 32 | 32 |

| | | | | | |
|-------------|-------------|---|------|--------|--------|
| बिक्री कीमत | रू./किग्रा. | - | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | % | - | -0 | 1 | 2 |
| लाभ/हानि | रू./किग्रा. | - | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | % | - | -418 | -1,141 | -1,065 |
| निवेश पर आय | % | - | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | % | - | -123 | -181 | -202 |
| नकद लाभ | लाख रूपए | - | *** | *** | *** |
| प्रवृत्ति | % | - | -204 | -484 | -546 |

119. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन, घरेलू बिक्री के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि जाँच की अवधि के दौरान सकारात्मक थी। बिक्री कीमत, लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभ के संबंध वृद्धि देश में उत्पाद की मांग में सकारात्मक वृद्धि के बावजूद ऋणात्मक रही है। समग्र रूप से, घरेलू उद्योग की वृद्धि क्षति अवधि के दौरान ऋणात्मक रही है।

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

120. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में काफी कमी आई है जिससे पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता प्रभावित हुई है।

पाटन और पाटन मार्जिन का स्तर

121. यह नोट किया जाता है कि देश में संबद्ध वस्तु के आयात पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं और पाटन का मार्जिन काफी अधिक है।

VIII. कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

122. संबद्ध देश से आयात कीमतों, लागत संरचना में बदलाव, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों के अलावा अन्य कारक जिनकी वजह से घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतें प्रभावित हुई हैं की जाँच से पता चलता है कि संबद्ध देश से आयातित सामग्री का पंहुच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और क्षतिरहित कीमत से कम रहा है, जिससे भारतीय बाजार में भारी कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई है। इस प्रकार, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का पंहुच मूल्य घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला कारक है।

IX. क्षति संबंधी निष्कर्ष

123. यह देखा गया है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप से भारी वृद्धि हुई है। आयातों में भारत में उत्पाद के उपभोग और उत्पादन के संबंध में भारी वृद्धि हुई है। इस प्रकार आयातों में समग्र रूप से और भारत में उत्पादन और खपत की दृष्टि से वृद्धि हुई है। पाटित आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं। पाटित आयातों का कम कीमत पर बिक्री के अनुसार काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पाटित आयातों का प्रभाव ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना रहा है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। घरेलू उद्योग को कम कीमत पर काफी बिक्री करनी पड़ी है। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि चीन से पाटित आयातों से उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग, मालसूची, बाजार हिस्सा, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर बुरा प्रभाव पड़ा है। यद्यपि विचाराधीन उत्पाद की मांग क्षति अवधि के दौरान बढ़ी है तथापि उसका उत्पादन, बिक्री मात्रा, क्षमता उपयोग और बाजार हिस्से में मांग में वृद्धि के अनुपात में वृद्धि नहीं हुई है। घरेलू उद्योग की मालसूची में वृद्धि हुई है। इसके अलावा भारी कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर इतना बुरा प्रभाव पड़ा है कि घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को पीओआई के दौरान नकद घाटा और निवेश पर ऋणात्मक आय से नुकसान हुआ है। प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ट. कारणात्मक संबंध

124. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली में सूचीबद्ध ऐसे अन्य कारकों की जाँच की है जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति को बढ़ा सकते थे ताकि पाटन और घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जाँच की जा सके।

I. तीसरे देशों से आयात

125. प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त संबद्ध वस्तु के आयात आकड़ों की जाँच की है। यह नोट किया जाता है कि तीसरे देशों से आयात नगण्य हैं और उनसे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

II. मांग में संकुचन

126. क्षति अवधि के दौरान संबंधित उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई है। मांग में संभावित कमी से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

III. खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन

127. विचाराधीन उत्पाद की खपत की प्रवृत्ति में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं हुआ है। अतः खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

IV. व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं और विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

128. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं नहीं हैं जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।

V. प्रौद्योगिकी में विकास

129. संबंधित उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इस प्रकार प्रौद्योगिकी में विकास घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं हो सकता है।

VI. निर्यात कार्यानिष्पाद

130. घरेलू उद्योग के कार्यानिष्पादन और क्षति की जाँच यथासंभव घरेलू कार्यानिष्पादन के संबंध में की गई है। अतः घरेलू उद्योग के निर्यात कार्यानिष्पादन में संभावित विकृति घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं हो सकता है।

VII. अन्य उत्पादों के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्यानिष्पादन

131. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों ने प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग के आकलन को प्रभावित नहीं किया है। प्राधिकारी द्वारा केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में सूचना पर विचार किया गया है।

VIII. घरेलू उद्योग की उत्पादकता

132. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता ने उत्पादन के समान रुझान दर्शाया है। उत्पादन में कमी आना घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं है।

ठ. कारणात्मक संबंध सिद्ध करने वाले कारक

133. क्षतिअवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्यानिष्पादन के विश्लेषण से पता चलता है कि घरेलू उद्योग के कार्यानिष्पादन में संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण खराबी आई है। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध निम्नलिखित आधारों पर सिद्ध होता है :

- क) आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं। आयातों की मात्रा में काफी वृद्धि हुई है।
- ख) कीमत कटौती के कारण आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है और भारतीय उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।
- ग) देश में पाटित आयातों की मौजूदगी लागत में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव डाल रही है।
- घ) संबद्ध आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पाद की कम कीमत पर बिक्री करवा रहे हैं।
- ङ) लाभ, नियोजित पूंजी पर आय और नकद लाभ में कमी पाटित आयातों का प्रत्यक्ष प्रभाव रहा है।
- च) भारी कीमत कटौती के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में मांग में हुई वृद्धि के अनुपात में वृद्धि नहीं हुई है।
- छ) कीमत और मात्रा से संबंधित अनेक आर्थिकमापदंडों के अनुसार घरेलू उद्योग की वृद्धि ऋणात्मक हो गई है।

प्राधिकारी का यह मत है कि घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

ड. क्षति मार्जिन की मात्रा

134. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की निर्धारित क्षतिरहित कीमत की तुलना जाँच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देश से निर्यातों के पंचक मूल्य के साथ की गई है। निर्धारित क्षति मार्जिन निम्नानुसार है :-

तालिका-15

| क्षति मार्जिन तालिका | | | | | |
|---|--|--------|-------------|---------------|-----------------|
| उत्पादक | निर्यातक | एनआईपी | पहुंच मूल्य | क्षति मार्जिन | क्षति मार्जिन % |
| 1. झेजिआंग झोंगजिन अलुमिनियम इंडस्ट्री कं. लि. | 1. झेजिआंग झोंगजिन अलुमिनियम इंडस्ट्री कं. लि. | *** | *** | *** | 50-60 |
| 1. मै. किंगडाओ लाफ्टेन अलुमिनियम फोइल कं. लि. | 1. लाफ्टेन अलुमिनियम (हांग कांग) लिमिटेड | *** | *** | *** | 40-50 |
| 2. मै. लाफ्टेन इनवायरमेंटल टेक्नॉलाजी कं. लि. | | | | | |
| 1. मै. हेंगझू फाइव स्टार अलुमिनियम कं. लि., 2. मै. जियांगसू डिंगशेंग न्यू मैटेरियल ज्वाइंट स्टॉक कं. लि., 3. मै. हेंगझू डिंगशेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. | 1. हेंगझू डिंगशेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. 2. जियांगसू डिंगशेंग न्यू मैटेरियल ज्वाइंट स्टॉक कं. लि. 3. डिंगशेंग अलुमिनियम इंडस्ट्रीज (हांग कांग) ट्रेडिंग कंपनी लि. | *** | *** | *** | 20-30 |
| अन्य अवशिष्ट | | *** | *** | *** | 50-60 |

ढ. प्रकटीकरण पश्चात टिप्पणी

- 135 विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों अर्थात् घरेलू उद्योग झेजियांग जीकेओ न्यू मैटेरियल चाइना, स्वाम पैकेजिंग, बिलकेयर रिसर्च, झेजियांग जीकेओ न्यू मैटेरियल चाइना, इंडियन फ्लैक्सिबल पैकेजिंग एंड फोल्डिंग कार्टन मैनुफैक्चरर्स एसोशिएशन, हेन्गझोउ फाइव स्टार एल्युमीनियम कंपनी लि., जियांगसू डिंगसेंग न्यू मैटेरियल ज्वाइंट स्टॉक, हेंगझोउ डिंगशेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लि., डिंगसेंग एल्युमीनियम इंडस्ट्रीज (हांग कांग) ट्रेडिंग कंपनी लि., वीराम नेचुरल प्रोडक्ट्स, जियांगसू झोंगजी लेमीनेशन मैटेरियल कंपनी लि., मैससे झेजियांग झोंगजिन एल्युमीनियम इंडस्ट्री कंपनी लि., झेजियांग जीकेओ न्यू मैटेरियल चाइना, जियांगसू अल्चा एल्युमीनियम कंपनी लि., अल्चा इंटरनेशनल होल्डिंग्स लि., यूपी टिवगा फाइबरग्लास लि., महले बेहर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नागरीका इंडकॉन प्रोडक्ट्स (पी) लि., इंडिया ओवरसीज एक्सपोर्ट्स प्रा. लि., नागरीका सिंथेटिक प्रा. लि., नागरीका फॉइलस लि., इंटरनेशनल ट्रेडर्स, फ्लोरा इंडस्ट्रीज, स्क्राफ्ट प्रोडक्ट्स प्रा. लि., परपल इंकॉरपोरेशन, रॉकज्यू इम्पेक्स, किंगदाओ लॉफ्टन एल्युमीनियम फॉइल कं., लॉफ्टन एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजी कं. लि., लॉफ्टन एल्युमीनियम (हांगकांग) लि. और पॉलीकॉम एसोसिएट्स ने प्रकटीकरण के प्रत्युत्तर में निम्नलिखित टिप्पणियां की हैं।

निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध

136. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:

- i. उत्पाद टाइप को छूट देने के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों ने अपने तर्क दोहराए हैं। वस्तुएं छूट दी जानी अपेक्षित हैं, नीचे दी गई हैं:
 - क. हाउस होल्ड फॉइल, एलॉय एए 8011 में 9 माइक्रोन से 18 माइक्रोन के बीच थिकनेस
 - ख. एलॉय 3003 से बनी 34 माइक्रोन से 80 माइक्रोन के बीच थिकनेस की सेमी रिजिड कंटेनर फॉइल और एल्युमिनियम फॉइल कंटेनर।
- ii. हितबद्ध पक्षकारों ने एलॉय एए 8011 में 9 माइक्रोन से 18 माइक्रोन के बीच थिकनेस की हाउस होल्ड फाइल तथा एलॉय 3003 से बनी 34 माइक्रोन से 80 माइक्रोन के बीच थिकनेस का सेमी रिजिड कंटेनर तथा एल्युमीनियम फॉइल कंटेनर को छूट देने के लिए अनुरोध किया है।
- iii. उत्पादों जिनके लिए छूट मांगी गई है न तो घरेलू उत्पाद द्वारा उत्पादित अथवा इसी प्रकार के उत्पाद हैं और वे प्रतिस्थापनयोग्य नहीं हैं।
- iv. ब्लैकेट डीलिंग मुद्दे अनौचित्यपूर्ण है और मुद्दों की विशिष्ट और विस्तार से जांच करने के लिए प्राधिकारी से अनुरोध किया है।
- v. उत्पादन की उच्च लागत तथा अपनाई गई अप्रचलित प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया के कारण घरेलू उद्योग को क्षति स्वयं थोपी गई है।
- vi. उत्पादन की उच्च लागत तथा अपनाई गई अप्रचलित प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया के कारण घरेलू उद्योग को क्षति स्वयं थोपी गई है।
- vii. कोई आवश्यक स्पष्टीकरण जैसे उत्पाद क्षेत्र, पीओआई के लिए समेकित क्षति विश्लेषण हितबद्ध पक्षकारों को नहीं दिया गया था।
- viii. प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा उद्धरित मामलों को नहीं देखा है क्योंकि वर्टिफाइड टाइल्स अनंतिम जांच परिणाम, एसडीएच अंतिम जांच परिणाम और प्यूरिफाइड टैरेफेथलिक एसिड अंतिम जांच परिणाम।
- ix. प्राधिकारी से डंपिंग मार्जिन की पीसीएन गणना हेतु पीसीएन उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध है।
- x. प्राधिकारी ने चीन के लिए सामान्य कीमत संरचित करने हेतु घरेलू उद्योग की कच्ची सामग्री कीमतों को ध्यान में रखा है परंतु चीन के लिए सामान्य मूल्य संरचित करने हेतु प्रमुख कच्ची सामग्री के लिए अंतर्राष्ट्रीय कीमतों को नहीं लिया है। सामान्य प्रक्रिया के रूप में प्राधिकारी सामान्य मूल्य निर्धारित करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय कीमतें अपनाता है। परंतु वर्तमान जांच में प्राधिकारी ने प्राधिकारी द्वारा दिए गए आदान लिए हैं। प्राधिकारी ऐसा करने के कारण स्पष्ट करे।
- xi. प्राधिकारी निर्यातकों द्वारा भारत में निर्यातित पीसीएन के लिए संरचित सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन गणना उपलब्ध कराए।
- xii. प्राधिकारी कृपया हितबद्ध पक्षकारों की सुनवाई करे।
- xiii. एलॉय 8021 का प्रयोग करके 45-60 माइक्रोन की एल्युमीनियम फॉइल का बहुत कम आयात है ताकि यह किसी भी तरह से घरेलू उद्योग को नुकसान नहीं करेगा।
- xiv. लेमिनेट को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत शामिल किया जाना चाहिए क्योंकि यह 0% शुल्क का भुगतान करने पर कोरिया से आयातित किया जा रहा है जोकि उद्योग के लिए नुकसानदायक है।
- xv. 900-1170 की थिकनेस में 45-60 माइक्रोन एलु एलु स्टॉक यहां तक कि घरेलू उद्योग में एकमात्र उत्पादक द्वारा भी विनिर्माण और आपूर्ति नहीं की थी।
- xvi. एफटीए के कारण एलु एलु लेमिनेट पहले ही कोरिया से शुल्क मुक्त आ रहा है। यदि प्रमुख कच्ची सामग्री पर शुल्क लगाया जाता है तो संपूर्ण एलु एलु लेमिनेट उद्योग बंद हो जाएगा।
- xvii. नए निर्दिष्ट प्राधिकारी की नियुक्ति के कारण प्रस्तावित मौखिक सुनवाई रद्द कर दी गई थी और अगली सुनवाई के संबंध में कोई सूचना नहीं दी गई थी।

- xviii. झीजियांग जीकेओ न्यू मेटेरियल चाइना ने जांच में पूर्ण सहयोग किया है और प्राधिकारी से पूछा है कि यदि एल्युमीनियम स्टॉक प्रश्नावली के उत्तर देता है परंतु प्राधिकारी उनका उत्तर नहीं देता है तो प्राधिकारी का यह गलत मत है कि कई अवसरों के बावजूद निर्यातकों ने संबंधित सूचना प्रस्तुत नहीं की। प्राधिकारी को निर्यातकों द्वारा दाखिल उत्तरों की जांच करनी चाहिए और संबंधित पाटन मार्जिन देना चाहिए।
- xix. तथापि निर्यातकों (जियांगसू झोंगजी लेमिनेशन मेटेरियल कंपनी लि.) का नाम ज्ञात निर्यातकों में नहीं है परंतु निर्यातक प्राधिकारी को सभी दस्तावेज और सूचना उपलब्ध कराने के लिए काफी सावधान है। निर्यातक ने सभी लेखा ब्रेकसीट उपलब्ध कराई है और सभी सूचना उपलब्ध कराई है। ऐसा कोई कारण नहीं है जिसकी वजह से निर्यातकों के नाम सहयोग करने वाले निर्यातकों की सूची में शामिल नहीं किए जाएं।
- xx. प्राधिकारी ने इस आधार पर कि घरेलू उद्योग पीयूसी का विनिर्माण कर रहा है, 7 माइक्रोन से कम के एल्युमीनियम फॉइल की छूट देने के लिए अनुरोध को अस्वीकृत कर दिया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए बीजकों को गोपनीय माना है अन्य हितबद्ध पक्षकारों को आपूर्ति की गई वस्तुओं के साक्ष्य के रूप में बीजक उपलब्ध कराने के लिए निदेश दिए गए थे और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उक्त उपलब्ध कराए गए थे।
- xxi. प्राधिकारी को दिए गए आर्डरों की संख्या तथा उपभोक्ताओं द्वारा अस्वीकृत किए गए आर्डरों की जांच मासिक आधार पर करनी चाहिए।
- xxii. प्राधिकारी को बीजकों को अगोपनीय बनाना चाहिए तथा उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराना चाहिए।
- xxiii. पिनहोल के मुद्दों के संबंध में यह चीनी उत्पादकों की आंतरिक रिपोर्ट है, यह दर्शाती है कि उनके द्वारा आपूर्ति किए गए सामान में पिनहॉल की गणना 100-200 से अधिक नहीं है। यदि आपूर्ति किए गए उत्पाद निर्धारित पिनहॉल से अधिक है तो उत्पादन नहीं प्रयोग करने योग्य हो जाएगा। यह पैकेजिंग के उद्देश्य को ही समाप्त करता है और खाल को स्टेल् बनाता है।
- xxiv. 1800 एमएम से कम चौड़ाई के लिए प्रयुक्त एल्युमीनियम फॉइल की मशीन में 1800 एमएम की एल्युमीनियम फॉइल का प्रयोग नहीं किया जा सकता इसलिए वर्तमान में इसका आयात नहीं किया जाता परंतु भविष्य में आयात किए जाने की संभावना है। वर्तमान में आयात केवल 1614 एमएम तक है। घरेलू उद्योग में अधिक चौड़ाई के एल्युमीनियम फॉइल का उत्पादन करने की क्षमता नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग में चौड़ाई संबंधी प्रतिबंध है। तदनुसार अधिक चौड़ाई के एल्युमीनियम फॉइल की छूट नहीं दी जानी चाहिए।
- xxv. उत्पादित और आपूर्ति की गई एल्युमीनियम फॉइल में गुणवत्ता संबंधी गंभीर मुद्दा है।
- xxvi. मैसर्स हिंडाल्को द्वारा अधिगृहीत नई मशीनें नावेलिस और हिंडाल्को की पुरानी मशीनें हैं और नोवेलिस द्वारा खरीदने के पश्चात प्राप्त की गई है। यदि नई मशीनें ली जाती हैं तो कोई भी नई मशीन पूरी तरह से प्रचालनात्मक होने में एक से दो वर्ष लेगी। इसलिए मांग आपूर्ति अंतर को तत्काल पूरा नहीं किया जा सकता।
- xxvii. दर्शायी गई क्षमता केवल यूएलजी के लिए नहीं है परंतु अन्य किस्म की वस्तुओं के लिए भी है। इसकी जांच किए जाने की आवश्यकता है कि क्या घरेलू उद्योग अल्ट्रा लाइट गोज बनाने में सक्षम है।
- xxviii. 7 माइक्रोन से कम एल्युमीनियम फॉइल को संबद्ध उत्पाद के कार्यक्षेत्र से छूट दी जानी चाहिए।
- xxix. घरेलू उद्योग चेरी पिकड रहा है। अन्य उत्पादक जो उत्पादकों के 59% हैं पीजी फॉइल के सपोर्टर्स सहित अच्छा निष्पादन कर रहे हैं।
- xxx. सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए प्राधिकारी को अंतर्राष्ट्रीय कीमतों अर्थात् एलएमई कीमतों का प्रयोग करना चाहिए।
- xxxi. सामान्य मूल्य की गणना के लिए अंतर्राष्ट्रीय कीमतें प्राधिकारी की अपनाई गई प्रक्रिया रही है, ऐसा कोई कारण नहीं है कि प्राधिकारी घरेलू उद्योग आदान लागत का प्रयोग करे।
- xxxii. प्राधिकारी यह प्रकट करने में विफल रहा है कि सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए घरेलू उद्योग की उच्च ब्याज दर को इसने कारक माना है।

- xxxiii. क्षति निर्धारण से संबंधित अधिकांश आंकड़े निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा गोपनीय रखे गए हैं और वे याचिका में प्रकट हैं। ऐसे कई जांच परिणाम हैं जिनमें प्राधिकारी ने क्षति प्राचलों से संबंधित आंकड़े प्रकट किए हैं।
- xxxiv. विशेष रूप से रविराज फॉइल की छूट के पश्चात अन्य हितवद्ध पक्षकार को आंकड़ों को समझने की जरूरत है। प्राधिकारी को अवास्तविक की बजाए वास्तविक आंकड़े उपलब्ध कराने चाहिए।
- xxxv. प्रकटीकरण विवरण से यह स्पष्ट नहीं है कि प्राधिकारी ने जांच के कार्यक्षेत्र से वस्तुओं को बाहर करने के पश्चात संशोधित आयात आंकड़ों का प्रयोग किया है।
- xxxvi. क्षति मात्र आयात के रूख से नहीं देखी जा सकती परंतु इसका घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रयोग होना चाहिए।
- xxxvii. जांच के कार्यक्षेत्र से कई वस्तुओं को छूट देने के बावजूद याचिका में दर्शाए गए की अपेक्षा आयात की मात्रा अधिक है।
- xxxviii. घरेलू उद्योग काफी अच्छा कर रहा है और अपने उत्पादन और वित्तीय व्यय से वृद्धि करने में सक्षम है। घरेलू उद्योग बाजार की मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं है क्योंकि इसने अपनी क्षमता 30% तक घटा दी है।
- xxxix. पिछले वर्ष की तुलना में आयात में मामूली वृद्धि हुई है परंतु लाभप्रदता में काफी गिरावट आई है। इन दानों के बीच कोई संबंध नहीं है।
- xl. लाभप्रदता में गिरावट अन्य घटकों के कारण है। प्राधिकारी यह घोषित करने में विफल रहा है कि इसने लाभप्रदता के प्रभाव के संबंध में मूल्यहास और ब्याज में वृद्धि को कारक माना है।
- xli. कोई आकस्मिक लिंक नहीं है क्योंकि जब पीओआई में आयात में वृद्धि होती है और उसी वर्ष उत्पादन तथा घरेलू उद्योग की बिक्री में भी वृद्धि होती है। घरेलू उद्योग को अधिक क्षति नहीं हो रही है।
- xl.ii. निर्यातक क्लेड विद कंपेटिबल नॉन क्लेड एल्युमीनियम फॉइल की छूट के लिए प्राधिकारी का धन्यवाद करते हैं।
- xl.iii. अंतिम जांच परिणाम जारी करते समय इसे ध्यान में रखने के लिए प्राधिकारी से अनुरोध है।
- xliv. प्राधिकारी ने एल्युमीनियम फॉइल कंपोजिट की छूट दे दी है परंतु उत्पाद के विवरण में कुछ संशोधन करने के लिए प्राधिकारी से अनुरोध है।
- xl. v. एल्युमीनियम फॉइल कंपोजिट शब्द का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह एक सामान्य शब्द है और आयातकों द्वारा आयातित उत्पाद की विशेषता नहीं बताता।
- xlvi. याचिकाकर्ता ने स्वीकार किया है कि आयातक द्वारा उत्पादित आयात को जांच के कार्यक्षेत्र से छूट दी जा सकती है।
- xl. vii. उत्पाद जिसे छूट दी जानी चाहिए ' एल्यूमीनियम फॉइल लेमीनेटेड विद ओर बैकड विद वेरियस कम्बीनेशन ऑफ ग्लास स्क्रिम एंड/ओर क्राफ्ट पेपर एंड/ओर ग्लास क्लोथ विद ओर विदआउट पोली एथिलीन, चाहे प्रिंटेड हो अथवा प्रिंटेड नहीं हो" है।
- xl. viii. और/अथवा क्राफ्ट पेपर और ग्लास क्लॉथ से पहले शामिल किया जाना चाहिए। बैकड विद वेरियस कम्बीनेशन का भी प्रयोग किया जाना चाहिए।
- xl. ix. प्राधिकारी ने एल्युमीनियम-मैग्नीज-सिलिकॉन आधारित एलॉय, चाहे क्लेड अथवा अनक्लेड हो, छूट दे दी है। उत्पाद का विवरण इस तथ्य के आधार पर विवरण की सूची में शामिल किया जाना चाहिए कि सीमा शुल्क स्वीकृति के समय प्राधिकारी उत्पाद की जांच करते हैं।
- I. जांच के समय यदि उपरोक्त एलॉय उत्पाद अर्थात् एल्यूमीनियम मैग्नीज और/अथवा सिलिकॉन है तो प्रक्रिया अधिक सीधी है।

- ii. यदि कुल भारतीय उत्पादन को ध्यान में रखा जाता है तो घरेलू उद्योग का कुल हिस्सा केवल 24.5% है जो 25% की सीमा से कम है। भारतीय उत्पादन प्राधिकारी द्वारा विचार किए गए आंकड़ों से काफी अधिक है। सभी आंकड़े गोपनीय रखे जाते हैं जो इस पक्ष पर उचित टिप्पणी करने के लिए व्यवहार्य नहीं है।
- iii. ऐसा कोई अकेला आयातक नहीं है जो कच्ची सामग्री अर्थात् एल्यूमीनियम फॉइल कंटेनर (एएफसी) अथवा एल्यूमीनियम फॉइल रोल्स (एएफआर)/ के एसआरसी/एचएचएफ का आयात करता है।
- liii. एसआरसी की अधिकांश मांग एलॉय 3003 की है, जिसका भारत में किसी के द्वारा भी विनिर्माण नहीं किया जाता है।
- liv. जिंदल एल्यूमीनियम और गुजरात फॉइल्स ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वे एलॉय 3003 तक बनी एसआरसी की आपूर्ति नहीं कर सकते।
- iv. एलॉय 3003 गैर-प्रतिस्थापनयोग्य है क्योंकि क्वालिटी संबंधी गंभीर चिंता है।
- lvi. आयात एसआरसी की मात्रा अन्य संबद्ध उत्पादन की तुलना में बहुत कम है जबकि आयात का 60% यूएलजी है।
- lvii. घरेलू उद्योग में घरेलू बाजार की मांग को पूरा करने की क्षमता नहीं है और घरेलू उद्योग की दर्शायी गई क्षमता को बढ़ाकर दिखाया गया है।
- lviii. एसआरसी फॉइल पर लगाए गए 2.5% से अधिक का कोई भी पाटनरोधी शुल्क है तो इससे गंभीर असामान्यता होगी जिससे वस्तुओं पर आयात शुल्क को कम करना होगा।
- lix. एलॉय 3003 से बनी 34 और 80 थिकनेस तथा एलॉय एए8011 में 9 से 18 माइक्रोन के बीच एचएचएफ के बीच की एसआरसी फॉइल।
- lx. एल्यूमीनियम फॉइल लेमिनेट, जिसका प्रयोग केवल विनिर्माताओं द्वारा किया जाता है, के विनिर्माता। उक्त वस्तुओं का बाजार में एक मात्र आपूर्तिकर्ता अर्थात् हिंडाल्को है। शुल्क लगाने के पश्चात् यह बहुत कठिन होगा क्योंकि उक्त वस्तु खरीदने के लिए केवल एक स्रोत रहेगा।

घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

137. घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ नीचे दिए अनुसार अनुरोध किया है:
 - i. घरेलू उद्योग दस्तावेज जैसे क्षतिरहित कीमत का ब्यौरा निर्यातकों (अगोपनीय रूपांतरण) की जांच रिपोर्ट प्राधिकारी द्वारा सभी हितवद्ध पक्षकारों को भेजे गए पत्र और उनके उत्तर उपलब्ध कराने के लिए प्राधिकारी से अनुरोध करता है। दस्तावेज घरेलू उद्योग को उपलब्ध कराए जाने चाहिए ताकि वे संबंधित टिप्पणियां कर सकें।
 - ii. उचित कार्यान्वयन के प्रयोजन के लिए छूट दी गई वस्तुओं पर विस्तृत स्पष्टता देने के लिए प्राधिकारी से अनुरोध है।
 - iii. सीमा शुल्क वर्गीकरण सूचक मात्र है। केवल शुल्क तालिका की विषय-वस्तु संगत है। प्राधिकारी को उत्पाद तालिका में यह स्पष्ट करना चाहिए कि संबद्ध उत्पाद पर सीमा शुल्क वर्गीकरण, जिसके तहत वस्तुएं आयात की जा रही हैं, का ध्यान रखे बिना शुल्क लगता है।
 - iv. मैसर्स रविराज की छूट औचित्यपूर्ण नहीं है क्योंकि इसने संबद्ध उत्पाद का काफी मात्रा में आयात किया है। इसी दौरान मैसर्स रविराज ने उत्पाद का मूल्यवर्द्धन किया है और इसकी बिक्री की है। उन्होंने संबद्ध उत्पाद की बिक्री नहीं की है।
 - v. मैसर्स हंगझोऊ फाइव स्टार एल्यूमीनियम कंपनी लिमिटेड, मैसर्स जिंगसू डिंगशेंग न्यू मैटेरियल्स ज्वाइंट-स्टॉक कं. लि. और मैसर्स हंगझोऊ डिंगशेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. का पाटन मार्जिन बहुत कम है। प्राधिकारी से अनुरोध है कि उपरोक्त निर्यातक द्वारा बिक्री किए गए उत्पाद की टाइप प्रकट करे।
 - vi. क्षतिरहित कीमत का निर्धारण अनुपयुक्त है तथा पाटन कानून के उद्देश्य और आशय के विरुद्ध है। एनआईपी में वृद्धि करके इसे संशोधित किए जाने की आवश्यकता है।

- vii. उत्पाद की विभिन्न किस्मों तथा उत्पाद के विभिन्न प्रकारों और कीमतों के कारण शुल्क यथामूल्य रखा जाना चाहिए। शुल्क इस तरीके से लगाया जाना चाहिए कि यह लाभपूर्ण बन सके। पाटनरोधी शुल्क पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के अनुरूप लगाया जाना है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

138. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई पश्चः प्रकटीकरण टिप्पणियां/अनुरोध अधिकांशतः पूर्व के अनुरोधों को दोहराते हैं जिनकी पहले ही उपयुक्त ढंग से और पर्याप्त ढंग से जांच की जा चुकी है तथा प्रकटीकरण विवरण अथवा वर्तमान जांच परिणामों के संबंधित पैराओं में उपयुक्त समाधान किया गया है। प्राधिकारी आगे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों के संबंध में नीचे दिए अनुसार विचार करते हैं।
- i. इस जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की इस जांच में जहां संगत पाया गया है, प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।
 - ii. विस्तृत जांच के पश्चात प्राधिकारी ने निर्णय लिया है और उत्पाद की छूट के लिए कारण दिया है जिसके लिए छूट घरेलू उद्योग सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तथ्यों और साक्ष्यों पर विश्वास करने के पश्चात मांगी गई है।
 - iii. यह नोट किया गया है कि उत्पाद किस्में भारत में आयात की जा रही हैं और घरेलू उद्योग इन उत्पाद किस्म के लिए इसी प्रकार की वस्तु का उत्पादन और आपूर्ति कर रहा है। विभिन्न एल्युमीनियम फॉइल की विभिन्न किस्मों में एक वस्तु है और उत्पाद किस्मों को छूट देना उपयुक्त नहीं होगा। यदि घरेलू उद्योग भारत को आयात की जा रही उत्पाद किस्म के लिए इसी प्रकार की वस्तु का भी निर्माण करता है।
 - iv. एलॉय 3003 से बनी 34 माइक्रोन और 80 माइक्रोन के बीच की थिक्नेस वाली, सेमी रिजिड कंटेनर फॉइल अथवा एल्युमीनियम फॉइल कंटेनर की छूट के संबंध में प्राधिकारी दोहराते हैं कि रिकार्ड पर सूचना दर्शाती है कि एसआरसी कंटेनर 8006 और 8011 एलॉय का प्रयोग करते हुए उत्पादित किया जाता है और घरेलू उद्योग द्वारा चीन से आयातित किए जा रहे 3003 एलॉय के सेमी रिजिड कंटेनर की कीमतों की तुलना में अधिक कीमतों पर बिक्री की जाती है। इसके अतिरिक्त, एसआरसी फॉइल स्टॉक के एक प्रयोक्ता ने घरेलू उद्योग से एलॉय 8006 वाले एसआरसी फॉइल स्टॉक की खरीद की है तथा चीन से एलॉय 3003 वाले एसआरसी फॉइल स्टॉक का भी आयात किया है।
 - v. हितबद्ध पक्षकारों ने वास्तव में एसआरसी फॉइल स्टॉक की दोनों किस्में खरीदी हैं और बाजार में सेमी रिजिड कंटेनर की बिक्री की है। ऐसे पर्याप्त साक्ष्य हैं जो यह दर्शाते हैं कि 3003 एलॉय वाले सेमी रिजिड कंटेनर और 8006 एलॉय वाले कंटेनर इंटरचेंज करके उत्पादित किए गए हैं और उसी सेट के उपभोक्ताओं को बिक्री की गई है। इसके अतिरिक्त, 3003 एलॉय वाले एसआरसी कंटेनर और 8006 एलॉय वाले एसआरसी कंटेनर के बीच कीमत में विशेष अंतर नहीं है। यह हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रमाणित किया गया है, इसलिए 8006 एलॉय वाले एसआरसी फॉइल स्टॉक तथा 3003 वाले एसआरसी कंटेनर को पीयूसी के कार्यक्षेत्र से छूट देना उपयुक्त नहीं होगा। यह भी नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने एलॉय 3003 वाले विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए फॉइल के उत्पादन दर्शाने वाला साक्ष्य उपलब्ध कराया है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि वास्तव में घरेलू उद्योग के पास उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप फॉइलों के उत्पादन के लिए उनके पास 3003 एलॉय उपलब्ध हैं।
 - vi. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग को क्षति उत्पादन की उच्च लागत तथा अपनाई गई पुरानी प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया के कारण स्वयं थोपी गई हैं, यह नोट किया गया है कि हितबद्ध पक्षकार ने इस प्रकार के दावों को सिद्ध करने के लिए कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण यह प्रमाणित करने के लिए स्वयं स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटन के कारण है।
 - vii. पीसीएन पाटन मार्जिन के लिए पीसीएन के प्रकटीकरण के संबंध में यह नोट किया गया है कि संरचित सामान्य मूल्य के आधार पर गणना किया गया पाटन मार्जिन घरेलू उद्योग की कारोबार संवेदनशील सूचना है और इसलिए प्रकट नहीं की जा सकती। पीसीएन पाटन मार्जिन का प्रकटीकरण घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत के प्रकटीकरण पर लागू होगा जो कि घरेलू उद्योग के लिए गोपनीय सूचना है।

- viii. इस अनुरोध के संबंध में कि प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उद्धृत मामलों को नहीं देखते हैं, यह नोट किया गया कि इस प्रकार के मामले घरेलू उद्योग की पात्रता के लिए तर्क देने हेतु उद्धृत किए गए थे और प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम के संबंधित पैरा में कारण सहित विस्तृत सूचना उपलब्ध कराई है।
- ix. इस तर्क के संबंध में कि उत्पाद के कार्यक्षेत्र, घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र, समेकित क्षति विश्लेषण के बारे में सुनवाई में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा कोई स्पष्टीकरण उपलब्ध नहीं कराया गया था, यह नोट किया गया है कि एडी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी को विचाराधीन अनिवार्य तथ्यों की सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को देना अपेक्षित है जो इसके निर्णय का आधार बनता है। वर्तमान मामले में, प्राधिकारी ने 14 फरवरी, 2017 को एडी नियमावली के नियम 16 के तहत तथ्य प्रकट कर दिए हैं। हितबद्ध पक्षकारों को तथ्यों पर टिप्पणियां करने का अवसर दिया गया है।
- x. सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए पद्धति के बारे में यह एडी नियमावली के अनुसार निर्धारित की गई है।
- xi. सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अपनाई गई कच्ची सामग्री की कीमत के संबंध में प्राधिकारी ने इस संबंध में उपलब्ध बेहतर जानकारी अपनाई है। कोई भी हितबद्ध पक्षकार किसी अन्य स्रोत की सूचना उपलब्ध नहीं कराता है जो प्रयोजन के लिए अपनाई गई जा सकती थी। चूंकि एल्युमीनियम स्टॉक के कई विभिन्न ग्रेड शामिल हैं, इसलिए इसके लिए कोई प्राधिकृत अंतर्राष्ट्रीय कीमत प्रकाशित नहीं है। यह भी नोट किया गया है कि एलएमई में उल्लिखित एल्युमीनियम कीमतें किसी भी स्थिति में वर्तमान प्रयोजनों के लिए संगत नहीं हैं।
- xii. एल्युमीनियम फॉइल कम्पोजिट की परिभाषा में संशोधन के लिए अनुरोध के संबंध में यह नोट किया गया है कि परिभाषा में इस प्रकार के संशोधन से घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और आपूर्ति किए गए उत्पाद किस्म की छूट होगी। प्राधिकारी ने केवल उस किस्म के उत्पाद की छूट पर विचार किया है जो घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति नहीं की है।
- xiii. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमों के तहत कोई प्रावधान नहीं है जो यह अधिदेशित करें कि प्रकटीकरण विवरण जारी किए जाने के पश्चात सुनवाई की जानी अपेक्षित है। प्राधिकारी ने दिनांक 10 मई, 2016 और 4 नवंबर, 2016 को हुई जन सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रकट करने के लिए सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को अवसर दिया है। पक्षकारों, जिन्होंने जन सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप में व्यक्त किए हैं, से उनके द्वारा मौखिक रूप से व्यक्त विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। हितबद्ध पक्षकारों को प्रत्युत्तर अनुरोध दाखिल करने के लिए भी अवसर दिया गया था। इसके अतिरिक्त, सुनवाई की मांग करते समय किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसा कोई संगत कारण नहीं बताया है जो इस चरण पर सुनवाई को औचित्यपूर्ण सिद्ध करता हो।
- xiv. जीकेओ झेजियांग जीकेओ न्यू मैटेरियल कं. लि. के तर्क के संबंध में प्रश्नावली प्रत्युत्तर को अस्वीकृत करने के लिए विस्तृत कारणों से युक्त प्रकटीकरण विवरण के संबंध में आगे यह स्पष्ट किया गया है कि पक्षकार ने जांच के दौरान मांगी गई संबंधित सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। प्राधिकारी ने निर्यातकों की प्रश्नावली के प्रत्युत्तर की तालिका अध्ययन के बारे में जीकेओ के परामर्शदाताओं को सूचित करते हुए दिनांक 17.10.2016 को पत्र लिखा था। तथापि, उक्त जांच की पेशकश नहीं की गई थी, इसलिए निर्यातकों की प्रश्नावली में किए गए दावों को प्रमाणित करने के लिए कोई संगत सूचना/सहायक साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि स्थल पर वास्तविक जांच प्राधिकारी के विवेकाधिकारी से की गई थी। यद्यपि, प्राधिकारी तालिका जांच करके और वास्तविक जांच किए बिना आवश्यकतानुसार इस प्रकार की सूचना और स्पष्टीकरण मांग सकते हैं। उदाहरण के तौर पर कंपनी ने निर्यात कीमत निर्धारण के लिए दावा किए गए सहायक समायोजनों का कोई परिपुष्ट साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है। यह होते हुए कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई सीमित सूचना से यह नोट किया गया है कि निर्यात किए जा रहे उत्पाद का विवरण अपने आप में अस्पष्ट है। प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच से यह अवलोकन किया गया है कि निर्यातक ने वह सूचना उपलब्ध कराई है जो संबद्ध उत्पाद (परिशिष्ट-2 घोषणाओं के अनुसार) तक सीमित नहीं है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए उक्त कंपनी के संबंध में कोई वैयक्तिक पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं किया जा सका।
- xv. प्राधिकारी का मत है कि एल्युमीनियम फॉइल की विभिन्न किस्मों में एक वस्तु शामिल है। यदि घरेलू उद्योग भारत को आयात किए जा रहे उत्पाद के लिए इसी प्रकार की वस्तु का निर्माण करता है तो किसी उत्पाद किस्म को छूट देना उपयुक्त नहीं होगा।
- xvi. एलु एलु लेमिनेट को शामिल करने के तर्क के संबंध में यह दोहराया जाता है कि याचिकाकर्ता ने इस टाइप के उत्पाद की छूट स्वयं मांगी है क्योंकि घरेलू उद्योग एलु एलु लेमिनेट का उत्पादन नहीं कर रहा है। किसी उत्पाद टाइप पर पाटनरोधी शुल्क लगाना उपयुक्त नहीं है। जिस समय समान वस्तु की घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति नहीं की जा रही है और उसे जांच की शुरुआत के चरण पर ही संबद्ध उत्पाद के कार्यक्षेत्र से छूट दे दी गई थी। जांच का कार्यक्षेत्र और प्रस्तावित उपाय जांच की शुरुआत के चरणबद्ध संबद्ध उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर नहीं किया जा सकता। कोई घरेलू उद्योग किसी उत्पाद पर एडीडी लगाने के लिए नई याचिका दाखिल

कर सकता है। यदि घरेलू उद्योग यह मानता है कि किसी उत्पाद का पाटन किया जा रहा है और इस प्रकार का पाटन घरेलू उद्योग की क्षति का कारण है।

- xvii. मैसर्स जियांग्सू झोंगजी लेमिनेशन मैटेरियल कं. लि. के तर्क के संबंध में, कंपनी ने निर्यातकों की पश्चावली के प्रत्युत्तर के अनुसार निर्धारित सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। कंपनी ने मात्र तुलन-पत्र उपलब्ध कराया है। कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई बहुत ही सीमित सूचना को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी कंपनी के लिए वैयक्तिक पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं कर सका।
- xviii. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की जांच गोपनीयता दावों की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां आवश्यक था, गोपनीयता दावे स्वीकार कर लिए हैं और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार को प्रकट नहीं की गई। बीजक कारोबार संवेदनशील सूचना है, इसलिए प्रकट नहीं की जा सकती।
- xix. पिनहोल्स के मुद्दे के संबंध में, प्राधिकारी का मत है कि इस मुद्दे की जांच की गई है और संबंधित पैराओं में प्रकटीकरण विवरण तथा वर्तमान अंतिम जांच में विस्तार से समाधान किया गया है। प्राधिकारी का विचार है कि यदि सरकार ने किसी उत्पाद के लिए कुछ मानक निर्धारित किए हैं और घरेलू उद्योग द्वारा उन्हें संकलित किया गया है तो उपभोक्ता यह मांग नहीं कर सकते कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद टाइप वांछित मानकों को पूरा नहीं करता।
- xx. 1800 एमएम चौड़ाई वाली सामग्री की छूट के लिए अनुरोध के संबंध में यह नोट किया गया है कि हितबद्ध पक्षकार ने स्वयं तर्क दिया है कि पक्षकार भविष्य में इस प्रकार के बड़े आकार की फॉइल का आयात कर सकती है। यह स्वीकार करते हुए कि पीओआई के दौरान इसका आयात नहीं किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि छूट के लिए अनुरोध पर जब तक विचार नहीं किया जा सकता, तब तक पक्षकार यह प्रमाणित नहीं करते कि इसने उत्पाद टाइप का आयात किया है और घरेलू उद्योग ने समान उत्पाद की आपूर्ति नहीं की है।
- xxi. हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और भारत को आयातित उत्पाद की गुणवत्ता के बारे में अपने तर्क दोहराए हैं। उन्हें यह कहा गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद भारत को आयात किए जा रहे उत्पाद के समान हैं और प्रयोक्ताओं/आयातकों द्वारा दोनों का एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जाता है, इसे प्रमाणित करने के लिए कोई ठोस साक्ष्य दिए बिना हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए इस तरह के मुद्दों को लागू नहीं किया जा सका।
- xxii. घरेलू उद्योग ने यूएलजी 5.5 माइक्रोन की उत्पाद बिक्री दर्शाते हुए वाणिज्यिक बीजक के रूप में दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं। चूंकि, घरेलू उद्योग ने यूएलजी 5.5 माइक्रोन का उत्पादन और आपूर्ति की है, इसलिए हितबद्ध पक्षकारों का यह दावा कि घरेलू उद्योग ने इस टाइप के किसी उत्पाद का उत्पादन और आपूर्ति नहीं की है। तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है और इसलिए स्वीकार नहीं किया जा सका।
- xxiii. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग के पास देश में यूएलजी की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यदि देश में मांग आपूर्ति में अंतर है तो विदेशी उत्पादक उचित कीमत पर उत्पाद लागत देश में निश्चित रूप से अंतर को पूरा कर सकते हैं। मांग आपूर्ति अंतर उत्पाद के पाटन को औचित्यपूर्ण नहीं बनाते।
- xxiv. घरेलू उद्योग के गठन के तर्क के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, प्राधिकारी को यह जांच करनी अपेक्षित है कि (क) घरेलू उत्पादक घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु के कुल उत्पादन के 25% से अधिक के लिए आवेदन का समर्थन व्यक्त करते हैं और (ख) आवेदन उन घरेलू उत्पादकों द्वारा समर्थित है जो सामूहिक रूप से उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन के 55 प्रतिशत से अधिक है, समर्थन के लिए व्यक्त घरेलू उद्योग का हिस्सा अथवा आवेदन का विरोध। प्राधिकारी ने खान मंत्रालय तथा औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग को पत्र लिखा था और संबद्ध देश से 2011-12 से 2014-15 की अवधि लिए, यदि कोई हो, संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन, उत्पादन क्षमता, आयात के आंकड़ों सहित भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों की सूची के लिए कहा है। इस पत्र का खान मंत्रालय द्वारा विधिवत रूप से उत्तर दिया गया था और भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों की सूची तथा प्रमुख उत्पादकों के उत्पादन को दर्शाने वाली सूचना संलग्न की थी। प्राधिकारी ने मैसर्स रविराज इंडस्ट्रीज की छूट के लिए विस्तृत कारण उपलब्ध कराए हैं। पुनः दोहराया जाता है कि मैसर्स रविराज फॉइल्स ने आयातित संबद्ध वस्तुओं की फरबिशिंग के पश्चात घरेलू बाजार में बिक्री की है। प्राधिकारी ने पीओआई के पश्चात कंपनी द्वारा आयात संबंधी सूचना मांगी है। यह पाया गया था कि कंपनी द्वारा आयात की मात्रा पीओआई के पश्चात बढ़ी है, तथापि, चीन जन गण से मैसर्स रविराज फॉइल्स द्वारा संबद्ध वस्तुओं का आयात पर्याप्त नहीं है परंतु, चूंकि आयातित संबद्ध वस्तुओं का लगभग पूरा आयात घरेलू बाजार में बेचा गया था और कंपनी ने उत्पाद का आयात करने के लिए कोई स्वीकार्य कारण नहीं दिया है जबकि कंपनी स्वयं उत्पाद के उत्पादन में लगी हुई है, प्राधिकारी पाते हैं कि कंपनी इस प्रकार के पाटन से अनुचित रूप से लाभान्वित हुई है। इसलिए प्राधिकारी का मत है

कि मैसर्स रविराज फाईल्स को घरेलू उद्योग का घटक मानना उपयुक्त नहीं होगा। आवेदक कुल घरेलू उत्पादन का 41% हैं, और पीजी फाईल्स का समर्थन है, आवेदक कुल भारतीय उत्पादन के 56% है।

- XXV. सामान्य मूल्य निर्धारण के लिए घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई उच्च व्याज लागत के तर्क के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि प्राधिकारी ने चीन जन गण के सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए घरेलू उद्योग के उत्पादन की इष्टतमीकृत लागत पर विचार किया है।
- XXVI. प्रकटीकरण विवरण में रखी गई गोपनीय सूचना की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी ने दिनांक 03.03.2017 के पत्र के तहत आंकड़े प्रकट कर दिए हैं और हितबद्ध पक्षकारों ने टिप्पणियां मांगी हैं। उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में विचार किया गया है।
- XXVII. याचिका के अनुसार, आयात आंकड़ों में परिवर्तन तथा प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने के संबंध में यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी ने अपना विश्लेषण किया है और सत्यापित सूचना अपनाई है। प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों की अनुपूर्ति हेतु डीजी (सिस्टम) से भी आंकड़े लिए हैं।
- XXVIII. क्षति और आकस्मिक लिक के तर्क के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि यहां किया गया उपरोक्त क्षति विश्लेषण यह प्रमाणित करता है कि स्वतः स्पष्ट है कि पाटन ने घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाई है।
- XXIX. एसआरसी की छूट के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मुद्दे को प्रकटीकरण विवरण के संबंधित पैराओं के साथ-साथ इन जांच परिणामों में विस्तार से देखा गया है।
- XXX. मैसर्स हंगझोऊ फाइव स्टार एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड, मैसर्स जियांगसू डिंगशेंग न्यू मैटेरियल्स ज्वाइंट स्टॉक कं. लि. और मैसर्स हंगझोऊ डिंगशेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. के पाटन मार्जिन के बारे में घरेलू उद्योग के अनुरोधों के संबंध में वे संबंधित पक्षकारों की वास्तविक निर्यात कीमत के अनुसार निर्धारित किए गए हैं। निर्यातकों द्वारा बेचे गए उत्पाद टाइप के प्रकटीकरण के अनुरोध के संबंध में यह नोट किया गया है कि यह कारोबार संवेदनशील सूचना है और इसलिए प्रकट नहीं की जा सकती।
- XXXI. क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) के निर्धारण के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोधों के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि एनआईपी की गणना के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अंतर्गत निर्धारित हैं और वर्तमान जांच में एनआईपी निर्धारित करते समय उन्हें अपनाया गया है।
- XXXII. शुल्क के रूप से संबंधित घरेलू उद्योग के अनुरोध के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी का अधिदेश निर्दिष्ट पाटन का अस्तित्व, मात्रा और प्रभाव निर्धारित करना तथा पाटनरोधी शुल्क की मात्रा की सिफारिश करना है। यदि वह लगाई गई होगी तो घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी। तदनुसार, पाटनरोधी उपाय के रूप की उपयुक्तता के लिए किसी मामले के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया जाता है।

ण. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे:

139. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का भारत में उत्पाद की कीमत स्तरों पर प्रभाव पड़ेगा। तथापि, भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा पाटनरोधी उपाय लगाने से कम नहीं होगी। दूसरी तरफ, पाटनरोधी उपाय करने से पाटन प्रक्रियाओं द्वारा लाभान्वित निष्पक्ष लाभ दूर होंगे, घरेलू उद्योग की गिरावट रुकेगी और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन की निष्पक्ष व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग के लिए क्षति को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जो कि सामान्य रूप से देश के हित में है। इसलिए पाटनरोधी शुल्क लगाना उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय करने से किसी भी तरीके से संबद्ध देश से आयातों को प्रतिबंधित नहीं करेगा और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगा। उपभोक्ता आपूर्ति के दो अथवा इससे अधिक स्रोत अब भी बनाए रख सकेंगे।

त. सिफारिश

140. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने के पश्चात और रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि:

क. संबद्ध उत्पाद संबद्ध देश से भारत को सामान्य मूल्य से कम पर निर्यात किया गया है।

ख. घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध आयात के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

ग. वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयात के कारण हुई है।

141. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू की गई थी और यह सभी हितबद्ध पक्षकारों को सूचित की गई थी। पाटन क्षति और कारणात्मक संपर्क के पहलुओं के संबंध में सूचना उपलब्ध कराने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर दिया गया था। पाटन क्षति और कारणात्मक संपर्क के संबंध में जांच शुरू किए जाने के पश्चात् तथा पाटनरोधी नियमावली की शर्तों के अनुसार और घनात्मक पाटन मार्जिन सिद्ध होने तथा इस प्रकार के पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति सिद्ध होने पर प्राधिकारी का मत है कि शुल्क लगाना पाटन और क्षति को नगण्य करने के लिए आवश्यक है। प्राधिकारी द्वारा कम शुल्क नियमावली का पालन किए जाने पर प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षति के मार्जिन के सबसे कम के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग के लिए क्षति को दूर किया जा सके। क्षति मार्जिन निर्धारित करने के प्रयोजन के लिए संबद्ध उत्पाद के आयात का पहुंच मूल्य की जांच की अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान घरेलू उत्पाद की क्षतिरहित कीमत के साथ तुलना की गई है।

142. तदनुसार, केंद्र सरकार द्वारा नीचे तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के समान पाटनरोधी शुल्क इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

| क्रसं | टैरिफ मद का उप शीर्षक | वस्तुओं का विवरण | मूल देश | निर्यातक देश | उत्पादक | निर्यातक | राशि | मुद्रा | इकाई |
|-------|-----------------------|--------------------|-----------|--------------|---|--|------|--------|----------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 1. | 7607 | एल्युमीनियम फॉइल * | चीन जन गण | चीन जन गण | झेजियांग झोंगजिन एल्युमीनियम इंडस्ट्री कं. लि. | झेजियांग झोंगजिन एल्युमीनियम इंडस्ट्री का. लि. | 1.43 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |
| 2. | 7607 | वही | चीन जन गण | चीन जन गण | मैसर्स किंगडाओ लोफ्टन एल्युमीनियम फॉइल कं. लि. | मैसर्स लोफ्टन एल्युमीनियम (हांगकांग) लिमिटेड | 1.18 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |
| 3. | 7607 | वही | चीन जन गण | चीन जन गण | मैसर्स लोफ्टन एन्वायरनमेंटल टैक्रोलाजी कं. लि. | मैसर्स लोफ्टन एल्युमीनियम (हांगकांग) लिमिटेड | 1.18 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |
| 4. | 7607 | वही | चीन जन गण | चीन जन गण | मैसर्स हांगझोउ फाइव स्टार एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड | हांगझोउ डिंगशेंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. | 0.69 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |
| 5. | 7607 | वही | चीन जन गण | चीन जन गण | मैसर्स हांगझोउ फाइव स्टार एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड | डिंगशेंग एल्युमीनियम इंडस्ट्रीज (हांग कांग) ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड | 0.69 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |

| क्रसं | टैरिफ मद का उप शीर्षक | वस्तुओं का विवरण | मूल देश | निर्यातक देश | उत्पादक | निर्यातक | राशि | मुद्रा | इकाई |
|-------|-----------------------|------------------|-----------|--------------|--|--|------|--------|----------|
| 6. | 7607 | वही | चीन जन गण | चीन जन गण | मैसर्स हांगझोउ फाइव स्टार एल्युमीनियम कं.लिमिटेड | मैसर्स जियांग्सू डिंगशेंग न्यू मैटेरियल्स ज्वाइंट स्टॉक क. लि. | 0.69 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |
| 7. | 7607 | वही | चीन जन गण | चीन जन गण | मैसर्स जियांग्सू डिंगशेंग न्यू मैटेरियल्स ज्वाइंट स्टॉक क. लि. | हांगझोउ डिंगशेंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट क. लि. | 0.69 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |
| 8. | 7607 | वही | चीन जन गण | चीन जन गण | मैसर्स जियांग्सू डिंगशेंग न्यू मैटेरियल्स ज्वाइंट स्टॉक क. लि. | डिंगशेंग एल्युमीनियम इंडस्ट्रीज (हांग कांग) ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड | 0.69 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |
| 9. | 7607 | वही | चीन जन गण | चीन जन गण | मैसर्स जियांग्सू डिंगशेंग न्यू मैटेरियल्स ज्वाइंट स्टॉक क. लि. | मैसर्स जियांग्सू डिंगशेंग न्यू मैटेरियल्स ज्वाइंट स्टॉक क. लि. | 0.69 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |
| 10. | 7607 | वही | चीन जन गण | चीन जन गण | मैसर्स हांगझोउ डिंगशेंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट क. लि. | हांगझोउ डिंगशेंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट क. लि. | 0.69 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |
| 11. | 7607 | वही | चीन जन गण | चीन जन गण | मैसर्स हांगझोउ डिंगशेंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट क. लि. | डिंगशेंग एल्युमीनियम इंडस्ट्रीज (हांग कांग) ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड | 0.69 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |
| 12. | 7607 | वही | चीन जन गण | चीन जन गण | मैसर्स हांगझोउ डिंगशेंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट क. लि. | मैसर्स जियांग्सू डिंगशेंग न्यू मैटेरियल ज्वाइंट-स्टाक क. लि. | 0.69 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |
| 13. | 7607 | वही | चीन जन गण | चीन जन गण | क्रम संख्या 1 से 12 तक कोई अन्य संयोजन | | 1.63 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |
| 14. | 7607 | वही | चीन जन गण | कोई | कोई | कोई | 1.63 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |
| 15. | 7607 | वही | कोई | चीन जन गण | कोई | कोई | 1.63 | अम.डॉ. | कि.ग्रा. |

* इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए एल्युमीनियम फॉइल "एल्युमीनियम फॉइल" चाहे प्रिंटेड नहीं हो अथवा बैकड विद पेपर, पेपर बोर्ड, प्लास्टिक अथवा 5.5 माइक्रोन से 80 माइक्रोन के बीच की थिकनेस की इसी प्रकार की पैकिंग सामग्री, से अभिप्रेत है

- i. एलु एलु लेमिनेट: पैकिंग कैप्सूल/टिबलेट में प्रयोग के लिए एए8079 और एए8021 में 40-50 माइक्रोन का एलु एलु लेमिनेट एक मल्टीलेयर्ड ओपेक्यू लेमिनेट है जहां एल्युमीनियम फॉइल और एडहेसिव्स से दोनों तरफ प्लास्टिक फिल्म बैकड है।
 - ii. अल्ट्रा लाइट गॉज कंवर्टेड : अल्ट्रा लाइट गॉज कंवर्टेड 5.56 माइक्रोन से 7 माइक्रोन की थिकनेस वाला एल्युमीनियम फॉइल है जो बैकड विद क्राफ्ट पेपर तथा स्क्रिम, अथवा ग्लास क्लोथ है, चाहे वह इंसुलेशन, मसालों की पैकिंग, थर्मल फ्लूड लाइन्स कवरिंग तथा टी-बैग अनुप्रयोग में उपयोग करने हेतु प्लेन अथवा प्रिंटेड हो।
 - iii. *एल्युमीनियम फॉइल कम्पोजिट: एल्युमीनियम फॉइल लेमिनेटेड पॉली एथिलीन से युक्त अथवा के बिना क्राफ्ट पेपर और ग्लास स्क्रिम अथवा ग्लास क्लोथ युक्त लेमिनेटेड अथवा बैकड एल्युमीनियम फॉइल, चाहे वह प्रिंटेड हो अथवा प्रिंटेड नहीं हो। तथापि, एल्युमीनियम फॉइल लेमिनेटेड क्राफ्ट पेपर से युक्त अथवा क्राफ्ट पेपर से बैकड संबद्ध उत्पाद और प्रस्तावित उपायों के कार्यक्षेत्र में आता है।*
 - iv. कैपिसिटर्स के लिए एल्युमीनियम फॉइल: कैपिसिटर्स के लिए एल्युमीनियम फॉइल रेडियो, टेलीविजन, टेलीफोन, कम्प्यूटर, माइक्रोवेव ओवेन, इलैक्ट्रिकल बैल्डर्स, मैग्नेट्स, इलैक्ट्रॉनिक टेस्टिंग इक्विपमेंट, कॉपी मशीन, एयर कंडीशनर, ऑटोमोबाइलस, फ्लोरोसेंट लाइट, मरकरी वेपर स्ट्रीट लैम्प, पावर ट्रांसमिशन इक्विपमेंट, इलैक्ट्रिक मोटर, कंट्रोल यूनिट तथा समान वस्तु जैसे इलैक्ट्रिकल इक्विपमेंट में प्रयोग के लिए 99.35% शुद्धता वाले कम चौड़ाई में 5 माइक्रोन गेज का एल्युमीनियम फॉइल है।
 - v. ईच्छ अथवा फॉर्मर्ड एल्युमीनियम फॉइल्स : ईच्छ अथवा फॉर्मर्ड एल्युमीनियम फॉइल्स इलैक्ट्रिक कैपिसिटर के विनिर्माण में प्रयोग किए जाने हेतु एल्युमीनियम फॉइल है।
 - vi. एल्युमीनियम कम्पोजिट पैनल - एल्युमीनियम कम्पोजिट पैनल फेकेड क्लेडिंग और सिगनेज में प्रयोग के लिए एल्युमीनियम की दो पतली परतों के बीच एक नॉन-एल्युमीनियम कोर (प्रायः पीई) बांडेड है।
 - vii. क्लेड विद कम्पीटेबल नॉन क्लेड एल्युमीनियम फॉइल: क्लेड विद कम्पीटेबल नॉन क्लेड एल्युमीनियम फॉइल रेडिएटर, कंडेंसर, एवापोरेटर, इंटरकूलर, ऑयल कूलर और हीटर ऑटोमोटिव उद्योग में इंजन कूलिंग और एयर कंडीशनर सिस्टम्स में प्रयोग करने के लिए एल्युमीनियम सरफेस लेयर्स मेटालर्जिकली बांडेड टू हाई स्ट्रेथ एल्युमीनियम एलॉय कोर सामग्री से बनी एक जंगरोधी एल्युमीनियम शीट है।
 - viii. बीयर बोतल के लिए एल्युमीनियम फॉइल: बीयर बोतल में प्रयोग किए जाने हेतु रफ सरफेस और परफोरेटेड, चाहे वह प्रिंटेड हो अथवा नहीं, वाली 10.5 माइक्रोन की एल्युमीनियम फॉइल है।
143. केंद्र सरकार द्वारा इसे स्वीकार किए जाने के पश्चात इन जांच परिणामों के विरुद्ध अपील सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975, 1995 में यथा संशोधित तथा सीमा शुल्क टैरिफ नियमावली, 1995 के अनुसार उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जा सकेगी।

डॉ. इंद्रजीत सिंह, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI- DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 10th March, 2017

(Final Findings)**Subject: Final Findings in the Anti-dumping duty investigation against imports of Aluminium Foil originating in or exported from China PR.**

F. No. 14/06/2015-DGAD. — Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

A. Background of the Case

1. Whereas M/s. Hindalco Industries Ltd. Mumbai, M/s. Raviraj Foils Ltd. Ahmedabad and M/s. Jindal India Ltd. Kolkata (hereinafter referred to as petitioners) have jointly filed a duly substantiated application before the Authority, as the domestic industry of the subject goods, in accordance with the Act and the Rules, alleging dumping of the 'Aluminium Foil (hereinafter referred to as subject goods,), originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the subject country), alleging dumping of subject goods and consequent injury to the domestic industry and requested for levy of anti-dumping duty on the imports of the subject goods from the subject country.
2. As part of the preliminary scrutiny, the department had written a letter to the Ministry of Mines and Department of Industrial Policy and Promotion and asked for the list of producers of the subject good in India along with the data of production, capacity of production, imports of the subject goods made from the subject country, if any for the period 2011-12 to 2014-15. The letter was duly replied by the Ministry of Mines enclosing information furnished by Aluminium Association of India, in which, the list of producers of the subject goods in India was provided.
3. And whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant to justify initiation of investigation issued a public notice vide Notification No. 15/10/2015 - DGAD dated 15th December 2015, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with the Rule 5 of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

B. Procedure

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation, after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigation by the Authority.
 - i. The Authority notified the Embassies/Representatives of the subject country in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
 - ii. The Authority sent a copy of the initiation notification to the embassy of the subject country in India, known producers/exporters from the subject country, known importers/users in India, other Indian producers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
 - iii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
 - iv. The Embassy of the subject country in India was also requested to advise the exporters/producers from China to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from China PR.

- V. The Authority sent Exporter's Questionnaire and Market Economy Questionnaire to elicit relevant information to the following known producers/exporters in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
- Dingsheng Aluminium Industrial Co., Ltd.
 - Hebei North China Aluminium Co. Ltd.
 - Jiangsu Alcha Aluminium Co., Ltd.
 - Xiamen Xiashun Aluminium Foil Co., Ltd.
 - Shanghai Shenhua Aluminium Foil Co., Ltd.
- vi. In response, the following producers/exporters from the subject country filed exporter's questionnaire in the prescribed format:
- Alcha International Holding Ltd.
 - Dingsheng Aluminium Industries Hong Kong Trading Co Ltd
 - Hangzhou Five Star Aluminum Co. Ltd.
 - Hangzhou Dingheng Import & Export Co. Ltd.
 - Jinagsu Alcha Aluminium Co. Ltd.
 - Jinagsu Dingsheng New Material Joint - Stock CO. ltd.
 - Loften Environmental Technology Co. ltd.
 - Loften Aluminium (Hong Kong)
 - Qingdao Loftan Aluminium Foil co. Ltd.
 - Zhejiang Zhongjin Aluminium Industry Co. Ltd
 - Zhejiang GKO New Material Co. Ltd.
- vii. Except for Loftan Environmental Technology Co. Ltd., none of the producers/ exporters from China PR have responded to the Market Economy Treatment (MET) Questionnaire. Hence, the other, cooperating exporters have been given non-market economy treatment in the present investigation. Loftan Environmental Technology Co. Ltd claimed market economy treatment and has submitted Market Economy Treatment (MET) questionnaire response.
- viii. The Authority sent importer's questionnaires to elicit relevant information to the following known importers in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
- Alutop
 - Aarti Drugs Ltd.
 - Ansa Print Pack Pvt Ltd
 - Betts India Private Limited
 - Blue Star Limited
 - Banco Products (India) Ltd.
 - Cadbury India Limited
 - CadillaPharmecueticals Ltd
 - Climate Systems India Ltd.
 - Dr. Reddy's Laboratories Ltd.
 - Dalal Packaging
 - Foil pack Industries
 - Green Pack Foils Pvt. Ltd.
 - Glaxosmithkline Pharmaceuticals Ltd.
 - Hindustan Latex Limited
 - Hitachi Home & Life Solutions (India) Ltd.
 - Jhaveri Flexi Laminate Pvt.Ltd.
 - Jain Packaging Pvt.Ltd.
 - Koch - Glitch Limited
 - K A Alu Foil
 - Macleods Pharmaceuticals Ltd
 - Nipra Industries Pvt. Ltd.
 - Polycom Associates
 - Pfizer Limited
 - Rainbow Plastics India Limited
 - Ranbaxy Laboratories Limited

- aa) R.S.Foils Pvt Ltd
- bb) SwastikFlexipackPvt.Ltd.
- cc) Supermak Industries
- dd) The Paper Products Ltd
- ee) Technova Tapes India Pvt Ltd
- ff) Subros Auto Air-conditioning System
- gg) Jewel Paper private Ltd.
- hh) Jil pack Flexible Packagingmaterials
- ii) U. P Twiga Fibre glass Ltd.
- jj) TaniyaPolyfilmsPvt. Ltd.
- kk) Flexible Packaging Entrepreneurs Orient Association
- ll) Orient Press Ltd Flexible Packaging Division
- mm) RockdudeImpex Pvt Ltd.
- nn) Sehgal Packaging Pvt. Ltd.
- oo) Sanwariya Packaging Pvt. Ltd.
- pp) Kap Cones Pvt. Ltd.
- qq) Sarthak Packaging Pvt. Ltd.
- rr) Modern Laminators Pvt. Ltd
- ss) Printman
- tt) Print-N-wrap
- uu) Baddi Foils Pvt. Ltd.

- vi. Importer Questionnaire Response was received from the following importers or consumers of the product in India:

- a) Flora Industries
- b) Huhtamaki PPL Limited
- c) Indian Overseas Exports Pvt. Ltd.
- d) International Traders
- e) Modern Laminators Pvt. Ltd.
- f) MAHLE Behr India Private Limited
- g) Nagreeka Foils Ltd.
- h) NagreekaIndcon Products (P) Ltd.
- i) Nagreeka Synthetics Private Ltd.
- j) Purple Incorporation
- k) Scraft Products Pvt. Ltd.
- l) Tania Poly Films Pvt. Ltd.
- m) Tetra Pak India Private Limited
- n) Uflex Limited
- o) U.P. Twiga Fibreglass Ltd.
- p) Veeram Natural Products

- vii. As per the list of producers, given by the Ministry of Mines, the Authority has also sent intimation of the initiation of the investigation to the following Indian producers and had sought relevant information. The communication was sent to the following Indian producers:

- a. Hindalco Industries Ltd.
- b. Raviraj Foils Ltd.
- c. Jindal India Ltd.
- d. PG Foils Ltd.
- e. Gujrat Foils Ltd.
- f. Ess Dee Aluminium
- g. India Foils
- h. AMCO India Ltd.
- i. Metenere Ltd.
- j. RS Foils Pvt. Ltd.
- k. JP Foils
- l. Marudhar
- m. Indu Foil
- n. Jindal
- o. Paragon
- p. Jasch Foils
- q. SVE Jharkhand

r. SVC Hyderabad

- viii. Apart from the respondent exporters, importers, domestic industry and other domestic producers mentioned above, submissions have been received on behalf of the following parties during the course of this investigation. However, no importer questionnaire have been filed by the following parties.
- a) Anu Exim Private Limited
 - b) Bilcare Limited
 - c) HBR Packaging
 - d) Indian Flexible Packaging and Folding Carton Manufacturers Association
 - e) Svam Packaging Industries Pvt. Ltd.
 - f) Esselpropack Ltd.
 - g) Hitachi Home and life (I) Ltd.
 - h) United Breweries Ltd.
 - i) Hanon Climate Systems India Pvt. Ltd.
 - j) PranavVikas (India) Pvt. Ltd.
 - k) Anu Exim Pvt. Ltd.
 - l) Bilcare Research Ltd.
 - m) Alstrong Enterprises India Pvt Ltd.
- ix. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- x. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the transaction-wise details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigations, which was received by the Authority. The Authority has, relied upon the DGCI&S data for computation of the volume of imports and required analysis after due examination of the transactions; The transaction wise import data was placed in the public file. The Authority has also procured data from DG Systems to complement the analysis of the DGCI&S data.
- xi. The Non-injurious Price (NIP) based on the optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- xii. The Authority held an oral hearing on 10th May, 2016 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6 (6), which was attended by the representatives of domestic industry, exporters from China PR and importers. The interested parties who presented their views orally at the time of oral hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were provided opportunity to offer rejoinder submissions to the views expressed by opposing interested parties.
- xiii. Due to change in the incumbency of the Designated Authority and in line with the judgment of the Hon'ble Supreme Court in the ATMA case, another oral hearing was conducted by the new Designated Authority on 4th November, 2016. The parties, who presented their views in the 2nd oral hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
- xiv. On the spot verification of the data of the domestic industry, as well as that of the cooperating exporters, was carried out to the extent considered necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of this finding.
- xv. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present investigation is April, 2014 to June, 2015. The examination of trends in the context of injury analysis covers the periods April 2011-March 2012, April 2012-March 2013, April 2013-March 2014 and the POI.
- xvi. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this finding.
- xvii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties.

Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.

- xviii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- xix. In accordance with Rule 16 of the Rules Supra, the essential facts were disclosed by the Authority on 14th February, 2017 to the concerned interested parties. Comments were requested by 21st February, 2017. Comments received on the disclosure statement to the extent considered relevant by the Authority have been considered in this final finding.
- xx. *** in this final finding represents information furnished by an interested party/any other party on a confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxi. The exchange rate for the POI has been taken by the Authority as Rs.62.13 = 1 US\$.

A. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

- 5. The product under consideration notified in the initiation notification is “Aluminium Foil whether or not printed or backed with paper, paper board, plastics or similar packing materials of a thickness ranging from 5.5 micron to 80 micron excluding AluAlu Laminate and Ultra Light Gauge Converted and Capacitor”.
- 6. Aluminium ingots are rolled into sheets called Aluminium flat rolled product (FRP). Aluminium Flat Rolled products (FRP) are rolled further into foils. The essential difference between the two is in thickness. The FRP have thickness greater than 80 microns .the rolled FRP(aluminium foil) may be sold as it is, or, it may be printed or laminated (also called backed) with paper, board, plastic or other packaging materials. Aluminium foils may be printed either by the producers or by converters or by end consumers.
- 7. Aluminium Foil is used extensively for the protection, storage, and preparation of foods and beverages. Major applications of aluminium foil are in the pharmaceuticals industry for packing medicines; food industry for packing processed foods, cigarette industry for wrapping cigarettes & other applications.
- 8. The subject goods is subsumed within Chapter 76 of the Custom Tariff Act, 1975 under subheading No. 7607. However, the Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

Submissions by exporter, importer and other interested parties

- 9. The following are the submissions made by exporters/importers/other interested parties with regard to scope of the product under consideration and like article:

Exclusion claimed by the other interested parties-

- i. **Ultra Light Gauge:**
 - a) Aluminium foil of thickness less than 7 micron should be excluded from the scope of investigation. Domestic industry claimed to have produced less than 7 micron in safeguard petition, now in Anti-dumping, they confess that at time of safeguard, they were not making less than 7 micron, these are two contradictory statements. Further in order to generate, evidence domestic industry has raised few invoices to small influential buyers with whom they have upper hand.
 - b) Aluminium foil of thickness of less than 7 micron is not supplied by the domestic industry as per the specifications required by the user industry, making them unusable. Mere supply will not suffice but rather supplying a product that is capable of being used is the standard that is required to be met in the case at hand.
 - c) 60% of PUC imported is of light gauge and ultra-light gauge. The domestic industry must substantiate why other grades have been included in PUC and not the two products itself.
 - d) Aluminium foil required by the consumers is not sold as per technical specifications by any of the petitioners and must be excluded from the scope of the product under consideration, specifically, Aluminium Foil of thickness less than 7 microns and of thickness between 9 and 12 microns used in lamitubes.
 - e) The domestic industry is not equipped to make the required quality of light gauge foil. Light gauge and ultra light gauge cannot be considered as like products and should be excluded from this petition.
 - f) Domestic industry's claim with respect to manufacturing of foil of thickness of less than 7 micron, upto 5.5 micron and foil of thickness of 6.35 micron has no basis because the domestic industry has not

made available any information related to quantities manufactured and sold during the POI. Nor the details of rejection have been provided by the domestic industry.

- g) Jindal has one new plant of Achenbach and Hindalco has one old obsolete plant of same make. Assuming that both are producing light gauge foil to full capacity, they cannot produce more than 2×1400 tons. This capacity is far less than actual requirements of 3500/4500 MT of light gauge foil alone being imported from China and therefore this product type should be excluded from the scope of investigation
- ii. Exclusion accepted by the Domestic Industry:
- a. Aluminium Foil Composite - “Aluminium foil Composite” (aluminum foil backed with Kraft paper, glass scrim, glass cloth, whether plain or printed) should be excluded. Safeguard Duty investigation against imports of Aluminum Flat Rolled Products and Aluminum Foil to India from China excluded Aluminium Composite Panels from the product scope. Moreover, the final findings show that Aluminium Composite Panels are not manufactured by Hindalco.
 - b. During the oral hearing the petitioners had accepted that they do not manufacture or sell composite aluminium foil. The same has not been accepted in the written submissions.
 - c. Clad with non clad Aluminium- ‘Aluminium- Manganese- Silicon based and/ or clad Aluminium- Manganese- Silicon based alloys, whether clad or unclad: with post brazing yield strength greater than 35 MPA, falling under tariff heading 7607 for use in heat exchangers including radiators, charge air coolers, condensers, oil coolers, heater cores, evaporators, heat ventilation and air conditioning (HVAC) systems and parts thereof.
 - d. Some interested parties require clad with compatible non clad aluminium foil which is used in heat exchangers used specifically only in radiators in vehicles and engines in cooling systems. This is excluded by petitioner.
 - e. Crown cap of beer bottle- No manufacturer of aluminium foils in India has the capability/ technology to produce aluminium foils used on the neck and the crown cap of beer bottles. The specific type of aluminium foils for the purposes of beer bottles range from 8.5 microns to less than 11 microns. The same was excluded during the safeguard investigations in 2009.
- iii. House Hold Foil/Semi-Rigid Container-
- a. The categories of Aluminium Foils which requires specific exclusion are House Hold Foil (HHF) in thickness between 9 microns in alloy AA 8011 and Semi Rigid Container foil (SRC) or Aluminium Foil Container (AFC) foil in thickness between 34 microns and 80 microns made from Alloy 3003.
 - b. Raviraj Foils Ltd does not manufacture House Hold Foil. Hindalco has a miniscule production of which they might be using for their captive consumption. If Anti-dumping duty is imposed on the subject good there will be no one in the market to compete with Hindalco in downstream product segment of House Hold Foil.
 - c. The requirement of SRC is largely in Alloy 3003 which is not being manufactured in India. Hindalco Industries Ltd and Jindal India Ltd have not even replied to enquiries for SRC made of Alloy 3003 because they don't manufacture Alloy 3003. Other domestic producers have also not responded to query suggesting no production of such product type.
 - d. The production of House Hold Foil and Semi-rigid Container in Indian market is not sufficient to meet the requirement of Customers as they lack in quality.
 - e. According to the list of importers in the petition, it can be noted that none are importing raw material Semi-rigid Container/House Hold Foil for Aluminium Foil Containers (AFC) and Aluminium Foil Rolls (AFR). Hence, domestic industry is not affected by AFC/AFR imports and so the same should be excluded from PUC as well.
 - f. The domestic industry has not provided a break up of either capacity or production in House Hold Foil and Semi-Rigid Container foil segment. The product wise capacity must be examined by the authority. On such examination, it will be surely established that domestic industry has grossly insufficient capacity to meet the demand of the Indian market.
 - h) The domestic industry has refrained from commenting on its inability to manufacture even 1614 mm width aluminium foil. The domestic industry has the capability to manufacture aluminium foil upto 1560 mm. At present few users have a width requirement upto 1768 mm and the same is also not being provided by the domestic industry.

- iv. Aluminium foils of thickness 160, 170, 180 and microns used for the production of Vials Seals for injectable for pharma industries should be excluded from the levy of anti-dumping duty as no manufacturer in India manufactures it.
- v. A safeguard investigation and a review were conducted for the subject goods in 2009 and 2011 respectively. The situation has not changed since then and the domestic industry lacks the capability to produce certain type of aluminium foil, which should be excluded from the scope of product under consideration.
- vi. PUC is defined broadly without considering whether the domestic industry is commercially capable of producing the goods. The definition of PUC is very wide and includes wide range of subject goods made of different Aluminium grades, which are not produced by the domestic Industry. Different microns have different usage and objective evaluation cannot be arrived by clubbing the same under one category. There is no disclosure by the petitioner that what kind of goods are produced and sold by them during the POI.
- vii. Quality-
 - a) Pin hole requirements of the packaging industry is 150 per square meter while the domestic industry supplies aluminium foil with pin holes above 500 per square meter. This renders the product unusable and consumers have to resort to imports.
 - b) Consumers require aluminium foil roll width up to 1800 mm whereas the petitioners can manufacture aluminium foil roll width in the range of 1250-1560 mm only.
 - c) Downstream industries use aluminum foils in microns 10.5, 11, 18, 36, 38, 42 and 44 to make aluminium foil containers and aluminum foil rolls. Aluminium foil of these thickness supplied by the petitioner is not usable so the downstream industries are forced to import the subject goods.
 - d) The domestic industry has remained silent on the issue of oil stains, sir pockets, flatness, wrinkling, flapiness and limping of its products and also on the issue of pinhole requirement.
 - e) The foil supplied by domestic industry is unsuitable for use by the pharma packaging industry. Hindalco foil in 8011 alloy cannot be registered with pharma customer as it is out of specification in case of the pinhole parameter, heat resistance, moisture resistance etc.
- viii. Only bare aluminium foil should be included within the scope of the investigation and particularly aluminium whether printed or not printed or backed with paper, paper board, plastics or similar packing materials should be excluded from the scope of the investigation.
- ix. Bare aluminium foil used by some of the interested parties have to be highly flexible, high strength vapour barrier having Class O fire certification as per BS 476 Part 6 and 7 which is not manufacture by the domestic industry.
- x. In the absence of data on sales of the specified thickness made during the POI, it cannot be claimed that domestic industry is manufacturing aluminium foil of thickness less than 7 microns and 12 microns. Evidence of the exact quantities manufactured and sold by the domestic industry during the POI on a monthly basis should be provided.
- xi. The details of the PUC alongwith the PCNs have not been provided by the domestic industry in their written submissions despite the assurance given by them during the oral hearing. A request has been made for exclusion of Cold Formable Foils (popularly known as AluAlu) from the scope of the product under investigation and the construction methodology of the PCNs.
- xii. There is very less import of Aluminium foil of 45-60 microns made from alloy 8021 and having width 900 to 1000 mm, approximately 0.89% of total imports of aluminium foil in India. Thus, it will in no way harm the domestic industry and should be excluded from the product scope.
- xiii. AluAlu laminate is being imported from Korea at 0% duty under the FTA. AluAlu Laminate is excluded from the scope of the current investigation whereas, AluAlu Stock is included. Thus the AluAlu Laminate manufacturing industry is already suffering due to the imports from Korea.
- xiv. Many resellers in the AluAlu Laminate industry have slitting set up for 900mm and 1000 mm and are not in a position to process higher width material as supplied by Hindalco.
- xv. The domestic industry provides guarantee of just 3 months (shelf life) as against the guarantee of 12 months shelf life provided by the exporters of aluminium foil.
- xvi. The product under consideration as defined in the Initiation Notification fails to take into account whether or not the particular types of Aluminium Foil are being produced by the Petitioners.

- xvii. The Aluminium Foil required for its use is not sold as per technical specifications by any of the Petitioners and must therefore be excluded from the scope of the product under consideration.
- xviii. Whether or not a particular thickness of aluminium foil is being produced by the domestic industry must be examined in the period of investigation, failure to supply a particular grade or type of aluminium foil in the period of investigation is a clear indication of the fact that the particular thickness of product is not being manufactured and sold by the domestic industry.
- xix. Machinery imported by Hindalco from the UK is outdated machinery and the issues mentioned in reference to the product currently supplied are going to arise with the new machinery as well.
- xx. Petitioners use old outdated machinery and low quality raw materials which results in additional issues with respect to the product such as presence of oil stains, air pockets, flatness, flapiness and limping, among other things. The local foil converting industry for pharma packaging is facing unfair competition by domestic manufacturers of aluminium like Raviraj who insist on purchase of coated films against their requirement of bare aluminium foil. Domestic manufacturers do not pass through the GMP and HMP audits.
- xxi. Due to high demand-supply gap there are partial supplies, delivery delays and failures on the part of the domestic industry.

Submissions by Domestic industry

9. The following are the submissions made by the domestic industry with regard to product under consideration and like article:
 - i. Product excluded in petition-
 - a. The product under consideration is aluminium foil having thickness from 5.5 micron to 80 micron. Aluminium foils are produced and consumed even below 5.5 micron. However, since none of the petitioning companies produced foils below 5.5 micron, the same has been specifically excluded from the scope of the investigation.
 - b. Specifically excluded are Ultra Light Gauge(converted), AluAlu laminates and Capacitor from the scope of product under consideration for the reason that the petitioning domestic industry is not producing these types.
 - ii. Product excluded in oral hearing-
 - a. "Aluminium Composite Panels" (aluminium foil backed with Kraft paper, glass scrim, glass cloth, etc., whether plain or printed) should be excluded. Safeguard Duty investigation against imports of Aluminium Flat Rolled Products and Aluminium Foil to India from China excluded Aluminium Composite Panels from the product scope. Moreover, the final findings show that Aluminium Composite Panels are not manufactured by Domestic Industry.
 - b. Domestic industry has accepted in their written submissions that Aluminium Foil backed with Kraft paper, glass scrim, glass cloth, etc whether plain or printed may be excluded from the scope of investigation.
 - c. 'Clad with non-clad aluminium foil used in radiators in vehicles and engines and in cooling systems' may be excluded from the scope of investigation.
 - iii. About the product:
 - a. The rolled FRP is a bare foil and may be sold as it is or it may be coated, printed or laminated (also called backed) with paper, board, plastic or other packing materials. Aluminium foils may be printed either by the producers or by converters or by end consumers.
 - b. The product is consumed in different thicknesses depending upon end application requirements. Different market segments have different typical thickness requirements. The cost and price of the product under consideration changes with material composition, coated/ laminated and thickness.
 - c. Different applications of the product under consideration require different composition in the product. Different composition is achieved by using desired composition in the raw material (Foil Stock). In order to achieve the desired technical specifications in the product under consideration, the producer is merely required to requisition right specifications in the Foil Stock - whether sourced in-house or bought from the market.
 - iv. Aluminium foil of thickness less than 7 microns was excluded from the scope of product under consideration under the safeguard investigation carried out in 2009 because the domestic industry at the time of safeguard investigation did not manufacture the same. However, in the present investigation Aluminium foil having thickness between and including 5.5 to 7 which is called ultra light gauge foil

micron should not be excluded from the scope of the present investigation for the reason that is manufactured by the domestic industry and supplied to the downstream consumers in India.

- v. The domestic industry at the time of safeguard investigation comprised only of Hindalco, whereas the domestic industry at present comprises of Hindalco, Jindal India and Raviraj Foils. Jindal India has now manufactured foil of thickness of upto 5.5 microns while Hindalco also manufactured the subject goods of thickness of 6.35 microns and above and has supplied the same to the consumers in India.
- vi. As regards the quality of the subject goods of thickness less than 7 microns, the domestic industry has received several certifications from authorities around the world for their product and also letters of appreciation from their clients for the quality of their products.
- vii. Hindalco has imported five machines for the manufacturing of ULG aluminium foil at its Mouda plant, from its related entity in the UK and has one of the best facilities, comparable to any global manufacturer. However, out of the five units, only two are currently installed and in operation while the rest are still awaiting installation due to adverse market conditions created by dumping of the product under consideration. This was physically shown to the verification team during spot verification visit.
- viii. Regarding the claims of exclusion of aluminium foil of width of 1800mm, it needs to be pointed out that the widest import of aluminium foil to India has been of 1614 mm. A factually incorrect claim has been made by the interested party. Above all, it has not been established that foil below 1800 mm cannot be used in substitution to foil above 1800 mm.
- ix. Certain importers have averred that Semi Rigid Container foil ("SRC") is manufactured by the domestic industry using alloy 8006, whereas they require SRC manufactured using alloy 3003 due to quality concerns and thus they import the same. This argument has no basis and can be justified as follows:
 - a. Hindalco manufactures SRC and sells using alloy 8006. It is well established position that the difference in raw material composition does not lead to a different product unless the end product itself is a different product.
 - b. SRC is being sold by Hindalco at a price much higher than the price at which 8006 alloy SRC is being sold by competition. This clearly implies that the product being sold by Hindalco in the market is not inferior to its competition. Therefore, foil for SRC of 3003 and 8006 cannot be considered as different product types.
 - c. Hindalco produces radiator foil using alloy 3003. If Hindalco can produce one type of foil using alloy 3003, there is no reason why Hindalco cannot produce SRC using alloy 3003. Exclusion of SRC made of alloy 3003 would lead to other users of SRC to import this product and evade ADD.
 - d. The only reason why it does not manufacture SRC using alloy 3003 is that it lacks commercial viability. Hindalco will produce and supply SRC using alloy 3003, provided it is getting orders at reasonable price.
- x. Difference in quality is not a sufficient justification for exclusion of a product as has been held by the Designated Authority and upheld by the Hon'ble CESTAT in the matter of *DSM Idemitsu Limited Versus Designated Authority*.
- xi. The Domestic Industry has supplied goods for aluminium foil containers and aluminium foil rolls. Thus, the product type is being produced and used by consumers and is in commercial competence with the imported subject goods.
- xii. Merely because one of the consumers is not able to use the goods produced and supplied by the petitioners when other consumers in the same segment have used and produced the eventual end product, does not justify exclusion of a product type.
- xiii. Regarding the captive consumption of aluminium foil for house hold foil purposes, the domestic industry is willing to supply the material to downstream users provided it gets viable prices for the same, especially in a situation where the domestic industry is unable to utilise its capacities.
- xiv. The fact that the composition of aluminum in foil produced by petitioner is different from composition of aluminum in the containers (SRC) produced by other producers in India is immaterial. In fact, Hindalco is selling SRC at a price much higher than competition, which clearly shows that the HHF or SRC produced by Hindalco is no way inferior to HHF or SRC being produced by other producers in India using different composition of aluminum
- xv. Concerning the exclusion of lamitubes, the domestic industry has manufactured and supplied the product type to various domestic consumers of the product and regularly continues to do so. If in fact there were any quality concerns, as averred by the importers, the domestic industry would not have received repeated orders for the product.

- xvi. The definition of product under consideration is not wide. Goods not produced by the domestic industry have been specifically excluded from the product scope. Various authorities around the world have considered much wider scope of product under consideration than in the present investigation.
- xvii. It is alleged by the exporters and other interested parties that where the domestic industry is not able to fulfil the demand of the industry with regard to a particular good, that product requires exclusion from the product under consideration.
 - a. The same argument cannot be accepted because any product type should not be excluded just because there is demand supply gap. In fact, allowing dumping in a product where Indian industry is not able to meet the demand shall lead to a situation where Indian industry shall eventually vanish. Larger public interest demands that such industry should be more aggressively protected to save product and production in the Country. The industry needs a fair level playing field in order to remain viable and to grow.
 - b. The petitioning domestic industry invested significant amounts in setting up new production facilities which are producing products comparable to international standards. Hindalco is holding significant facilities uninstalled. If the market for PUC is viable, the company shall install the equipment lying in packed conditions in the warehouse. Should dumping be checked, Hindalco shall further expand the capacities which shall produce products comparable to international markets.
 - c. The machinery of Hindalco has been purchased from Novelis UK. These provide very good gauge and shape control facility. The Achenbach machines used by Jindal India are also state of the art for the ULG production and were brought brand new.
- xviii. Submissions regarding a wider range of Product Under Consideration:
 - a. Merely because the PUC is produced in large number of thicknesses does not imply the scope of PUC is inadmissible or inappropriate. In fact, a number of investigations have been conducted by authority where the PUC includes a large number of different product types. Further, authority has conducted number of investigations where various product types are not homogeneous.
 - b. Different product types have thickness in narrow band. Even when scope of PUC includes a wide range of thicknesses, an analysis of dumping margin, undercutting and injury margin has been undertaken after dividing the product into number of sub-groups and products falling within each sub groups are largely homogeneous.
- xix. Quality concern raised:
 - a. By the own claim of the interested parties, the domestic industry has supplied foils in microns 10.5, 11, 18, 36, 38, 42 and 44 to make aluminum foil containers and aluminum foil rolls. It is not even the contention of the interested parties that the domestic industry is not producing the product type required by them. They claim that goods supplied by the domestic industry are not usable to them.
 - b. The mere fact that one of the consumers is not able to use the goods produced and supplied by the petitioners when other consumers in the same segment have used and produced the eventual end product, does not justify exclusion of a product type.
- xx. Like article:
 - a. There is no known difference in product produced by the petitioners and exported from China. Both products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc.

Examination by the Authority

- 10. Number of interested parties has raised number of issues with regard to the scope of PUC in the present case. It has been contented that the scope of the PUC is too wide and includes a large number of heterogeneous products, which have significantly different cost, price and end use. Further, interested parties have sought exclusion of a large number of product types from the scope of PUC on the grounds that the domestic industry does not produce and supply the product in the desired product type, or, the quality of the product produced and supplied by the domestic industry is different, or, the domestic industry supplies a product in a different product composition. The arguments of interested parties have been examined by undertaking on the spot verification at the premises of the petitioning companies and calling relevant information from the parties.
- 11. Regarding exclusion of product type, it is noted that the product under consideration for the purposes of the present investigation is aluminum foil. The dumping and injury analysis has been done for aluminum foil as a whole. Different types of aluminum foil are comparable in term of essential product characteristics including

physical, production technology, manufacturing process, plant & equipment, functions & usage, etc. Different product types serve the same general function of packaging. While different aluminum foils have different specific end applications, it is noted that all aluminum foil essentially performs the same function. Different categories/types are intended to meet different end-user requirements. The design of the aluminum foil differs as per the end -use requirements. However, the operations and machinery necessary for manufacturing are essentially the same for all kinds of aluminum foil. Therefore, different types of aluminum foils constitute one article and it would not be appropriate to exclude product types, if the domestic industry is manufacturing the like article to the product being imported into India.

12. As far as request for exclusion concerned i) AluAluLaminate (ii) Ultra Light Gauge Converted (iii) Aluminium Foil Composite (iv) Aluminum foil for capacitors (v) Etched or formed Aluminium Foils (vi) Aluminium Composite panels (vii) Clad with compatible non clad Aluminium Foil (viii) Aluminium Foil for beer bottle, the authority notes that the domestic industry has agreed to the exclusion of these product types. The domestic industry has agreed to exclude these product types; the authority proposes to exclude these product types from the scope of PUC.
13. The authority notes that the scope of PUC in any case does not include Aluminium foil below 5.5 micron. Thus, any aluminium foil below 5.5. Micron is beyond the scope of present investigations and proposed recommendations.
14. The domestic industry has excluded following types of PUC at the stage of petition itself.
 - i. Aluminium foil having thickness below 5.5 micron
 - ii. Ultra Light Gauge (ULG converted), and AluAlu laminates
15. The other interested parties have contended that the domestic industry produces and supplies semi rigid container(SRC) and foil using alloy 8006 and 8011 as compared to the alloy used by Chinese suppliers i.e. alloy 3003. The interested parties have also contended that the SRC container made out of 3003 alloys is superior as compared to the Semi-rigid container made out of 8006 alloy. The authority notes that the information on record shows that the SRC container is produced using 8006 and 8011 alloy and sold by the domestic industry at a price higher than the prices at which Semi-rigid container of 3003 alloy has been imported from China. Further, one of the consumers of SRC foil stock has bought SRC foil stock having alloy 8006 from the domestic industry and has also imported SRC foil stock having alloy 3003 from China.
16. The interested parties have actually bought both kind of SRC foil stocks and have sold Semi-rigid containers in the market. There is sufficient evidence to show that Semi-rigid containers having 3003 alloy and SRC container having 8006 alloy have been interchangeably produced and sold by the same set of consumers. Further, no distinctive price difference between the SRC container having 3003 alloy and SRC container having 8006 alloy has been established by the interested parties. It would therefore not be appropriate to exclude SRC foil stock having 8006 alloy or SRC container having 3003 alloy from the scope of PUC.
17. It is also noted that the domestic industry has provided evidence showing production of foil of different application having 3003 as the alloy. This clearly shows that the domestic industry in fact has 3003 alloy available to them for production of desired foils.
18. Regarding exclusion of Semi-rigid Container/House Hold Foil for Aluminium Foil Containers (AFC) and Aluminium Foil Rolls (AFR), it is noted that the product types are imported into India and the domestic industry is producing and supplying the like article to these product type. Different types of aluminium foils constitute one article and it would not be appropriate to exclude product types, if the domestic industry is manufacturing the like article to the product being imported into India.
19. Further, there is no quantified evidence provided by interested parties to show the alleged quality difference between the domestic and imported product. It is also noted that the authority in general does not consider difference in raw material composition sufficient enough to distinguish two products as different articles, unless, it is demonstrated with positive verifiable evidence that the alleged difference in raw material indeed leads to distinctly different products.
20. Ultra Light Gauge Aluminium foil – A number of interested parties have sought for exclusion of ultra-light gauge Aluminium foil from the scope of investigation. Some interested parties have sought exclusion of 5.5. micron ultra-light gauge stating that the domestic industry does not produce this kind of product type. A number of interested parties have sought exclusion of ULG foil on the grounds that ULG foil produced and supplied by the domestic industry does not meet the quality standards required for this product. Further, some interested parties have sought exclusion of ULG having width 1800 mm on the ground that the domestic industry does not produce and supply this width of material.
21. As far as exclusion of ULG 5.5 Micron is concerned, the domestic industry has provided documentary evidence in the form of commercial invoice showing product sale of ULG 5.5. Micron, Since the domestic industry has

produced and supplied ULG 5.5. Micron, the claim of interested parties, that the domestic industry did not produce and supply this type of a product is factually incorrect and therefore could not be accepted.

22. A number of interested parties have contended that the pinholes in the aluminum foil supplied by the domestic industry are far higher than the pinholes in the aluminium foil produced and supplied by the Chinese suppliers. It has also been contended that the consumers of ULG foil do not accept aluminium foil having pinholes beyond 150. It is, however, noted from the document provided by the parties requesting exclusion that Chinese producers and suppliers have produced and supplied the aluminium foil having pinhole upto 500. In fact, the product specification of the Chinese supplier clearly mentions pinhole as 600. It is also noted that there is no standard prescribed by BIS with regard to maximum pinholes that may be in an aluminium foil. Since product specification sheet of the Chinese producers and the domestic industry show pinholes in the region of 200-800 sq./mtr, it cannot be contended that the ULG produced and supplied by the Chinese producers have pinholes upto 500. The authority notes in this regard that if the government has prescribed certain standards of a product and the same are supplied by the domestic industry, the consumers cannot demand that the product type produced by the domestic industry does not meet the desired standards.
23. It has also been contended that the capacities for ULG available with the domestic industry are far lower than the demand for ULG in the country.
24. The DI also contended that Hindalco, one of the petitioner company, has significant capacity for this kind of product type. For this purpose, there are machines lying in stock and the company has not been able to install them yet. M/s. Hindalco has submitted that it has five production line, each of which having 18000 MT capacities, which are capable of making ULG Film out of which the company has installed and made operational only one product line till POI. Further, the company is now in the process of installing one more production line and has still not decided to install the three production lines and inventories. M/s. Hindalco has submitted that dumping of this product type has actually prevented the company from making operational these production capacities.
25. M/s Ravi Raj, being one of the producers of the PUC has provided evidence that they are now in the process of setting up another production line having capacities of 21,000 MT which shall also be dedicated to the production of ULG. The authority notes that the present and potential capacities shall be 40,000MT as against existing demand for this product type.
26. As regards the request for exclusion of ULG having 1800mm width, the authority notes that the questionnaire response file by the importer and the import data do not show the import of ULG in desired width. Since the importer has not imported ULG having 1800 mm width, and further since the import data does not show import of ULG 1800mm, in any case the argument of interested party appears without basis. Further, it is noted that PUC is eventually not consumed in such a wide width. In fact, the PUC is eventually consumed in much smaller width. Thus, the product type produced and supplied by the domestic industry and product type imported from China are interchangeably used. Since the domestic industry has produced and sold an article comparable to imported product, it would not be appropriate to exclude this kind of product from the scope of PUC.
27. As regards the contention that the domestic industry does not have sufficient capacity to meet the demand of ULG in the country, the authority notes if there is a demand supply gap in the country, the foreign producers can certainly fill the gap in the country by bringing the product at a fair price. Demand supply gap does not justify dumping of the product.
28. Regarding the submissions on the product scope in safeguard investigation, it is noted that the Director General Safeguard conducted the investigation in 2009 wherein the petitioner companies and the scope of the product under consideration was also different. The circumstances since then have undergone a change. The Authority has verified the claims of the capability of the petitioner companies and concluded the product scope accordingly.
29. It is noted that the present investigation is against dumping of aluminium foil (including alualu stock) in India causing injury to the domestic industry. Imposition of anti-dumping duty on Alualu stock would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers. It is seen that more than 70% of the imports of alualu stock are being sourced from countries other than China PR. This clearly shows that the consumers are largely buying alualu stock more from countries other than China. Imposition of anti-dumping duty on alualu stock will not affect the availability of the products to the consumers.
30. A number of interested parties have sought exclusion of household foil from the scope of PUC on the grounds that there is only one producer who produces and supplies this kind of foil and this producer is substantially producing the product for its own consumption. The interested parties have also brought evidence to show that some of the interested producers have in fact stated that they do not produce and supply this kind of product. The authority notes that it is not necessary that each and every constituents of the domestic industry should produce and supply

each and every type of product. In fact, in a situation where a large number of producers are producing and selling a product which has a large number of product types, it is quite natural that every producer tends to focus on some product types and none of the producers could wish to produce entirety of the product range. Further, in any case, it is noted that this kind of product type is produced and supplied by more than one producer.

Conclusion on product scope

31. In view of the foregoing, the scope of product under consideration for the purpose of present investigation and proposed measures is as follows :

Aluminium Foil whether or not printed or backed with paper, paper board, plastics or similar packing materials of a thickness ranging from 5.5 micron to 80 micron excluding

- i. *Alu Alu Laminate : AluAlu Laminate of 40 - 50 mic in AA8079 & AA8021, is a multi-layered opaque laminate where Aluminium foil and is backed with plastic film on both side with adhesives; for use in packing capsules/tablets.*
- ii. *Ultra Light Gauge Converted : Ultra Light Gauge Converted is an aluminium foil having thickness of 5.5 6 mic to 7 mic which and is backed with kraft paper & scrim, or glass cloth, whether plain or printed for use in insulation, spices packing, thermal fluid lines covering and tea bags application.*
- iii. *Aluminium Foil Composite: aluminium foil laminated with or backed with Kraft paper and glass scrim or glass cloth with or without poly ethylene, whether printed or not printed. Aluminium foil laminated with or backed with Kraft paper however is within the scope of the product under consideration and proposed measures.*
- iv. *Aluminum foil for capacitors : Aluminum foil for capacitors is an Aluminum foil of 5 micron gauge with smaller widths having 99.35% purity, for use in electrical equipment such as radios, televisions, telephones, computers, microwave ovens, electrical welders, magnetos, electronic testing equipment, copy machines, air conditioners, automobiles, fluorescent lights, mercury vapour street lamps, power transmission equipment, electric motors, control units, and similar articles.*
- v. *Etched or formed Aluminium Foils : Etched or formed Aluminium Foils is Aluminium Foil meant to be used in the manufacture of Electrolytic Capacitor*
- vi. *Aluminium composite panel - Aluminium composite panel is a non-aluminium core (often PE) bonded between two thin layers of aluminium, for use in facade cladding and signage.*
- vii. *Clad with compatible non clad Aluminium Foil: Clad with compatible non clad Aluminium Foil is a corrosion-resistant aluminium sheet formed from aluminium surface layers metallurgically bonded to high-strength aluminium alloy core material for use in engine cooling and air conditioner systems in automotive industry; such as radiator, condenser, evaporator, intercooler, oil cooler and heater.*
- viii. *Aluminium Foil for beer bottle: Aluminium Foil of 10.5 micron with rough surface and perforated whether printed or not; to be used in beer bottle*

32. With regard to like articles, Rule 2(d) of the AD Rules provides as under: -

"like article " means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

33. After considering the information on record, the Authority holds that there is no known difference in product under consideration exported from subject country and the product produced by the Indian industry. The subject product produced by the domestic industry are comparable to the Product under consideration in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.
34. Thus, the Authority holds that the subject product produced by the applicant domestic industry is like article to the Product under consideration, in accordance with the AD Rules.

PCN System

35. The petitioner had determined dumping margin, price undercutting and injury margin at the time of application by following criteria to differentiate different types of the product under consideration.
36. Post initiation, and after receipt of questionnaire responses from various interested parties, the authority proposed following criteria [modal match criteria or product control number system (PCN system)] to differentiate

different types of the product under consideration in order to determine dumping margin, price undercutting and injury margin.

- i. Alloys (1235, 8003, 8006, 8011, 8021, 8079 etc)
 - ii. Product category:
 - a) AluAlu Stock (AA)
 - b) House Foil (HF)
 - c) SRC (SC)
 - d) Other Aluminium foil (OF)
 - iii. Plain (PPP)
 - iv. Printed/coated (PRI)
 - v. Bare Foil (BFO)
 - vi. Backed with paper (BWP)
 - vii. Backed with paper board (BPP)
 - viii. Backed with plastics (BPL)
 - ix. Backed with any other similar packing materials (BSM)
 - x. Micron (05.0, 08.3, 15.0, 70.0, 80.0 etc)
 - xi. Width (4 digit code based on actual width in mm)
37. Comments were invited from all interested parties vide communication dated 10th August, 2016. After receipt of comments from all interested parties, the interested parties were advised to provide additional/supplementary information considering the PCN system determined by the authority. The interested parties provided information in the PCN system decided by the authority. The authority has adopted this PCN system for the purpose of present determination.

B. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

Submissions by producers/exporters/importers/other interested parties

38. The following are the submissions made by exporters/importers/other interested parties have made any submissions in this regard:
- i. The Petition does not have standing as "domestic Industry" as it does not have support of 50% of the industry of Indian market producing the subject goods.
 - ii. Raviraj Industries does not fall under the domestic Industry as it has imported the subject goods from the subject country during the POI.
 - iii. Ravi Raj foils have imported certain quantities of the subject goods. The Authority should analyze the same in detail. Mere quantity of import is not sufficient to examine if they are eligible for being domestic industry.
 - iv. M/s Raviraj Foils Ltd has imported ***of their total production and hence are not eligible to be domestic industry. Further, if this fact is accepted by the authority then the cost and price of only the eligible domestic producers for the purpose of injury analysis must be taken.
 - v. Detailed analysis needs to be made regarding the imports made by M/s. Raviraj Foils from the subject country taking into account the volume of imports and also the nature of use of the imported volumes.
 - vi. The petitioners have cherry picked the companies. Selection of only three companies is intentional to show maximum injury. As per rules, all the producers of like product should have been included as domestic industry.
 - vii. Performance of the industry producing like products should be examined rather than only three producers.
 - viii. M/s PG Foil Limited should not be considered for standing as it is only *** of the market and may be related to the importer or exporter. Its performance would distort the trend of injury. It accounts for a production of ***of the industry while the domestic industry accounts for the production of ***. M/s. PG Foils is doing exceptionally well. So if they are considered for domestic industry then their data should be considered for determination of Non Injurious Price as well.

- ix. Current investigation is without jurisdiction as M/s. Raviraj has been considered as domestic industry even though it has imported product under consideration from China. *** import was considered significant import volume in tiles.

Submissions by the Domestic Industry

39. Following are the submissions made by the domestic industry with regard to scope of the domestic industry and standing:
 - i. Barring M/s. Raviraj Foils, none of the petitioners have imported the product under consideration from the subject country during the POI. M/s. Raviraj Foils have imported negligible volumes from the subject country which amount to *** of their total production. The volume of these imports was low/ insignificant in relation to total imports, Indian demand and Indian production and domestic industry production. Petitioners are eligible domestic industry in terms of Rule 2 (b) of AD Rules.
 - ii. The petitioners constitute domestic industry within the meaning of the Rules, even if M/s. Raviraj Foils is treated as ineligible domestic industry.
 - iii. The petitioners constitute a major proportion of the Indian production and the petitioners satisfy the requirement under Rule 2(b) of the AD Rules.
 - iv. The petition has been supported by those domestic producers whose collective output constitute more than fifty percent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition, as the case may be, to the application. The petition has been filed by those domestic producers whose production constitutes a major proportion. Further, the petition is supported by more than 50% production of those domestic producers who are either supporting or opposing the petition.
 - v. Notwithstanding other arguments, the Designated Authority has considered proportion less than *** as a major proportion of total Indian production in a number of cases.

Examination by Authority

40. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.
41. The application was filed by M/s. Hindalco Industries Ltd., M/s. Raviraj Foils Ltd. and M/s. Jindal India Ltd. and was supported by M/s. PG Foils Ltd. Further, there are a few other producers of the subject goods, apart from the applicants and supporters.
42. As per the Anti-dumping Rules, the Authority is required to examine whether (a) domestic producers expressly supporting the application account for more than twenty five percent of the total production of the like article by the domestic industry; and (b) the application is supported by those domestic producers whose collective output constitute more than fifty percent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition to the application. The applicants constitute 41% of the total domestic production and with support of PG Foils; applicants constitute 56% of the total Indian production.
43. The present investigation is supported by the Aluminium Association of India. The Association has expressed their concern towards the significant dumping taking place of the subject good from the subject country. The Association supports the present investigation and wants anti-dumping duty to be imposed against the dumped imports of the subject goods from China.
44. The Authority considers that none of the applicants needs to be excluded from the scope of domestic industry since none of them, barring M/s. Raviraj Foils, have imported the subject goods from the subject country during the period of investigation, nor are they related to any exporter or importer of the subject goods. It is noted that M/s. Raviraj Foils has imported the product under consideration from China PR.
45. It has been contended by the interested parties that M/s. Raviraj Foils cannot be treated as domestic Industry, as it has imported the subject goods from the subject country during the POI. The Authority has examined imports made by M/s. Raviraj Foils Ltd. in detail considering the volume of imports made by them in absolute terms and in relation to their own production, Indian production, and imports from China and demand/consumption in India. Table below demonstrates.

Table-1

| | UOM | POI |
|---|-----|----------|
| Production Ravi Raj | MT | *** |
| Demand in India | MT | 1,24,788 |
| Imports in absolute term | MT | *** |
| Imports from China | MT | 71,938 |
| Imports in relation to imports from China | % | *** |
| Imports in relation to their production | % | *** |
| Imports in relation to Indian Consumption | % | *** |

46. It is also noted that M/s. Raviraj Foils has sold the imported subject goods after refurbishing the same to the domestic market. The authority called information on imports by the company after the POI. It was found that the volume of imports by the company have increased after the POI. Though the imports of the subject goods by M/s. Raviraj Foils from China PR is not so significant, but since almost all the imported subject goods were sold in the domestic market, and the company has given no plausible reasons for importing the product when the company itself is engaged in production of the product, the Authority finds that the company has unduly benefited from such dumping. Therefore, the Authority holds that it would not be appropriate to consider M/s. Raviraj Foils as a constituent of the domestic industry.

47. The Authority notes that after exclusion of M/s. Raviraj Foils from the scope of eligible domestic industry, the domestic industry standing requirement under Rule 2(b) is fulfilled by the other two petitioners i.e. Hindalco and Jindal India, along with the support of another producer i.e. PG Foils Ltd.

Production of the industry without M/s. Raviraj Foils

Table-2

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI Annualised | POI (Apr'14-June'15) |
|---------------------------------|-----------|---------------|---------------|---------------|----------------|----------------------|
| Petitioners Production | MT | 15,532 | 14,677 | 13,283 | 17,077 | 21,346 |
| Supporter Production | MT | *** | *** | *** | *** | *** |
| Petitioners including Supporter | MT | *** | *** | *** | *** | *** |
| Other Producers Production | MT | *** | *** | *** | *** | *** |
| Total Indian Production | MT | 39,139 | 37,779 | 39,465 | 42,165 | 52,706 |
| Share of Petitioners | % | 40 | 39 | 34 | 41 | 41 |
| Share of Supporter | % | *** | *** | *** | *** | *** |
| Petitioners including Supporter | % | *** | *** | *** | *** | *** |
| Share of Other Producers | % | *** | *** | *** | *** | *** |
| Total | % | 100 | 100 | 100 | 100 | 100 |

10. The Authority had written a letter to the Ministry of Mines and Department of Industrial Policy and Promotion and asked for the list of producers of the subject good in India along with the data of production, capacity of production, imports of the subject goods made from the subject country, if any for the period 2011-12 to 2014-15.

The letter was duly replied by the Ministry of Mines enclosing information showing the list of producers of the subject goods in India and production of the major producers. Hence Aluminium Association of India was considered as representative of the producers of the subject good.

48. In view of the above and after due examination, the Authority holds that the applicants, with the exclusion of M/s. Raviraj Foils Ltd. satisfy the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules. Applicants except M/s. Raviraj Foils Ltd. satisfy the requirement of standing under the Rules. Further, the applicants excluding M/s. Raviraj Foils Ltd. constitute domestic industry within the meaning of Rule 2(b).

C. CONFIDENTIALITY

Submissions by exporter, importer and other interested parties

49. The exporter, importer and other interested parties made the following submissions:

- i. Deficient petition was filed by the domestic industry as against the proforma. Excessive confidentiality has been claimed and non-confidential version has not been provided for various information.
- ii. Excessive confidentiality is claimed by the domestic industry such as price undercutting margin in the petition, share of the petitioner without the supporter, production data. Whereas standing data is never kept confidential, data for normal value determination on the basis of price in India, annual reports of the company are available in public and therefore there is no reason why that should be kept as confidential.
- iii. Due to excessive and unjustified allocation/apportionment of depreciation and interest, the non-injurious price determined by the domestic industry is against the principles enunciated under Annexure III of the AD Rules and the same has been wrongly inflated, accordingly, the injury margin has also been wrongly determined.
- iv. Excessive confidentiality has been maintained by the domestic industry. The basic assumptions based on which the domestic industry has attempted to draw or structure period of investigation, without idle time have not been provided to enable interested party to comment thereon.
- v. Excessive confidentiality has been claimed by the petitioner on the following:
 - a) Purchase policy, sales policy, store accounting policy, quality control policy.
 - b) Audited annual accounts for the POI as well as preceding 3 years.
 - c) Price undercutting margins has not been provided.
- vi. No excess confidentiality is claimed by the users/importers in communication exchange with domestic industry regarding the quality of the goods or its inability to supply the product and the same has been provided in the written submissions.
- vii. The Domestic Industry has claimed excessive confidentiality in providing soft copy of transaction-wise import in MS Excel format, Purchase Policy, Sales policy, Store accounting policy, quality control policy, Audited annual account for the Period of investigation as well as preceding 3 years, Normal Value computation of China PR.
- viii. The business license contains business sensitive information and therefore the same has been claimed confidential.

Submissions by Domestic industry

50. The Domestic Industry made the following submissions:

- i. The responding exporters have resorted to excessive confidentiality in a bid to prevent the domestic industry from defending its interests. The interested parties have claimed even their Business License as confidential document. Article 63 of the Regulations of the People's Republic of China on the Administration of Company Registration clearly states that such business license should be on an "eye-catching position". Thus, it should be publicly available. Such publicly available information cannot be claimed as confidential information.
- ii. Two responding exporter groups have other related entities manufacturing the subject goods in the subject country whose names have been claimed to be confidential in the Exporter Questionnaire Responses. It is stressed here that this information is in public domain and does not merit any confidentiality.

- iii. Only Loften Environmental Technology Co. Ltd., QigdaoLoften Aluminium Foil Co. Ltd. and Loften Aluminium (Hong Kong) (which is a Hong Kong based exporter only) have filed their questionnaire responses. The other three exporters have not filed their questionnaire responses, however they manufacture the subject goods and their names are available on the website of the company. Since such information is publicly available, any confidentiality claim made in that regard stands nullified.
- iv. Producers and exporters of the Dingsheng group have claimed the names of other related producers as confidential. Their information is also available publicly.

EXAMINATION BY AUTHORITY

51. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule(2),(3)(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

52. Submissions made by the interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed accordingly. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential.

D. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

Submissions by exporter, importer and other interested parties

53. The exporter, importer and other interested parties made the following submissions:

- i. It is important for the domestic industry to supply aluminium foil which meets the specific requirements of the user industry. Supply of foil that is not capable of being used cannot be considered as supply of the particular grade.
- ii. Imports are made majorly due to two reasons, first is that the domestic industry is not able to meet the specific requirement of the market and secondly it is not able to cater to the demand of the market.
- iii. No evidence related to quality of the goods, rejection of the goods or inability/regret to supply particular types of products has been provided by the Domestic Industry. The Domestic Industry has always abstained from doing so and the interested parties never got an opportunity to comment on that. And if such evidences are filed with rejoinder, the Authority should reject those submissions.
- iv. No invoice of production of ULG of 5.5 micron and foil thickness of 12 micron is attached with the submissions of the domestic industry.
- v. Domestic industry has abstained from providing a lot of information without any reason, such as bifurcation of imports on the basis of thickness, information on price undercutting, dumping margin & injury margin on PCN basis. Domestic industry did not give any reason for not providing that information or did not even treat them as confidential information.

- vi. Hindalco Industries have got many divisions in the Aluminium chain starting from Ingot to the PUC. They have a policy of transfer pricing to transfer the Ingot to the sheet stage, then the sheet to the foil division, etc. the DA must strictly scrutinize the same to thwart any attempt of the domestic industry to pad up losses on other accounts to PUC in order to take undue benefits of AD duty.
- vii. Domestic industry claims to be a multi-product company and therefore they cannot estimate actual manufacturing expenses.
- viii. Letters of appreciation by the clients is not made available to the interested parties.
- ix. Current LME and SME price along with exchange rate has already made import of foil unviable.
- x. Once ADD is imposed on product under consideration, it will create a monopolistic situation and the prices shall be increased by the domestic industry, resulting into closure of wide spread SMEs who are dependent on this product. Hence it will be against public interest.
- xi. The application submitted by the domestic industry is incomplete and is in contradiction with the facts as are contained in the Annual Reports of the domestic industry. The petition is based on unacceptable assumptions, distorted data and is also not supported with necessary evidence in this regard.
- xii. Injury margin when computed should consider the landed value based on 7.5% customs duty and not ***.
- xiii. As a result of excessive and unjustified allocation/ apportionment of depreciation, NFA, working capital, capital employed and interest. The NIP determined by the domestic industry is against the principles enunciated under Annexure-III of the AD rules and the same has been wrongly inflated.
- xiv. The petitioners have conceded to the fact that the investigation before Director General Safeguards has been terminated on account of withdrawal of the petition. This shows that the petitioner was unable to establish dumping. Hence, it is not appropriate for the domestic industry to mention that case as investigation initiation against import of Aluminium foil in India. The claims of the petitioners that there is no connection between the petition before DG safeguards and the present petition is misplaced, wrong and denied.
- xv. The reason for resorting to imports as against sourcing from the domestic industry is not primarily linked with the import price rather it is related to the quality and the requirement of the end users in terms of the technical properties required.

Submissions by Domestic industry

54. The Domestic Industry made the following submissions:

- i. Safeguard investigation for the product was earlier conducted considering period of investigation as April 2008 – December 2008. Facts found by the Director General Safeguards are however no longer applicable to the facts of the present case. The position of domestic industry has materially changed since imposition of safeguard duties, particularly with regard to scope of the product under consideration and product types that are being made by domestic industry. In view of the same, petitioner requests authority to kindly ignore the conclusions drawn in safeguard investigation for the present purposes.
- ii. The scope of domestic industry considered in the safeguard investigation was much different than the scope of domestic industry for the present purpose. While only Hindalco constituted domestic industry at the time of safeguard investigations, M/s. Hindalco, M/s. Jindal India and M/s. Raviraj Foils constitute domestic industry in the present case.

Examination by the Authority

- 55. Various submissions have been made by the interested parties with regard to miscellaneous issues and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
- 56. The argument of insufficient information provided by the domestic industry in the application filed by them, the Authority notes that the application contained all information relevant for the purpose of initiation of investigation. The Authority, only after satisfaction that application contained sufficient evidence to justify initiation of the investigation decided to initiate the present investigation. Further, subsequent to initiation, information has been sought from the applicant to the extent deemed necessary and the same has been provided by the applicant for the purpose of the present findings. The Authority notes that quality and quantity of evidence improves as an investigation progresses.

- i. Regarding the invoices of product type, the same is provided by the petitioners on confidential basis and the Authority has appropriately examined it. Commercial invoices are commercial sensitive information and cannot be disclosed.
- ii. Regarding the arguments of injury margin calculations, it is noted that injury margin is based on Non injurious price which is calculated as per the methodology prescribed in Annexure 3 of the AD Rules. Further, the custom duty as prevailing during period of investigation is adopted which settle arguments regarding custom duty.
- iii. As per the submissions of the other interested parties the anti-dumping duty would result in monopolistic situation, it is noted that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
- iv. As far as the argument of demand supply gap is concerned, it is noted that if the exporters wanted to supply the goods to meet the requirement in Indian market that could be done by exporting the requirements at a price equivalent to normal value but not at a dumped value to capture the market.
- v. Regarding the argument that current LME and SME price along with exchange rate has already made import of foil unviable, it is noted that this argument has no relevance for the purpose of anti-dumping investigation. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market.
- vi. As argued by the other interested parties about the capability, quality and specifications of the product manufactured by the domestic industry and those imported in to India, it is noted that since the product manufactured by the domestic industry is held as like article to the product being imported into India and the two are used interchangeably by the users/importers, such issues raised by the interested parties without concrete evidence to establish the same, has no relevance.
- vii. Regarding the argument of petitioner companies being multi product or multi division company, it is noted that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's performance. The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.

F. Market Economy Treatment (MET), Normal Value, Export Price And Dumping Margin

57. 'Normal Value' under the Rules-

According to Section 9A (1) (c) of the Customs Tariff Act, 1975 'Normal Value' in relation to an article means: -

comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Submissions by exporter, importer and other interested parties

58. The following are the submissions made by exporters/importers/other interested parties have made any submissions in this regard:

- i. As per paragraph 10 of the Initiation Notification, normal value has been claimed on the basis of cost of production in India, duly adjusted. This is in contravention of the requirements of law under Annexure 1(7) of the ADD Rules.
- ii. The Authority has relied upon the data provided by the petitioners, which is the last option provided under Annexure 1(7) of the ADD Rules. Authority can resort to the last option only if first two options of paragraph 7 of Annexure I are exhausted and the same was held by the Hon'ble Supreme Court in the matter of *Shenyang Matsushita S. Battery Co. Ltd Vs. Exide Industries Ltd and Others [(2005) 3 SCC 39]*.
- iii. As per Annexure I Paragraph 7 of the AD Rules it is mandatory to inform the parties to the investigation about the selection of third country market economy along with reasonable time to provide their comments. The normal value ascertained for China is incorrect and authority should convey the international price of raw materials and consumption norms of the material and utilities.
- iv. Petitioner has considered Marine Insurance @ *** of the FOB where as in reality it is only *** on FOB. Also there is commission paid on the goods imported from Chinese Industries. Export price determined in the petition lacks supporting evidence. The dumping margin is based on erroneous normal value which has artificially increased due to lowered export prices.
- v. Dumping margin should be calculated by using information provided by the exporters in response to the exporter's questionnaire. The dumping margin determined in the petition is flawed. Injury should be analysed by excluding imports of the goods requested for exclusion.
- vi. Information on price undercutting and dumping margin and injury margin based on PCN wise is not enclosed
- vii. The petitioners have not been able to establish any injury being suffered by them due to the imports. Their own data shows that they lack the capacity to meet the domestic demand.
- viii. Use of raw material prices as per the petitioner's procurement prices should not be accepted by the authority as they are distorted.
- ix. The investigation must be terminated as petitioners have no merit in the case and further, they have already got an extra protection by way of ***increase in the basic customs duty which makes BCD now at 7.5% as provided in Budget 2016

Submissions by Domestic Industry

59. The domestic industry inter alia submitted as follows:

- i. China is a non-market economy country. No country has granted market economy status to China. Further none of the exporters satisfy each and every condition developed from jurisprudence to qualify for grant of market economy status. Thus, the Chinese producers' cost and price cannot be relied upon for determination of normal value.
- ii. Petitioners resorted to the last option as they did not have information required for an appropriate market economy third country. The interested parties also had sufficient time and opportunity since initiation of investigation to suggest an appropriate market economy third country and produce appropriate evidence for the same. There is no bar in interested parties suggesting an appropriate market economy third country.
- iii. These interested parties had opportunity to lodge their independent claims. If the interested parties have failed to exercise their rights and discharge their obligations, they cannot find fault either with the petitioners or with the authority.
- iv. India is an appropriate surrogate country for China as it would result in access to accurate and adequate information. Further, India has been considered as an appropriate surrogate country by other investigation authorities too.
- v. The normal value has been determined accordingly on the basis of cost of production in India, duly adjusted, in view of the fact that the selling price is a loss making price.
- vi. The petitioners have relied upon transaction wise import data provided by DGCI&S for calculation of export price.

- vii. In view of significant difference in the cost of and price of various product types, petitioners have determined separate export price for each product type.
- viii. Owing to difference in costs and price of various product types, the dumping margin has been determined separately for each type. It is seen from the above that the dumping margins are not only de-minimis but also substantial.
- ix. Petitioners have adopted conservative approach in making adjustments for the calculation of export price. The Authority has, since initiation of present investigation, received responses from exporters. The Authority may verify the export price adjustments and adopt appropriately.
- x. The interested parties had sufficient time and opportunity since initiation of investigation to suggest an appropriate market economy third country and produce appropriate evidence for the same. There is no bar in interested parties suggesting an appropriate market economy third country. In fact, the Designated Authority would require sufficient evidence and claim to adopt an appropriate market economy third country. The interested parties have itself not exercised its rights and is merely engaged in pointing allegations.
- xi. The export prices have been determined with sufficient supporting evidences. The claim of import price is based on customs data and therefore has to be considered most authentic. Petitioner have enclosed with these submissions estimates of dumping margin without making any adjustments whatsoever from the export price.

Examination by the Authority- China as non-market economy

60. Article 15 of China's Accession Protocol provides as follows:

"Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

- (a) *In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*
 - (i) *If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*
 - (ii) *The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*
- (b) *In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.*
- (c) *The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*
- (d) *Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."*

61. Article 15 implies that provisions of one of the subparagraph shall expire 15 years from date of China's Accession. The provisions of this paragraph expired in 11th Dec., 2016. Since the factum of dumping causing

injury to the domestic industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone is relevant, appropriate and necessary for the purpose of present investigation. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is April, 2014 to June, 2015. Since the subparagraph of Article 15 was in existence during the period of investigation, the Authority may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

62. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
63. Authority notes that following exporter/producers have responded and filed questionnaire response.
 - a) Alcha International Holding Ltd.
 - b) Dingsheng Aluminium Industries Hong Kong Trading Co Ltd.
 - c) Hangzhou Dingheng Import & Export Co. Ltd.
 - d) Hangzhou Five Star Aluminum Co. Ltd.
 - e) JinagsuAlcha Aluminium Co. Ltd.
 - f) JinagsuDingsheng New Material Joint - Stock Co. Ltd.
 - g) Loften Environmental Technology Co. Ltd.
 - h) Qingdao Loften Aluminium Foil Co. Ltd.
 - i) Loften Aluminium (Hong kong)
 - j) Zhejiang Zhongjin Aluminium Industry Co. Ltd
 - k) Zhejiang GKO New Material Co. Ltd.
64. The Authority notes that none of the exporters/producers have claimed MET except Loften Environmental Technology Co. Ltd.

Examination of Market economy claims

65. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti-Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provides information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China PR are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether: -
 - a. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and
 - d. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.
66. The Authority notes that Loften Environmental Technology Co. Ltd from China PR have responded to the questionnaire pertaining to market economy status and to the exporters' questionnaire, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporters were examined for determination of normal value of the responding producers/ exporter of the subject goods.
67. Further, Vide letter dated 5th August, 2016 Loften Environmental Technology Co. Ltd withdrew their claim of market economy treatment.
68. Therefore in view of the withdrawal of market economy treatment claim by the exporter and producer from China PR, the Authority has not granted market economy treatment to the company and has adopted the constructed normal value for determination on normal value in terms of Para-7 to Annexure-1 to the Rules.

Normal value determination for China PR

69. In view of the above, the Authority has determined normal value having regard to para-7 of Annexure-I for the purpose of present investigation. The normal value for the subject products imported from China PR into India has been constructed considering optimum consumption norms of the domestic industry for major raw materials, cost of raw materials as per domestic industry prices, conversion cost, interest, SGA etc. at the levels allowed for the domestic industry. *** of cost of sales excluding interest has been allowed towards reasonable profit.

E. Determination of Export Price

70. The following producers/exporters filed exporter's questionnaire (EQ) response in the present investigation

- a) Alcha International Holding Ltd.
- b) Dingsheng Aluminium Industries Hong Kong Trading Co Ltd
- c) Hangzhou Five Star Aluminum Co. Ltd.
- d) Hangzhou Dingheng Import & Export Co. Ltd.
- e) Jinagsu Alcha Aluminium Co. Ltd.
- f) Jinagsu Dingsheng New Material Joint - Stock Co.Ltd.
- g) Loften Aluminium (Hong kong)
- h) Loften Environmental Technology Co. Ltd.
- i) Qingdao Loften Aluminium Foil o. Ltd.
- j) Zhejiang Zhongjin Aluminium Industry Co. Ltd
- k) Zhejiang GKO New Material Co. Ltd.

Determination of Export Price of Hangzhou Five Star Aluminum Co. Ltd, Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd ("Jiangsu Dingsheng") and Hangzhou Dingsheng Import & Export Co., Ltd. ("Dingsheng I&E"), Dingsheng Aluminium Industries Hong Kong Trading Co Ltd

71. During the POI, three entities within the Dingsheng Aluminium Group were involved in production of the subject goods, namely Hangzhou Five Star Aluminium Company Limited ("Hangzhou Five Star"), Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd ("Jiangsu Dingsheng") and Hangzhou Dingsheng Import & Export Co., Ltd. ("Dingsheng I&E"). In respect to exports of the subject goods to India, Jiangsu Dingsheng, Dingsheng I&E and Dingsheng Aluminium Industries (Hong Kong) Trading Company Limited ("Dingsheng Hong Kong") were involved in exporting the subject goods to India within the Dingsheng Aluminium Group. All the aforesaid entities have participated in the investigation and a verification of the data submitted by the entities was conducted.
72. The goods produced by Hangzhou Five Star have been exported to India through Dingsheng I&E, Jiangsu Dingsheng and Dingsheng HK. In addition, Jiangsu Dingsheng, a producer and exporter, exported the goods to India directly, through Dingsheng I&E and through Dingsheng HK. Further, Dingsheng I&E exported the subject goods directly to India and through Dingsheng HK.
73. The Dingsheng Aluminium Group primarily exported aluminium foil of thickness less than 7 micron during the POI to India. However, it also exported certain quantities of aluminium foil of higher thickness such as 9 micron, 10 micron, 12 micron, 20 micron, etc, to India.
74. The total exports by the Dingsheng Aluminium Group during the POI was *** tonnes. The ex-factory export price was determined after making the price adjustments on account of inland transportation, ocean freight, ocean insurance, credit cost, bank charges, port and handling expenses and non-refundable VAT. The dumping margin of the above exporting and/or producer for their direct as well as indirect exports have been worked out as mentioned in the dumping margin table.

Export price of M/s. Qingdao Loften Aluminium Foil Co. Ltd, M/s. Loften Environmental Technology Co. Ltd. and M/s. Loften Aluminium (Hong Kong) Limited

75. During the POI, it is noted that M/s. Loften Aluminium (Hong Kong) Limited had exported *** MTs of the subject goods produced by its two related companies namely M/s. Qingdao Loften Aluminium Foil Co. Ltd *** MTs and M/s. Loften Environmental Technology Co. Ltd. ***MTs.
76. The export sales of Loften Aluminium (Hong Kong) Limited are on CIF/FOB/CNF basis and are on TT/LC/COD terms. The Company has claimed expenses towards inland transportation and Ocean Freight, Port handling charges, credit expenses and bank charges, wherever applicable for adjustment to arrive at ex- factory export price. The dumping margin of the above exporting and/or producer for their direct as well as indirect exports have been worked out as mentioned in the dumping margin table.

Export price of Zhejiang Zhongjin Aluminium Industry Co. Ltd

77. During the examination of the response, it was noted that the above producer/exporter exported ***MT of aluminium foil to India during the POI.
78. The Company has claimed expenses towards inland transportation and Ocean Freight, Port handling charges, credit expenses and bank charges, wherever applicable for adjustment to arrive at ex- factory export price. The dumping margin of the above exporting and/or producer for their direct as well as indirect exports have been worked out as mentioned in the dumping margin table.

Export price of Jiangsu AlchaAluminum Co. Ltd., China (Producer) and Alcha International Holdings Limited, Hong Kong (Exporter)

79. The data/information furnished by the Company was analysed by the Authority. It is noted that, the extent of cooperation with the Authority with respect to the subject goods exported by this group is within the scope of the exclusions mentioned above. It is as follows :

Aluminium- Manganese- Silicon based and/ or clad Aluminium- Manganese- Silicon based alloys, whether clad or unclad: with post brazing yield strength greater than 35 MPA, falling under tariff heading 7607 for use in heat exchangers including radiators, charge air coolers, condensers, oil coolers, heater cores, evaporators, heat ventilation and air conditioning (HVAC) systems and parts thereof.

This is excluded from the scope of product under consideration for the purposes of the present investigation. Therefore, the information filed in the questionnaire response filed by Jiangsu AlchaAluminum Co. Ltd., China (Producer) and Alcha International Holdings Limited, Hong Kong (Exporter) is not relevant for the purposes of the present investigation and no export price has been determined for the same.

Export price of Zhejiang GKO New Material Co. Ltd.

In the present investigation, “Zhejiang GKO New Materials Co Ltd” has filed Exporter questionnaire response.

It is noted that the exporter failed to provide relevant information in their exporter questionnaire despite opportunities provided by the Authority. Further, one of the related company namely “***.” (hereinafter “Aluminium Stock”) is engaged in production and sale of the subject goods. The exporter claimed that the related company, “Aluminium Stock” has not exported the product to India during POI. However, no information to substantiate the same has been provided by the exporter. Further, some partial information has been filed by the exporter at significantly belated stage of the proceeding even after the second hearing. Consequently, and in view of the above position, the Authority does not determine individual export price and does not grant individual margins to Zhejiang GKO New Materials Co Ltd, China PR.

All other Producers/Exporters from China PR

80. The Authority notes that no other producer/exporter from China PR has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producer/exporter from China PR, the Authority determined their export price on the basis of best available information as mentioned in the dumping margin table.

F. Determination of Dumping Margin

81. The export price to India (net of all the adjustments claimed by the exporter and accepted by the Authority) have been compared with the normal value to determine dumping margin. The dumping margin during the POI for all exporters/producers from subject country has been determined as provided in the table below:

Table-3
DUMPING MARGIN TABLE

| Producer | Exporter | Normal value | Export price | Dumping Margin | Dumping Margin % |
|--|--|--------------|--------------|----------------|------------------|
| Zhejiang Zhongjin Aluminium Industry Co. Ltd | Zhejiang Zhongjin Aluminium Industry Co. Ltd | *** | *** | *** | 50-60 |
| Qingdao Loftan Aluminium Foil Co. Ltd. | Loftan Aluminium (Hong Kong) Limited | *** | *** | *** | 50-60 |

| | | | | | |
|---|--|-----|-----|-----|-------|
| Loften Environmental Technology Co. Ltd. | | | | | |
| Hangzhou Five Star Aluminium Company Limited, Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd., Hangzhou Dingsheng Import & Export Co. Ltd., | Hangzhou Dingsheng Import & Export Co., Ltd. Dingsheng Aluminium Industries (Hong Kong) Trading Company Limited Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd., | *** | *** | *** | 20-30 |
| Residual other | | *** | *** | *** | 60-70 |

G. INJURY AND CAUSAL LINK

Submissions by exporter, importer and other interested parties

82. The following submissions were made by producers/exporters/importers/other interested parties with regard to injury to the domestic industry:

- i. There is a difference between the actual production capacity of the petitioner and publicly available data. The petitioner's capacity in base year 2011-2012 has increased from 100 points to 114 during the POI.
- ii. The domestic industry has used its capacities to produce non PUC to a good extent and has not declared it. The Domestic Industry seems to have utilized its capacity to a large extent but have not declared the same.
- iii. The petitioners have been unable to establish any injury being suffered by them due to imports. Their own data shows that they lack the capacity to meet the domestic demand.
- iv. There is a difference between the production process of the subject good of exporters and the Domestic Industries leading to increase in the cost of production by INR ***/MT. Hindalco may be asked for its data as their plant is new and hi-tech.
- v. There's acute demand supply gap. Even if the industry run in 100% capacity utilization it will not be able to cater the demand of the industry. The demand is ever increasing, it increased by 25% as compared to the base year and industry is not able to meet the increased demand. Demand will increase more in coming years. So import is done due to non-availability of goods in the domestic industry. Even if the domestic industry were functioning at full capacity, the domestic industry would be able to meet only *** of the total demand. During the POI the demand supply gap was at ***%.
- vi. Domestic industry has been able to maintain its share in the market on consistent basis over the injury period as it was 21.70% during 2011-12 and it was 21.02% during POI, a marginal decline only. It is further stated that the domestic industry has failed to produce the subject goods in accordance with quality and technical specification as are required by the end users. Therefore, the importers are compelled to import the same.
- vii. It is clear that there had been no injury to the domestic industry on account of the volume of the production. There's no price effect.
- viii. Import price has been steadily rising and has slightly came down on account of fluctuation of the prices of raw material etc. The domestic industry has not suffered injury on this account. The determination of price undercutting is unfounded as the same is in contradiction with the financial results being reflected in the annual reports of the companies.

- ix. Price underselling analysis cannot be used for as factor in determining that the domestic industry is suffering injury. It becomes relevant when it is determined that the domestic industry is suffering material injury and the amount of duty is to be determined.
- x. There is no price suppression and price depression as the production and sale of the domestic industry has been increasing on regular basis and the financial results of the companies are showing reasonable profits. Further the data provided is distorted.
- xi. There have been baseless adjustments made while determining the export price for exporters from China PR. The actual at of the exporter must be considered by the authority.
- xii. No injury has been caused to the domestic industry on account of capacity utilization, production and domestic sales. Profitability of the industry has decreased due to internal issues. Decline in profitability is linked to the depreciation cost, internal expenses and policy decision of the petitioner. If injury is due to high depreciation cost, duty cannot be imposed. Analysis of all the companies individually makes it clear that all the companies increased their depreciation by leaps and bounds.
- xiii. Profits, Cash Profits and Return on Capital Employed have been arrived at by distorting the facts as against the profitability of the domestic producers as is being reflected in their respective annual reports.
- xiv. The Domestic Industry was performing negatively whether the duty was in place or not. This indicates presence of some internal issues. There has to be a reason why the company is suffering losses in the foil sector.
- xv. There is absence of causal link between dumping and injury.
- xvi. Hindalco Industries have got many divisions in the Aluminium chain starting from Ingot to the PUC. There are chances that Hindalco is transferring its price of PUC to ingot to the sheet stage etc. So they can show losses in PUC instead of Ingot or Sheet Division. So claim of injury stands disputed.
- xvii. A lot of consumers have shifted from Aluminium container to plastic container so that cannot be determined for Injury.
- xviii. The data provided by the Domestic Industry is distorted and erroneous to show COP, NSR and profitability and price effects.
- xix. The production process of the product under consideration of the domestic industry is different than the exporters.
- xx. There is no decline in the economic parameters relating to domestic industry. There is no decline in sales, production and sales value. There is increase in capacity and capacity utilization. There has been a significant increase in the net fixed assets but however, there has been no corresponding increase in the capacity in 2013-14 as compared to the previous year.
- xxi. Stock/ Inventories, Employment and wages and Growth-There had been no injury to the domestic industry on account of these parameters. Rather, the domestic industry itself has reduced its installed capacity during 2013-14 from 59, 281 MT to MT during 2013-14.

Submissions by Domestic industry

83. The domestic industry has *inter alia* made the following submissions with regard to the injury and causal link:

- i. Imports from subject country have increased considerably since the base year. Import volume from subject country have increased as compared to imports from other countries and also when compared to Indian production.
- ii. Since there is significant difference in cost and price between different types of Aluminium foils, the petitioners have determined separate price undercutting for each type of the subject goods imported into India. The weighted average import prices (after including basic customs duties) have been significantly below the selling prices of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting.
- iii. The imports of the subject goods are depressing the prices of the domestic industry.

- iv. The demand for the product under consideration is far higher than what the domestic industry can produce and sell. Therefore, the domestic industry should have achieved much higher level of capacity utilization. However, the capacity utilization of the domestic industry was at considerably low levels due to dumping of the product in the country. Further, whatever volumes were sold by the domestic industry, the same had to be sold at significantly loss making prices. The domestic industry has suffered both adverse volume and price effect.
- v. Market share of Indian producers has declined significantly over the period. Further, market share of other countries in total imports, have also decreased over the injury period. Despite increase in demand and commencement of fresh capacities, domestic industry is unable to increase its market share.
- vi. The domestic industry has been suffering financial losses since 2012-13 and such losses are increasing with the increase in dumped imports. The dumped imports are adversely affecting the cash profits of the domestic industry. The cash profits have severely declined over the period to the extent that the domestic industry suffered significant cash losses during the POI. Return on capital employed has deteriorated substantially and became negative since 2012-13. Return declined significantly in POI.
- vii. The decline in profits is far higher than the increase in depreciation and interest costs. Moreover, it is not understood how increase in depreciation and interest costs falls in the category of "other factors". On one hand, consumers have contended that the domestic industry had an obsolete plant. On other hand, consumers are contending that the interest cost and depreciation costs have increased. If the industry had an old plant, it is natural that its replacement would lead to increase in depreciation and interest costs.
- viii. The domestic industry is holding significant levels of inventories of the product under consideration which has increased significantly over the injury period.
- ix. Both dumping margin and injury margin for the subject country is not only more than de-minimis but also substantial.
- x. The production facility for the PUC cannot be used for making other products. As far as production facilities for the product under consideration are concerned, these are in fact dedicated production facilities.
- xi. No verifiable information has been provided by the interested parties while contending that production process of the exporters and domestic industry is different. Further, no verifiable information has been provided to establish that the alleged difference means a difference in cost of production by Rs. *** pmt. The statement is based on presumptions and assumptions without any verifiable information/evidence.
- xii. It is a well settled principle of law that the domestic industry needs to be seen as it exists.
- xiii. The annual reports do not contain information on the product under consideration but it shows the performance of the company as a whole which involves various other products and thus cannot be relied upon. The petitioners have provided actual figures to the Authority, which the Authority may adequately and appropriately verify.
- xiv. As regards the claim of the interested parties that there are chances that Hindalco is transferring its price of the product under consideration to ingot to the sheet stage etc., the authority shall consider records maintained by the company. If the records maintained by the company are on the basis of cost of production, the authority shall allow a reasonable profit thereon.
- xv. It is by now a well settled principle of law that demand-supply gap is not a ground for non imposition of anti dumping duty. Imposition of anti dumping duty is against the unfair trade practice being practiced by the exporters and aims at providing a level playing field to the domestic industry. It does not bar imports. Further, as stated earlier the domestic industry is producing and supplying all types of aluminum foil. Thus, exclusion of any product type from the scope of PUC and consequently from the imports data does not arise.
- xvi. The petition clearly establishes that imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market and that imports were suppressing and depressing the prices of domestic industry. Whereas cost of production has increased over the period, the import prices have declined in the POI. Further, while import price did increase upto 2013-14, the increase in the import price was far lower than the increase in cost of production.

- xvii. Increase or reduction in interest, depreciation or any other such costs has no relevance whatsoever to ability or inability of a company to increase its selling price. While increase in depreciation and interest cost forces the company to increase the price, it does not have any impact on its ability. The ability to increase or reduce the price is dependent on dumping of product in the country and not on increase or reduction in interest, depreciation or any other such cost.
- xviii. The Authority has been considering price underselling as an important factor of injury. Furthermore, as stated by the interested parties, the price underselling calculation is required to determine the duty amount, i.e., the amount required to counter injury being caused by dumped imports. Thus, the calculation actually shows the injury being suffered by the industry. Positive underselling thus shows injury actually being suffered by the domestic industry. Other jurisdictions also consider this parameter as a parameter establishing injury to the domestic industry.
- xix. The injury margin determined by the petitioners is *** in the POI. Thus, increase in customs duty by *** in theory implies reduction in injury margin by the proportionate extent. The injury margin in any case continues to be extremely significant.
- xx. In order to satisfy the requirement of standing, it needs to be shown that the application has support of those producers whose collective production constitutes more than 50% of the total production in India. Thus Authority has rightly considered PG Foil's share of production in considering standing.

Examination by the Authority

- 84. The Authority has taken note of submissions made by the interested parties. The Authority has examined the injury to the domestic industry in accordance with the Antidumping Rules and considering the submissions made by the other interested parties.
- 85. Regarding argument of difference in data provided by the petitioners and that available publically, it is noted that the findings of the Authority is based on the verified data. Further, public statements do not alter the conclusion based on verified data by the Authority.
- 86. As regards the submission of difference in production process, it is noted the difference in the process employed does not lead to different products, unless the resultant grades of products themselves differ in terms of essential product properties. Further, it is noted that while imposing anti-dumping duty the position that has to be considered is not in the context of ideal conditions but in the specific circumstances of the domestic industry.
- 87. As regards the submissions of absence of injury, the injury analysis carried out hereunder is self explanatory to establish that the dumping has caused injury to the domestic industry.
- 88. Regarding argument that the petitioner companies are using capacities for producing non PUC, it is noted that during the verification conducted by the Authority, it was found that the capacities for production of the product concern is dedicated. Hence, the argument by the interested party is incorrect.
- 89. As regards the argument of extra protection of 2.5% increase in basic custom duty, the Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market. Increase in custom duty cannot be the basis to allow the unfair trade practices of dumping in the Country.
- 90. As regards the argument of shift in demand to plastic container, it is noted that the demand of product under consideration has increased significantly over the injury period.
- 91. As regards the argument that the losses are due to other products, the Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's performance. The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.
- 92. Regarding the argument that suppression and depression is because of increase in interests and depreciation, it is noted that the Authority proceeded with the analysis after factoring the impact of increase in depreciation and interest. It was found that the imports from subject country still is suppressing and depressing the prices of the domestic industry.

93. Further, public statements like annual reports of companies do not alter the conclusion that dumping of the product has contributed to injury to the domestic industry.
94. As regards the submission that separate injury analysis is required, the Authority notes that as per the Anti-dumping Rules, injury is required to be determined for the domestic industry as a whole. Regarding the argument that profitability is because of increase in interests and depreciation cost, it is noted that the Authority analysed after factoring the impact of increase in depreciation and interest. It was found that the imports from subject country are negatively affecting the profitability of the domestic industry.
95. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigations with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed as below:
96. The AD Rules require the Authority to examine injury by examining both volume and price effect. A determination of injury involves an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic industry. With regard to the volume of dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree.
97. As regards the consequent impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure II of Antidumping rules states as under:-
- (iv) The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.*
98. It is not necessary that all parameters of injury show deterioration. Some parameters may show deterioration; while some may show improvement. The Designated Authority considers all injury parameters and thereafter concludes whether the domestic industry has suffered injury due to dumping or not. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and arguments in the submissions.
99. Authority notes that information has been provided in respect of like article to the extent feasible and separately available. Since some of the Petitioner companies are multi-product companies, the Authority has relied on the information with regard product under consideration and on the basis of records maintained by the Petitioner companies. The published financial results of the Petitioner companies are of no relevance in this regard, as this information does not pertain to product under consideration alone and relate to overall performance of these companies.

Assessment of Demand

100. The demand of the product under consideration in India has been determined as the sum of sales of the Indian producers and imports from all sources. The Authority notes that the demand of the product under consideration has increased over the injury period.

Table-4

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI Annualised |
|--------------------------------|----------------|------------|------------|------------|----------------|
| Sales of domestic Industry | MT | 14,259 | 12,737 | 12,551 | 16,037 |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>89</i> | <i>88</i> | <i>112</i> |
| Sale of Other Indian producers | MT | 13,446 | 12,552 | 13,500 | 14,892 |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>93</i> | <i>100</i> | <i>111</i> |
| Total Domestic Sales | MT | 27,705 | 25,289 | 26,051 | 30,929 |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>91</i> | <i>94</i> | <i>112</i> |
| Imports- Subject Country | MT | 37,953 | 40,740 | 45,499 | 60,911 |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>107</i> | <i>120</i> | <i>160</i> |

| | | | | | |
|--------------------------|----------------|------------|-----------|------------|------------|
| Imports- Other Countries | MT | 13,182 | 7,316 | 8,349 | 8,284 |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>56</i> | <i>63</i> | <i>63</i> |
| Total Demand | MT | 78,839 | 73,345 | 79,899 | 100,124 |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>93</i> | <i>101</i> | <i>127</i> |

Volume Effect of Dumped Imports and Impact on Domestic Industry

Import Volume and Market Share

101. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The volume of imports of the subject good from the subject country have been analyzed as under:

Table-5

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI Annualised |
|---|----------------|------------|------------|------------|----------------|
| Import Volume | | | | | |
| Subject Country - China | MT | 37,953 | 40,740 | 45,499 | 60,911 |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>107</i> | <i>120</i> | <i>160</i> |
| Other Countries | MT | 13,182 | 7,316 | 8,349 | 8,284 |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>56</i> | <i>63</i> | <i>63</i> |
| Total Imports | MT | 51,134 | 48,056 | 53,848 | 69,195 |
| Market Share | | | | | |
| Subject Country - China | % | 74 | 85 | 84 | 88 |
| Other Countries | % | 26 | 15 | 16 | 12 |
| Total Imports | % | 100 | 100 | 100 | 100 |
| Imports from Subject Country in relation to Demand | % | 48 | 56 | 57 | 61 |
| Imports from Subject Country in relation to Indian Production | % | 97 | 108 | 115 | 144 |

102. It is noted that that

- the volume of imports from subject country have increased in absolute terms over the injury period.
- Imports from subject country have increased in relation to total imports of product under consideration in India.
- Imports from subject country have increased in relation to production and consumption in India over the injury period.

Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

Price Undercutting

103. With regard to the effect of dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports when compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

104. In order to determine whether the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and

the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level. For the purpose, the Authority notes that there is significant difference in the prices of different types of the product under consideration. Therefore, the Authority has compared landed price of imports with the selling price of the domestic industry for comparable types. Thus, weighted average price undercutting has been determined after considering associated import volumes. This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in the subject country were imported into the Indian market at prices which were lower than the selling prices of the domestic industry. It is thus noted that imports of subject goods were undercutting the domestic prices and margin of undercutting is shown as per the table below:

Table-6

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI Annualised |
|-------------------------|---------|---------|---------|---------|----------------|
| Landed price of Imports | Rs./Kg. | 190.68 | 205.47 | 213.84 | 209.33 |
| Trend | | 100 | 108 | 112 | 110 |
| Net Sales Realization | Rs./Kg. | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | 100 | 100 | 101 | 102 |
| Price Undercutting | Rs./Kg. | *** | *** | *** | *** |
| Trend | | 100 | 31 | 3 | 38 |
| Price Undercutting | % | *** | *** | *** | *** |
| Price Undercutting | % Range | 10-20 | 0-10 | 0-10 | 0-10 |

Price underselling

105. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from China PR. For this purpose, the NIP determined for the domestic industry has been compared with the landed price of imports for each product type. Comparison of weighted average NIP of the domestic industry with weighted average landed price of imports shows as follows:

Table-7

| Particulars | Unit | Amount in Rs. |
|-------------------------|---------|---------------|
| | | China PR |
| Landed Price of Imports | Rs./Kg. | 209.33 |
| Non Injurious Price | Rs./Kg. | *** |
| Price Underselling | Rs./Kg. | *** |
| Landed Price of Imports | \$/Kg. | 3.37 |
| Non Injurious Price | \$/Kg. | *** |
| Price Underselling | \$/Kg. | *** |
| Price Underselling | % | *** |
| Price Underselling | % Range | 20-30 |

It is seen that the landed price of the subject goods from China were significantly lower than the NIP determined for the domestic industry.

Price Suppression/Depression

106. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which

otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown as per the table below:

Table-8

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI Annualized |
|-------------------------|----------------|------------|------------|------------|----------------|
| Landed Price of Imports | Rs./Kg. | 190.68 | 205.47 | 213.84 | 209.33 |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>108</i> | <i>112</i> | <i>110</i> |
| Cost of Production | Rs./Kg. | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>111</i> | <i>132</i> | <i>132</i> |
| Selling Price | Rs./Kg. | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>100</i> | <i>101</i> | <i>102</i> |

It is seen that costs of the domestic industry increased over the injury period but the selling price of the domestic industry has not increased in proportion to increase in cost. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry in the market and prevent in the price increases that would have otherwise occurred.

J. Economic Parameters Relating to the Domestic Industry

107. Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

108. Accordingly, various economic parameters of the Domestic Industry are analyzed herein below.

H. Sales, Capacity, Production, and Capacity Utilization

109. The performance of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity & capacity utilization was as follows:

Capacity, Production, Capacity utilization & Sales

Table-9

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI Annualised |
|----------------------|----------------|------------|------------|------------|----------------|
| Installed Capacity | MT | 34,000 | 53,031 | 36,754 | 36,754 |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>156</i> | <i>108</i> | <i>108</i> |
| Production | MT | 15,532 | 14,677 | 13,283 | 17,077 |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>94</i> | <i>86</i> | <i>110</i> |
| Capacity utilization | % | 46% | 28% | 36% | 46% |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>61</i> | <i>79</i> | <i>102</i> |
| Domestic Sales | MT | 14,259 | 12,737 | 12,551 | 16,037 |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>89</i> | <i>88</i> | <i>112</i> |
| Demand | MT | 78,839 | 73,345 | 79,899 | 100,124 |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>93</i> | <i>101</i> | <i>127</i> |

110. Authority notes that the capacity, production and sales of the domestic industry have increased. However, the increase in production and sales is far lower than increase in demand of the product under consideration in India. The demand of the product under consideration in India has increased by 27% as compared to 10% and 12% of increase in production and sales respectively. The domestic industry is unable to increase the Capacity utilization of the domestic industry has not increased since the base year.

II. Market Share in Demand

111. The effects of the dumped imports on the market share of the domestic industry have been examined as below:

Table-10

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI Annualised |
|-----------------------------|------|---------|---------|---------|----------------|
| Domestic Industry | % | 18 | 17 | 16 | 16 |
| Other Indian Producers | % | 17 | 17 | 17 | 15 |
| Indian Producers as a whole | % | 35 | 34 | 33 | 31 |
| Subject Country | % | 48 | 56 | 57 | 61 |
| Other Countries | % | 17 | 10 | 10 | 8 |

112. It is noted that market share of the domestic industry has slightly dropped in the POI as compared to the base year whereas market share of the subject country has increased over the injury period. Market share of Indian producers has declined significantly over the period. Further, market share of other countries have also decreased over the injury period. Considering the positive price undercutting and increase in market share of China, it is concluded that the market share of the domestic industry has declined as a direct result of dumped imports from China PR.

III. Profit/Loss, Cash Flow, Return on Capital Employed

113. The profit/loss, cash profits and return on investment of the domestic industry has been analysed as follows:

Table-11

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI Annualised |
|----------------------|----------------|------------|-------------|---------------|----------------|
| Cost of Sales | Rs./Kg. | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>111</i> | <i>132</i> | <i>132</i> |
| Selling Price | Rs./Kg. | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>100</i> | <i>101</i> | <i>102</i> |
| Profit/Loss | Rs./Kg. | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>-318</i> | <i>-1,041</i> | <i>-965</i> |
| Profit/Loss | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>-280</i> | <i>-908</i> | <i>-1,078</i> |
| PBIT | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>-77</i> | <i>-358</i> | <i>-365</i> |
| Cash Profit | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>-104</i> | <i>-384</i> | <i>-446</i> |
| Return on Investment | % | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>-23</i> | <i>-81</i> | <i>-102</i> |

114. The Authority notes that the domestic industry has earned profit in the base year. However, the profitability of the domestic industry deteriorated significantly thereafter and the domestic industry suffered financial losses

which increased in the POI. Return on investment over the injury period has shown the same trend as that of profits. Profit before interest and taxes (PBIT) has declined to negative levels. The return on investment (ROI) for the domestic industry declined to negative levels. Cash profits have also shown the same trend as that of profits. Cash profits declined since base year with a significant deterioration in the investigation period.

IV. Employment and Wages

115. The position with regard to employment, wages and productivity is as follows:

Table-12

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI Annualised |
|---------------------------|----------------|------------|------------|------------|----------------|
| Employment | Nos. | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>109</i> | <i>68</i> | <i>83</i> |
| Wages | Rs. Lacs | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>107</i> | <i>76</i> | <i>91</i> |
| Productivity per employee | MT/Nos | *** | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | <i>Indexed</i> | <i>100</i> | <i>87</i> | <i>125</i> | <i>133</i> |

116. It is noted that the employment levels of the domestic industry has declined in 2013-14 and increase during period of investigation. Wages paid have shown the same trend. Productivity of the domestic industry has increased.

V. Inventories

117. The data relating to inventory of the subject goods are shown in the following table:

Table-13

| Particulars | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI Annualised |
|-------------|---------|---------|---------|---------|----------------|
| Opening | MT | *** | *** | *** | *** |
| Closing | MT | *** | *** | *** | *** |
| Average | MT | *** | *** | *** | *** |
| Trend | Indexed | 100 | 284 | 475 | 521 |

118. It is seen that inventories with the domestic industry have increased throughout the injury period. The inventory has increased by around 500% during POI as compared to the base year.

VI. Growth

Table-14

| Growth from Base Year | Unit | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | POI Annualised |
|-----------------------|------|---------|---------|---------|----------------|
| Production | MT | - | -855 | -2,249 | 1,545 |
| <i>Trend</i> | % | - | -6 | -14 | 10 |
| Domestic Sales Volume | MT | - | -1,661 | -1,806 | 1,663 |

| | | | | | |
|---------------|----------|---|------|--------|--------|
| <i>Trend</i> | % | - | -12 | -13 | 12 |
| Cost of Sales | Rs/Kg. | - | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | % | - | 11 | 32 | 32 |
| Selling Price | Rs/Kg. | - | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | % | - | -0 | 1 | 2 |
| Profit/ Loss | Rs/Kg. | - | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | % | - | -418 | -1,141 | -1,065 |
| ROI | % | - | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | % | - | -123 | -181 | -202 |
| Cash Profits | Rs. Lacs | - | *** | *** | *** |
| <i>Trend</i> | % | - | -204 | -484 | -546 |

119. The Authority notes that growth of the domestic industry with regard to production, domestic sales was positive during period of investigation. The growth with respect to selling price, profit, ROI and cash profit was negative, despite positive growth in demand for the product in the Country. On the whole, the growth of the domestic industry has been negative over the injury period.

Ability to raise capital investment

120. The Authority notes that the performance of the domestic industry has deteriorated considerably which has affected its ability to raise capital

Level of dumping& dumping margin

121. It is noted that subject country imports are entering the country at dumped prices and that the margin of dumping is significant.

VIII. Factors affecting prices

122. The examination of the import prices from the subject country, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc shows that the landed value of imported material from the subject country is below the selling price and the non-injurious price of the domestic industry, causing significant price undercutting as well as price underselling in the Indian market. Thus, the factor affecting the domestic prices is landed value of subject goods from subject country.

IX. Conclusion on Injury

123. It is thus seen that there has been a significant increase in the volume of dumped imports from subject country in absolute terms. The imports have increased significantly in relation to consumption and production of the product in India. Imports have thus increased both in absolute terms and in relation to production and consumption in India. The dumped imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market. Dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price suppression. Effect of dumped imports has been to prevent price increase which otherwise would have occurred, to a significant degree. The domestic industry is suffering significant price underselling. The dumping margin determined by the Authority is quite significant. With regard to consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that dumped imports from China have adversely impacted the performance of the domestic industry in respect of production, domestic sales, capacity utilization, inventories, market share, profits, cash profits and return on investment. Whereas the demand for the product under consideration has increased over the injury period and its production, sales volumes, capacity utilisation and market share has not increase in proportion to increase in demand. Inventories with the domestic industry increased. Further, as a result of significant price undercutting and suppression, profitability of the domestic industry deteriorated so significantly that the domestic industry was suffering significant financial losses. Further, the domestic industry suffered cash losses and negative return on investment during the POI. The Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury.

K. CAUSAL LINK

124. The Authority has examined other factors listed under the Antidumping Rules which could have contributed to injury to the domestic industry for examination of causal link between dumping and material injury to the domestic industry.

I. Imports from third countries

125. The Authority has examined the imports data of the subject goods from DGCI&S. It is noted that imports from third countries are negligible and could not have caused claimed injury to the domestic industry

II. Contraction in demand

126. There has been rise in demand of the product concerned over the injury period. Possible decline in demand could not have caused injury to the domestic industry.

III. Changes in the patterns of consumption

127. The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any material change. Therefore, changes in the pattern of consumption cannot be considered to have caused injury to the Domestic Industry.

IV. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

128. There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the Domestic Industry.

V. Developments in technology

129. Technology for production of the product concerned has not undergone any change. Thus, developments in technology cannot be regarded as a factor causing injury to the domestic injury.

VI. Export performance

130. The performance of the domestic industry and injury there to has been examined with respect to the domestic performance to the extent possible. Possible deterioration in the export performance of the domestic industry is, therefore, not a possible cause of injury to the domestic industry.

VII. Performance of the domestic industry with respect to other products

131. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's performance. The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.

VIII. Productivity of the domestic industry

132. The Authority notes that the productivity of the domestic industry has followed the same trend as production. Deterioration in productivity is not a cause of injury to the domestic industry.

L. Factors establishing causal link

133. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has deteriorated due to dumped imports from subject country. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- a) Imports are undercutting the prices of the domestic industry. The volume of imports has increased significantly.
- b) The price undercutting has led to significant increase in market share of imports and decline in market share of the Indian industry.
- c) The presence of dumped imports in the country is suppressing the prices of the domestic industry despite increase in cost.
- d) The subject imports are underselling the product sold by the domestic industry.
- e) Deterioration in profits, return on capital employed and cash profits is a direct consequence of dumped imports.
- f) As a result of significant price undercutting, production, sales and capacity utilisation of the domestic industry has not increase in proportion to increase in demand
- g) The growth of the domestic industry became negative in terms of a number of price and volume related economic parameters.

The Authority is of the view that material injury to the domestic industry has been caused by dumped imports

M. Magnitude of Injury Margin

134. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry determined has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during POI. The injury margin determined are as under:-

Table-15
INJURY MARGIN TABLE

| Producer | Exporter | NIP | Landed Value | Injury Margin | Injury Margin % |
|--|---|-----|--------------|---------------|-----------------|
| 1. Zhejiang Zhongjin Aluminium Industry Co. Ltd | 1. Zhejiang Zhongjin Aluminium Industry Co. Ltd | *** | *** | *** | 50-60 |
| 1. M/s. Qingdao Loftan Aluminium Foil Co. Ltd | 1. Loftan Aluminium (Hong Kong) Limited | *** | *** | *** | 40-50 |
| 2. M/s. Loftan Environmental Technology Co. Ltd. | | | | | |
| 1. M/s. Hangzhou Five Star Aluminium Company Limited, | 1. Hangzhou Dingsheng Import & Export Co., Ltd. | *** | *** | *** | 20-30 |
| 2. M/s. Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd., | 2. Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co. Ltd. | | | | |
| 3. M/s. Hangzhou Dingsheng Import & Export Co. Ltd. | 3. Dingsheng Aluminium Industries (Hong Kong) Trading Company Limited | | | | |
| Residual other | | *** | *** | *** | 50-60 |

N. Post disclosure Comments

135. Following comments have been made by various interested parties i.e Domestic Industry, Zhejiang GKO New material China, Svam Packaging, Bilcare Research, Zhejiang GKO New material China, Indian Flexible packaging and Folding Carton Manufacturers association, Hangzhou Five Star Aluminium Co Ltd, Jiangsu Dingsheng New Material joint stock, Hangzhou Dingsheng Import and Export Co Ltd, Dingsheng Aluminium Industries (Hong Kong) Trading co Ltd., Veeram Natural Products, Jiangsu Zhongji Lamination Material o Ltd, M/s. Zhejiang Zhongjin Aluminium Industry Co. Ltd Zhejiang GKO New material China, Jiangsu Alcha Aluminium Co Ltd , Alcha International Holdings Ltd, UP Twiga Fiberglass Ltd, Mahle Behr India Private Limited, Nagreeka Indcon Products (P) Ltd, India Overseas Exports Pvt. Ltd, Nagreeka Synthetic Pvt Ltd, Nagreeka Foils Ltd, International Traders, Flora Industries, Scraft Products Pvt Ltd, Purple Incorporation, Rockdue Impex, Qingdao Loftan Aluminium Foil Co, Loftan environmental technology Co Ltd, Loftan Aluminium (Hong Kong) Ltd and Ploycom Associates in response to the disclosure

Submissions by exporter, importer and other interested parties

136. The following submissions were made by producers/exporters/importers/other interested parties

- i. The interested parties have repeated their contentions with regard to exclusion of product types. Goods that require exclusion are
 - a. House Hold Foil, thickness between 9 microns to 18 microns in Alloy AA 8011
 - b. Semi rigid container foil or Aluminium foil Container thickness between 34 microns and 80 microns made from Alloy 3003
- ii. The interested parties have requested for the exclusion of House hold Foil thickness between 9 micron to 18 micron in Alloy AA8011 and semi rigid container and aluminium foil container thickness between 34 micron and 80 micron made from Alloy 3003.
- iii. The product for which exclusion sought is neither like article or produced by the domestic industry and they are not even substitutable.
- iv. Blanket dealing of issues is unjustified and the Authority is requested to examine the issue in specific and in detail.
- v. Injury to the domestic industry is self inflicted due to high cost of production and obsolete technology and process adopted.
- vi. Injury to the domestic industry is self inflicted due to high cost of production and obsolete technology and process adopted.
- vii. No necessary clarification like product scope, consolidated injury analysis for the POI were given to the interested parties.

- viii. The Authority has not dealt with the cases cited by the Exporters such as Vitrified Tiles Provisional Findings, SDH Final Findings, and Purified Terephthalic Acid final findings.
- ix. Authority is requested to provide PCN to PCN calculation of dumping margin.
- x. The Authority has considered raw material prices of the domestic industry to construe normal price for China but has not taken international prices for major raw material for construing normal value for China. As a general practice the Authority adopts international prices for determining the normal value but the in the instant investigation the Authority has taken input given by the Authority. Authority may explain the reason for doing so.
- xi. The authority may provide constructed normal value and dumping margin calculation for the PCN exported by exporters in India.
- xii. The Authority may kindly give a hearing to the interested parties.
- xiii. There's very few imports of aluminium foil 45-60 micron using Alloy 8021 so it will no way harm the domestic industry.
- xiv. Alu Alu laminate should be included under the scope of the product under consideration because the same is being imported from Korea on paying 0% duty, which is harmful for the industry.
- xv. Alu ALu Stock 45-60 micron in thickness of 900-1170 is not manufactured and supplied by even a single producer of domestic industry.
- xvi. AluAlu laminate is already coming from Korea duty free due to FTA. If the duty is imposed on the major raw material the entire industry of AluAlu laminate will shut down.
- xvii. The proposed oral hearing was cancelled due to appointment of a new Designated Authority and no intimation was given with regard to rescheduling of hearing.
- xviii. Zhejiang GKO New material China has fully cooperated with the investigation and has asked the Authority if Aluminium Stock should file a questionnaire response but the Authority did not reply on the same. The Authority has wrongly held that despite several opportunities the exporter did not furnish relevant information. Authority should examine the response filed by the exporter and give individual dumping margin
- xix. Though the exporter's (Jiangsu Zhongji Lamination Material Co Ltd) name is not there in the known exporters but the exporter has been careful enough to provide all the documents and information to the Authority. The Exporter has provided all the account break sheet and has provided all the information. There is no reason why the exporter's name should not be in the list of cooperative exporter.
- xx. The Authority has rejected the request to exclude aluminium foil less than 7 micron on the ground that the domestic industry is manufacturing the PUC. Authority has treated the invoices given by the domestic industry as confidential whereas the other interested parties were directed to provide the invoices as an evidence of the goods supplied and the same was provided by the other interested parties.
- xxi. The Authority should examine on the monthly basis the number of ordered placed and the orders rejected by the consumers.
- xxii. The Authority should make the invoices non confidential and provide the same to the other interested parties.
- xxiii. Regarding the issue of pinhole it the internal report of the Chinese producers, it shows that the pinhole count in the goods supplied by them is not more than 100-200. If the product supplied has more than prescribed pinholes the product becomes unusable. It spoils the purpose of packaging and makes the food stale.
- xxiv. Aluminium foil of 1800 mm cannot be used in the machine of aluminium foil used for smaller width. 1800 mm is not imported in the present but is expected to be imported in future. At present the imports are upto 1614 mm only. The domestic industry does not have the capability to produce aluminium foil of high width because the domestic industry has width restriction. Accordingly aluminium foil of high width should not be excluded.
- xxv. The aluminium foil produced and supplied by the domestic industry has serious quality issues.
- xxvi. The new machines acquired by M/s. Hindalco are second hand machines of Novelis and Hindalco has got it after acquiring Novelis. Even if the machines are taken as new, any new machinery will take one to two years to be fully operational. So the demand supply gap cannot be filled up immediately.
- xxvii. The capacity shown is not only for ULG but for other types of goods as well. It needs to be checked that whether the domestic industry is capable of making ultra light gauge.
- xxviii. Aluminium foil below 7 micron should be excluded from the scope of Product under consideration.
- xxix. The domestic industry has been cherry picked. The other producers, which consist of 59% of the producers, are performing very well including the supporter P G foils.
- xxx. The Authority should use the international prices .e. LME prices, to compute normal value.
- xxxi. Taking international prices for computation of normal value has been a well adopted practice of the Authority. There's no reason the Authority should use the domestic industry input cost.
- xxxii. Authority has failed to disclose if it has factored the high interest rate of the domestic industry in order to determine the normal value.
- xxxiii. Most of the data related to injury determination has been kept confidential by the Designated Authority and the same is disclosed in the petition. There are several findings where the Authority has revealed the data related to injury parameters.
- xxxiv. Especially after exclusion of Raviraj foils the other party needs to understand the data. The Authority should provide the absolute data instead of indeed one.

- xxxv. It is not clear from the disclosure statement if the Authority has used revised import data, after excluding the goods from the scope of the investigation.
- xxxvi. Injury cannot be seen merely by trends of import but it should have effect on the performance of the domestic industry.
- xxxvii. The import volumes are higher than what is shown in the petition despite exclusion of several goods from the scope of investigation.
- xxxviii. The domestic industry has been doing fairly well and has been able to increase its production and sale. The domestic industry is not able to meet the demand of the market because it has decreased its capacity by 30%.
- xxxix. The import has increased marginally as compared to the previous year but the profitability has declined steeply. There's no connection between the both.
- xl. Decline in profitability is due to other factors. The Authority has failed to declare if it has factored the increase in depreciation and interest in regard to impact of profitability as well.
- xli. There's no causal link because when the import increased in the POI and the same year production and sale of the domestic industry also increased. The domestic industry is not suffering material injury.
- xl.ii. The exporter thanks the Authority for excluding Clad with compatible non clad Aluminium Foil.
- xl.iii. The Authority is requested to take the same view while issuing the final finding.
- xliv. The Authority has excluded Aluminium foil composite. But the Authority is requested to make certain amendments in the description of the product.
- xl. v. The word Aluminium foil composite should not be used because this is a general term and does not signifies the product imported by the importer.
- xlvi. The petitioner has accepted that the product imported by the importer can be excluded from the scope of the investigation.
- xl. vii. The product which should be excluded is " Aluminium foil laminated with or backed with various combinations of glass scrim and/or kraft paper and/or glass cloth with or without poly ethylene, whether printed or not printed"
- xl. viii. And/or should be included before kraft paper and glass cloth. Also *backed with various combination* should be used.
- xl. ix. The Authority has excluded Aluminium-Manganese-Silicon based and/or clad aluminium-Manganese-Silicon based alloys, whether clad or unclad. The description of the product should be included in the list of descriptions based on the fact that at the time of customs clearance, the authorities undertake the testing of the product.
- l. At the time of testing if the above alloy is present in the product namely aluminium manganese and/or silicon then the process is more direct.
- li. If the total Indian production is taken into consideration the total share of the domestic industry is only 24.5% which is less than the threshold of 25%. The Indian production is much more than what the figure is considered by the Authority. The all the figures are kept confidential which does not it feasible to make proper comment on standing.
- lii. There's no single importer who imports raw material I.e. SRC/HHF for Aluminium Foil Container (AFC) or Aluminium Foil Rolls (AFR)/.
- lii. iii. The requirement of SRC is largely in Alloy 3003, which is not manufactured by anyone in India.
- liv. Jindal Aluminium and Gujarat Foils have clearly stated that they cannot supply SRC made up of Alloy 3003
- lv. Alloy 3003 is non-substitutable because there is serious quality concern.
- lvi. The quantity of SRC imported is very low as compared to other Product under consideration whereas 60% of the import consists of ULG.
- lvii. Domestic industry does not have the capacity to cater to the demand of the domestic market and the capacity shown of the domestic industry is exaggerated.
- lviii. Anti-dumping duty of any amount in excess to 2.5% imposed on SRC foil then it will lead to serious abnormality, where the goods will attract lower import duty.
- lix. SRC foil of thickness 34 and 80 microns made of Alloy 3003 and HHF between 9 to 18 microns in Alloy AA8011 should be excluded.
- lx. Manufacturers of Aluminium foil laminate, which is used by cable manufactures. There's only one supplier in the market of the said goods and that is Hindalco. After imposition of duty it will be very difficult because there will be only one source to buy the said god.

Submissions by the Domestic Industry

137. The domestic industry inter alia submitted as follows

- i. The domestic industry requests the Authority to provide the documents such as break up of non injurious price, verification reports of exporters (non confidential version) and communications sent by the Authority to all the interested parties and their replies. The documents should be provided to the domestic industry to enable them to make relevant comments
- ii. Authority is requested to give detailed clarity on the excluded goods for the purpose of proper implementation.
- iii. The custom classification is indicative only. Only the contents of duty table are relevant. The Authority should specify in the duty table that the Product under consideration attracts duty regardless of the customs classification under which the goods are being imported.

- iv. Exclusion of M/s. Raviraj not justified because it imported insignificant amount of Product under consideration. At the same time M/s. Raviraj made value addition to the product and has sold it. They haven't sold the Product under consideration.
- v. Dumping margin of M/s. Hangzhou Five Star Aluminium Company Limited, M/s. Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd, and M/s. Hangzhou Dingsheng Import & Export Co. Ltd is very low. The Authority is requested to disclose the product type sold by the above exporter.
- vi. Determination of Non injurious price is inappropriate and against the object and intent of the dumping law. The NIP is required to be revised upwards.
- vii. Due to variety of products and different types and prices of the product the duty should be kept ad-valorem. Duty should be imposed in a manner where it does not become futile. The anti-dumping duty is to be imposed in accordance with dumping margin and injury margin.

Examination by the Authority

138. The Authority notes that post-disclosure comments/submission made by the interested parties are mostly reiterations of earlier submissions, which have already been examined suitably and adequately and properly addressed in the disclosure statement or relevant paras of the present finding. The authority further considers as follows with regard to issues raised by the interested parties.

- i. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation have been considered by the Authority, wherever found relevant, in this finding
- ii. The Authority has decided after detailed examination and given reasons for inclusion of the products, for which exclusion was sought after relying on the facts and the evidence provided by all the interested parties including domestic industry.
- iii. It is noted that the product types are imported into India and the domestic industry is producing and supplying the like article to these product type. Different types of aluminium foils constitute one article and it would not be appropriate to exclude product types, if the domestic industry is manufacturing the like article to the product type being imported into India.
- iv. As regards exclusion of Semi rigid container foil or Aluminium foil Container thickness between 34 microns and 80 microns made from Alloy 3003, the Authority reiterates that the information on record shows that the SRC container is produced using 8006 and 8011 alloy and sold by the domestic industry at a price higher than the prices at which Semi-rigid container of 3003 alloy has been imported from China. Further, one of the consumers of SRC foil stock has bought SRC foil stock having alloy 8006 from the domestic industry and has also imported SRC foil stock having alloy 3003 from China.
- v. The interested parties have actually bought both kind of SRC foil stocks and have sold Semi-rigid containers in the market. There is sufficient evidence to show that Semi-rigid containers having 3003 alloy and SRC container having 8006 alloy have been interchangeably produced and sold by the same set of consumers. Further, no distinctive price difference between the SRC container having 3003 alloy and SRC container having 8006 alloy has been established by the interested parties. It would therefore not be appropriate to exclude SRC foil stock having 8006 alloy or SRC container having 3003 alloy from the scope of PUC. It is also noted that the domestic industry has provided evidence showing production of foil for different applications having alloy 3003. This clearly shows that the domestic industry in fact has 3003 alloy available to them for production of foils in accordance with customer's demand.
- vi. As regards the argument that injury to the domestic industry is self inflicted due to high cost of production and obsolete technology and process adopted, it is noted that the interested party has not provided any information to substantiate such claims. The injury analysis carried out by the Authority is self explanatory to establish that the dumping has caused injury to the domestic industry
- vii. As regards disclosure of PCN to PCN dumping margin, it is noted that dumping margin calculated on the basis of constructed normal value is business sensitive information of the domestic industry and therefore cannot be disclosed. Disclosure of PCN dumping margin shall imply disclosure of cost of production of the domestic industry, which is confidential information of the domestic industry.
- viii. As regards the submissions that the Authority has not dealt with cases cited by the parties, it is noted that such cases were cited to argue the eligibility of the domestic industry and the Authority has provided detailed reasoning in the relevant paragraph of this finding.
- ix. As regards the argument that the no clarification was provided by Designated Authority in the hearing about scope of the product, scope of domestic industry, the consolidated injury analysis, it is noted that as per AD Rules, the Authority is required to inform all interested parties of the essential facts under consideration which form the basis for its decision. In the instant case, the Authority has disclosed the facts under Rule 16 of the AD Rules on 14th Feb, 2017. The parties have been given opportunity to comments on the facts.
- x. As regards the methodology for determining normal value, the same has been determined as per the AD Rules
- xi. As regards price of raw material adopted for determination of normal value, the Authority has adopted best available information in this regard. None of the interested parties have been able to provide any other source of information which could be adopted for the purpose. Since a large number of different grades of aluminium stock

- are involved, there appeared no authentic published international prices for the same. It is also noted that aluminium prices mentioned in LME are in any case not relevant for the present purposes.
- xii. As regards the request for amendment in definition of Aluminium foil composite, it is noted that such amendment in definition will result in exclusion of a product type manufactured and supplied by domestic industry. The Authority has considered exclusion of only those product types like article of which has not been supplied by the domestic industry.
 - xiii. The Authority notes that there is no provision under the Rules to mandate that hearing is required to be provided after issuance of disclosure statement. The Authority provided opportunity to all the known interested parties to present their views orally in a public hearing held on 10th May, 2016 and 4th November 2016. The parties, which presented their views orally in the public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally. The interested parties were also provided opportunity to file rejoinder submissions. Moreover, none of the interested parties, while seeking hearing, brought any such cogent reasons which justify hearing at this stage.
 - xiv. As regards the argument of GKO Zhejiang GKO New Material Co Ltd, the disclosure statement and the present findings contain detailed reasoning for rejecting the questionnaire response. It is further clarified that the party has not provided relevant information sought during the course of investigation. The Authority wrote a letter dated 17/10/2016, informing the consultants of GKO about the table study of their exporter questionnaire response. However, the said verification offered was incomplete and the relevant information/ supporting evidences to substantiate the claims made in the exporter questionnaire were not provided. The Authority notes that physical on the spot verification is undertaken at the discretion of the Authority. The Authority may however seek such information and clarification as are necessary by conducting table verification and without undertaking physical verification. For instance, the company has not provided any corroborating evidence supporting adjustments claimed for export price determination. Notwithstanding, it is noted from the limited information provided by the company, that the description of the product being exported itself is ambiguous. It is observed from the examination of documents submitted that the exporter has provided information which is not limited to product under consideration (as per Appendix 2 declarations). In view of the foregoing, no individual dumping margin could be determined in respect of the said company.
 - xv. The Authority has held that different types of aluminium foils constitute one article. It would not be appropriate to exclude a product type, if the domestic industry is manufacturing the like article to the product being imported into India
 - xvi. As regards the argument of inclusion of AluAlu Laminate, it is reiterated that the petitioner has itself sought exclusion of this product type since the domestic industry is not making AluALu Laminate. It is not appropriate to impose the anti-dumping duty on a product type, when the like article is not supplied by the domestic industry and when the same was excluded from the scope of product under consideration at the stage of initiation itself. The scope of investigation and proposed measure cannot exceed the scope of the product under consideration at the stage of initiation of investigation. A domestic industry can however file a fresh petition seeking imposition of ADD on a product, if the domestic industry considered that a product is being dumped and such dumping is causing injury to the domestic industry.
 - xvii. As regards the argument of M/s. Jiangsu Zhongji Lamination Material Co Ltd, the company has not provided information prescribed as per the exporter's questionnaire response. The company has merely provided balance sheet. In view of very limited information provided by the company, the Authority could not determine individual dumping margin for the company.
 - xviii. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Invoices are business sensitive information and therefore, cannot not be disclosed.
 - xix. As regards the issue of Pinholes, the authority holds that the issue has been examined and addressed in detail in the disclosure statement and the present final findings at the relevant paragraphs. The authority considers that if the government has prescribed certain standards for a product and the same are complied by the domestic industry, the consumers cannot demand that the product type produced by the domestic industry does not meet the desired standards.
 - xx. As regards request for exclusion of 1800 mm width material, it is noted that the interested party itself has contended that the party might import such large size foil in future. Admitted, this has not been imported during POI. The Authority notes that a request for exclusion cannot be considered unless a party establishes that it has imported the product type and the domestic industry has not supplied like article.
 - xxi. The interested parties have reiterated their contention about quality of the product manufactured by the domestic industry and those imported in to India. It is reiterated that since the product manufactured by the domestic industry is held as like article to the product being imported into India and the two are used interchangeably by the users/importers, such issues raised by the interested parties without concrete evidence to establish the same, could not be applied.

- xxii. The domestic industry has provided documentary evidence in the form of commercial invoice showing product sale of ULG 5.5 Micron. Since the domestic industry has produced and supplied ULG 5.5. Micron, the claim of interested parties, that the domestic industry did not produce and supply this type of a product is factually incorrect and therefore could not be accepted.
- xxiii. As regards the contention that the domestic industry does not have sufficient capacity to meet the demand of ULG in the country, the authority notes if there is a demand supply gap in the country, the foreign producers can certainly fill the gap in the country by bringing the product at a fair price. Demand supply gap does not justify dumping of the product.
- xxiv. As regards the arguments on constitution of domestic industry, the Authority notes that as per the Anti-dumping Rules, the Authority is required to examine whether (a) domestic producers expressly supporting the application account for more than twenty five per cent of the total production of the like article by the domestic industry; and (b) the application is supported by those domestic producers whose collective output constitutes more than fifty per cent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition to the application. The Authority had written a letter to the Ministry of Mines and Department of Industrial Policy and Promotion and asked for the list of producers of the subject good in India along with the data of production, capacity of production, imports of the subject goods made from the subject country, if any for the period 2011-12 to 2014-15. The letter was duly replied by the Ministry of Mines enclosing information showing the list of producers of the subject goods in India and production of the major producers. The Authority has provided detailed reasoning for exclusion of M/s. Raviraj Industries. It is reiterated that M/s. Raviraj Foils has sold the imported subject goods after refurbishing the same to the domestic market. The authority called information on imports by the company after the POI. It was found that the volume of imports by the company have increased after the POI. Though the imports of the subject goods by M/s. Raviraj Foils from China PR is not so significant, but since almost all the imported subject goods were sold in the domestic market, and the company has given no plausible reasons for importing the product when the company itself is engaged in production of the product, the Authority finds that the company has unduly benefited from such dumping. Therefore, the Authority holds that it would not be appropriate to consider M/s. Raviraj Foils as a constituent of the domestic industry. The applicants constitute 41% of the total domestic production and with support of PG Foils; applicants constitute 56% of the total Indian production.
- xxv. As regards the argument of high interest cost of domestic industry adopted for determination of normal value, it is clarified that the Authority has considered the optimised cost of production of domestic industry for determination of normal value of China PR.
- xxvi. As regards the volume information kept confidential in the disclosure statement, the Authority has, vide letter dated 3/3/2017 disclosed the figures and sought comments from the interested parties. The comments received thereof has been considered in these findings.
- xxvii. As regards the change in import figures as per the petition and that adopted by the Authority, it is noted that the Authority has conducted its own analysis and adopted the information as verified. The authority has also procured data from DG (Systems) to complement DGCI&S data.
- xxviii. As regards the argument of injury and causal link, the Authority notes that the injury analysis carried out hereinabove is self explanatory to establish that the dumping has caused injury to the domestic industry.
- xxix. As regards the exclusion of SRC, the Authority notes that the issue has been dealt in details in the relevant paragraphs of the disclosure statement as well as these findings.
- xxx. As regards the submissions of the domestic industry regarding dumping margin of M/s. Hangzhou Five Star Aluminium Company Limited, M/s. Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd, and M/s. Hangzhou Dingsheng Import & Export Co. Ltd, the same has been determined as per the actual export price of the party concerned. As regards request for disclosure of product type sold by the exporters, it is noted that it is business sensitive information and therefore cannot be disclosed.
- xxxi. As regards the submissions of the domestic industry concerning determination of non-injurious price (NIP), the Authority notes that the detailed guidelines for computation of NIP is laid down under Annexure III of the Anti-dumping Rules and the same has been adopted while determining NIP in the present investigation
- xxxii. As regards the submission of the domestic industry concerning form of duty, the Authority notes that as per the Anti-dumping Rules, the mandate of the Designated Authority is to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, suitability of the form of the anti-dumping measures is decided by taking in to consideration the facts of a case.

O. Indian industry's interest & other issues:

- 139. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair

competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

P. Recommendation

140. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

- a. The product under consideration has been exported to India from the subject country below normal values.
- b. The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from subject country.
- c. The material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject country.

141. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all the interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Anti-dumping Rules and having established a positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of duty is necessary to offset dumping and injury. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury margin, the landed value of imports of product under consideration has been compared with the non-injurious price of the domestic like product produced by domestic industry determined for the period of investigation.

142. Accordingly, the Anti-dumping duty equal to the amount indicated in Column 8 of the table below is recommended to be imposed by the Central Government on the imports of the subject goods originating in or exported from subject country from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government.

| SN | Sub heading or Tariff Item | Description on of goods | Country of origin | Country of export | Producer | Exporter | Amount | Currency | Unit |
|-----|----------------------------|-------------------------|-------------------|-------------------|--|--|--------|----------|------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| 1. | 7607 | Aluminium Foil * | China PR | China PR | Zhejiang Zhongjin Aluminium Industry Co. Ltd | Zhejiang Zhongjin Aluminium Industry Co. Ltd | 1.43 | US\$ | Kg |
| 2. | 7607 | Do | China PR | China PR | M/s Qingdao Loftan Aluminium Foil Co. Ltd. | M/s Loftan Aluminium (Hong Kong) Limited | 1.18 | US\$ | Kg |
| 3. | 7607 | Do | China PR | China PR | M/s Loftan Environmental Technology Co. Ltd. | M/s Loftan Aluminium (Hong Kong) Limited | 1.18 | US\$ | Kg |
| 4. | 7607 | Do | China PR | China PR | M/s Hangzhou Five Star Aluminium Company Limited | Hangzhou Dingsheng Import & Export Co., Ltd | 0.69 | US\$ | Kg |

| SN | Sub heading or Tariff Item | Description on of goods | Country of origin | Country of export | Producer | Exporter | Amount | Currency | Unit |
|-----|----------------------------|-------------------------|-------------------|-------------------|--|--|--------|----------|------|
| 5. | 7607 | Do | China PR | China PR | M/s Hangzhou Five Star Aluminium Company Limited | Dingsheng Aluminium Industries (Hong Kong) Trading Company Limited | 0.69 | US\$ | Kg |
| 6. | 7607 | Do | China PR | China PR | M/s Hangzhou Five Star Aluminium Company Limited | M/s Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd., | 0.69 | US\$ | Kg |
| 7. | 7607 | Do | China PR | China PR | M/s Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd | Hangzhou Dingsheng Import & Export Co., Ltd | 0.69 | US\$ | Kg |
| 8. | 7607 | Do | China PR | China PR | M/s Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd | Dingsheng Aluminium Industries (Hong Kong) Trading Company Limited | 0.69 | US\$ | Kg |
| 9. | 7607 | Do | China PR | China PR | M/s Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd | M/s Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd., | 0.69 | US\$ | Kg |
| 10. | 7607 | Do | China PR | China PR | M/s Hangzhou Dingsheng Import & Export Co. Ltd | Hangzhou Dingsheng Import & Export Co., Ltd | 0.69 | US\$ | Kg |
| 11. | 7607 | Do | China PR | China PR | M/s Hangzhou Dingsheng Import & Export Co. Ltd | Dingsheng Aluminium Industries (Hong Kong) Trading Company Limited | 0.69 | US\$ | Kg |

| SN | Sub heading or Tariff Item | Description on of goods | Country of origin | Country of export | Producer | Exporter | Amount | Currency | Unit |
|-----|----------------------------|-------------------------|-------------------|-------------------|--|--|--------|----------|------|
| 12. | 7607 | Do | China PR | China PR | M/s Hangzhou Dingsheng Import & Export Co. Ltd | M/s Jiangsu Dingsheng New Materials Joint-Stock Co Ltd., | 0.69 | US\$ | Kg |
| 13. | 7607 | Do | China PR | China PR | Any other combination than SN 1 to 12 | | 1.63 | US\$ | Kg |
| 14. | 7607 | Do | China PR | Any | Any | Any | 1.63 | US\$ | Kg |
| 15. | 7607 | Do | Any | China PR | Any | Any | 1.63 | US\$ | Kg |

* Aluminium Foil for the purpose of this notification means “Aluminium Foil whether or not printed or backed with paper, paper board, plastics or similar packing materials of a thickness ranging from 5.5 micron to 80 micron.”

The description of goods does not include the imports of the following:

- i. Alu Alu Laminate: Alu Alu Laminate of 40 - 50 mic in AA8079 & AA8021, is a multi-layered opaque laminate where Aluminium foil and is backed with plastic film on both side with adhesives; for use in packing capsules/tablets.
- ii. Ultra Light Gauge Converted : Ultra Light Gauge Converted is an aluminium foil having thickness of 5.5 6 mic to 7 mic which and is backed with kraft paper & scrim, or glass cloth, whether plain or printed for use in insulation, spices packing, thermal fluid lines covering and tea bags application.
- iii. Aluminium Foil Composite: aluminium foil laminated with or backed with Kraft paper and glass scrim or glass cloth with or without poly ethylene, whether printed or not printed. Aluminium foil laminated with or backed with Kraft paper however is within the scope of the product under consideration and proposed measures.
- iv. Aluminum foil for capacitors: Aluminum foil for capacitors is an Aluminum foil of 5 micron gauge with smaller widths having 99.35% purity, for use in electrical equipment such as radios, televisions, telephones, computers, microwave ovens, electrical welders, magnetos, electronic testing equipment, copy machines, air conditioners, automobiles, fluorescent lights, mercury vapour street lamps, power transmission equipment, electric motors, control units, and similar articles.
- v. Etched or formed Aluminium Foils : Etched or formed Aluminium Foils is Aluminium Foil meant to be used in the manufacture of Electrolytic Capacitor
- vi. Aluminium composite panel - Aluminium composite panel is a non-aluminium core (often PE) bonded between two thin layers of aluminium, for use in facade cladding and signage.
- vii. Clad with compatible non clad Aluminium Foil: Clad with compatible non clad Aluminium Foil is a corrosion-resistant aluminium sheet formed from aluminium surface layers metallurgically bonded to high-strength aluminium alloy core material for use in engine cooling and air conditioner systems in automotive industry; such as radiator, condenser, evaporator, intercooler, oil cooler and heater.
- viii. Aluminium Foil for beer bottle: Aluminium Foil of 10.5 micron with rough surface and perforated whether printed or not; to be used in beer bottle

143. An appeal against these findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

Dr.INDER JIT SINGH, Addl. Secy. & Designated Authority